



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 12, 1980 (चैत्र 23, 1902)

No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 12, 1980 (CHAITRA 23, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठों में दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा० II—मन्त्रि, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित तीन स्थायी अनुभाग अधिकारियों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट पदों पर तथा अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम	पद	अवधि
1	2	3	4
1.	श्री जी० पी० सक्सेना	अनु० अधिकारी (विशेष-नोपनीय)	10-2-80 से 9-5-80 तक
2.	श्री जे० एस० माहनी	अनु० अधिकारी (विशेष-परीक्षा संवीक्षा तथा समन्वय)	3-3-80 से 2-6-1980 तक

1	2	3	4
3.	श्री एच० एम० विश्वास	अनु० अधिकारी (विशेष-परीक्षा नियम एवं प्रबंध)	3-3-1980 से 2-6-1980 तक

2. अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप सर्वश्री जी० पी० सक्सेना, जे० एम० माहनी और एच० एम० विश्वास का वेतन वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के समय समय पर यथा संशोधित का० शा० सं० एफ० 10(24)ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार वित्तियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव
छूते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
का. एवं प्र. मु. विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1980

सं. ए. 19021/1/79-प्रशा. 5-5-केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त श्री ई. एन. राममोहन, भारतीय पुलिस सेवा (1965-मेघालय) ने दिनांक 31-1-1980 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कार्यभार मुक्त होने पर, श्री राम मोहन की सेवाएं मेघालय सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

की. ला. ग्रांवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-19, दिनांक 20 मार्च 1980

सं. ई. 38013(3)/11/79-वार्मिक-श्रिया से स्थानांतरित होने पर, श्री एन. जी. दत्ता गुप्ता ने 29 फरवरी, 1980 के अपराह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट बी. सी. सी. एल. श्रिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

(ह.) अपठनीय
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 मार्च 1980

सं. 11/39/79-प्रशा. I-राष्ट्रपति, कर्नाटक सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम. राघवेंद्र राव को कर्नाटक, बंगलूर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 7 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सह्य नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय बेलगांव में होगा।

पी. पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जनवरी, 1980 के स्तर से 2 अंक घट कर 369 (तीन सौ उनहत्तर) रहा। फरवरी 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 448 (चार सौ अड़तालीस) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,
मंत्र-निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

महालेखाकार आंध्र प्रदेश का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 22 मार्च 1980

सं. प्रशा. 1/8.132/79-80/398-महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी. वीरप्पा को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-ई. बी. 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 13-3-1980 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रशा. 1/8.132/79-80/398-महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जे. कृष्णाराव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-ई. बी. 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 13-3-1980 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रशा. 1/8.132/79-80/398-महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जे. लक्ष्मीपति को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-ई. बी. 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 13-3-1980 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

रा. हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं. 23/3/80 सी. पी. आई.---फरवरी, 1980 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 मार्च 1980

सं. 5691/ए. प्रशासन/130/79-वार्षिक निवृत्ति प्राप्ति करने पर श्री एन. सी. विश्वास, स्थायी लेखा परीक्षा

अधिकारी, दिनांक 29-2-1980 (अपराह्न) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

के० बी० राम भीमिक,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० ए० 19018/474/80-प्रशासन (राजपत्रित)---
राष्ट्रपति जी, श्री एम० के० चक्रवर्ती, आई० ए० एम०
(प० बंगाल, 1969) को दिनांक 6 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न)
से अगले आदेशों तक विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई
दिल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्र-1 (सामान्य प्रशासन
प्रभाग) महर्षि नियुक्त करने हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,
उपनिदेशक (प्रशा०)

पूति विभाग

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1980

सं० प्र-1/1/1128---महानिदेशक पूति तथा निपटान,
पूति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक
(मुकदमा) (ग्रेड II) श्री आर० धीरास्वामी को दिनांक
12-11-1979 (पूर्वाह्न) से तथा आगामी आदेशों के जारी
होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक
(मुकदमा) (ग्रेड-1) के पद पर प्रतिनियुक्त के आधार पर
स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक पूति तथा निपटान

क्षपात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

सं० ए०-19011(276)80-स्था० ए०-संध लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति श्री एस० सी० श्रीवास्तवा,
सहायक रसायनविद् को 10 मार्च, 1980 के अपराह्न से
स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में रसायनविद् के
पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की गई है।

एस० बी० अली,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान-सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 25 मार्च 1980

सं० 4-169/79/स्था०---निदेशक, भारतीय मानवविज्ञान
सर्वेक्षण, एतद्वारा डा० विश्वनाथ ओवारदार को अस्थायी
आधार पर दिनांक 10 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले
आदेश होने तक इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, देहरादून
में सहायक मानवविज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर नियुक्त
करते हैं।

एन० आर० आईच,
प्रशासनिक अधिकारी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ए० 24013/11/79-सिबन्दी-I---श्री आर० पी०
शर्मा की छुट्टी समाप्त होने पर, कुमारी एम्० सेन स्थानापन्न
जाया प्रबन्धक, फिल्म प्रयोग नागपुर को दिनांक 28-1-1979
के दुपारह्न से बिस्तेता के पद पर प्रत्यावर्तित किया।

नरेन्द्र नाथ शर्मा,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी,
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1980

सं० ए० 12025/2/78-प्रशासन-I---स्वास्थ्य सेवा
महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) जैनेट विकर्स को 20 फरवरी,
1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य
योजना, जयपुर में दत्त शल्य चिकित्सक के पद पर अस्थायी
आधार पर तैनात किया है।

सं० ए० 12025/20/78-ए० आई० आई० एच० पी०
एच०)/प्रशासन-I---राष्ट्रपति ने श्री धीन बन्धु गूडन को 1
फरवरी, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अखिल
भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता
में सेनेटरी इंजीनियर (डीजाइन) के सहायक प्रोफेसर के
पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 17 मार्च 1980

सं० ए० 38012/1/80-(एच० ब्यू०)/प्रशासन-I---
सेवा नियुक्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवा
महानिदेशालय, नई दिल्ली में नर्सिंग सलाहकार श्रीमती पी०
के० कार्थ्यानी 29 फरवरी, 1980 के अपराह्न से सरकारी
सेवा से निवृत्त हो गई है।

दिनांक 21 मार्च 1980

सं० ए० 31014/4/77-(मुख्य)/प्रशासन-I---स्वास्थ्य
सेवा महानिदेशक ने निर्माला देवी 6 अधिकारियों को स्वास्थ्य

सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक वास्तुविद के स्थाई पदों पर उनके नाम के आगे दी गई तारीख से स्थाई आधार पर नियुक्त किया है:—

(1) श्री एस० डी० मटंग	17-10-1965
(2) श्री बी० सी० मिस्त्री	—वही—
(3) श्री टी० एस० गिल	12-02-1970
(4) श्री बी० बी० पंचाल	11-10-1972
(5) श्री के० के० मित्रा	30-06-1972
(6) श्री हरबंस सिंह	07-04-1978

दिनांक 22 मार्च 1980

सं० ए० 12026/1/77-एन० एम० ई० पी०/प्रशा०— सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० के० शर्मा ने 22 जनवरी, 1980, पूर्वाह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० के० शर्मा ने 22 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली से उप सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एच० विश्वास ने 15 जनवरी, 1980 पूर्वाह्न से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सहायक निदेशक, (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एच० विश्वास ने 14 जनवरी 1980, अपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० एम० बौल ने 4 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अधीन राष्ट्रीय फायलरिया नियंत्रण कार्यक्रम में सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० एम० बौल ने 31 जनवरी, 1980, अपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान (काला-प्राजार एकक) पटना में उप सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री के० एच० कनौजिया ने 5 फरवरी, 1980 पूर्वाह्न से प्रादेशिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यालय, हैदराबाद में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री के० एच० कनौजिया ने 1 फरवरी, 1980, पूर्वाह्न से क्षेत्रीय फायलरिया प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र, राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान कालिकट में उप सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ए० 32015/4/78-भंडार (भाग-I)—इस निदेशालय की 5 अक्तूबर, 1979 की अधिसूचना संख्या ए० 32015/4/78-भंडार-1 (पाठ) के क्रम में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने परिवार कल्याण उप-डीपू के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री जे० के० लाल को 13 जनवरी, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी डीपू में तदर्थ आधार पर सहायक डीपू मैनेजर के पद पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल,
उप निदेशक प्रशासन

दिनांक 17 मार्च 1980

सं० ए० 19023/75/78-प्रशा०-II—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के अनुसार श्रीमती आर० एस० नेहते, जो तदर्थ आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में काम कर रही हैं, इस निदेशालय के अधीन बम्बई में तांख 22-11-1979 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में पदोन्नति की गई है।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक प्रशासन,
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरोरा कालोनी, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(167)/80/एस०/3544 नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा, के मुख्य परियोजना अभियंता, उप नियंत्रक सैनिक लेखा कार्यालय, के अनुभाग अधिकारी श्री एम० एम० शर्मा, पी० ए० ओ० (ओ० आर० एस०) आर्टिलरी, को नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 11 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400001, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं० डी० पी० एस०/4/1(5)/77-प्रशा०/3432—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने निम्नलिखित अधिकारियों को 25 जनवरी, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के स्थायी पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम और यूनिट	वर्तमान ग्रेड	स्थायी पद, यदि कोई है तो
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री टी० आर० एस० थम्पी केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे।	भंडार अधिकारी	भंडारी
2.	श्री एम० एस० गंगनायक केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे।	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
3.	श्री ए० पद्मनाभन, भारी पानी परियोजना भंडार, तूतीकोरिन	सहायक भंडार अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ भंडारी)
4.	श्री बी० सी० कुरुबिला, परमाणु खनिज प्रभाग भंडार, नागपुर	सहायक भंडार अधिकारी	मुख्य भंडारी
5.	श्री के० एल० उपाध्याय, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार, कलपाक्कम	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
6.	श्री एम० के० जॉन, भारी पानी परियोजना भंडार, वडोदरा	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
7.	श्री आर० बी० माथुरे, भारी पानी परियोजना भंडार, कोटा	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
8.	श्री एम० एन० एच० राव, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र भंडार, हैदराबाद	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
9.	श्री के० चन्द्रशेखरन, केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
10.	श्री बी० राधाकृष्णन, (केरल न्यूक्लियर) परियोजना, केरल राज्य में प्रतिनियुक्ति पर)	सहायक भंडार अधिकारी	सहायक भंडारी

(1)	(2)	(3)	(4)
11.	श्री वी० बी० प्रभु, केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे	सहायक भंडार अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ भंडारी)
12.	श्री ए० आर० तोंदवलकर, केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
13.	श्री बी० के० बोकिन, विद्युत रिएक्टर ईंधन पुनः संसाधन संयंत्र भंडार, तारापुर	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
14.	श्री जे० डब्ल्यू० आर० लिविंगस्टोन, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार, कलपाक्कम	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
15.	श्री के० श्रीधरन केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
16.	श्री आई० पी० सेतान, केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे	सहायक भंडार अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ भंडारी)
17.	श्री अश्वतार सिंह पूंज, केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
18.	श्री पी० के० आर० वारियर, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार, कलपाक्कम	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी
19.	श्री के० एस० विल्ले, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र भंडार, कलपाक्कम	सहायक भंडार अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ भंडारी)
20.	श्री जॉन जॉनी, केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी

सं० डी० पी० एस०/4/1(4)/77-प्रशासन/3472—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशक ने निम्नलिखित अधिकारियों को 10 अक्टूबर, 1979 से उसी निदेशालय में

सहायक क्रय अधिकारी के स्थायी पदों पर भौतिक रूप से नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम और यूनिट	वर्तमान ग्रेड	स्थायी पद, यदि कोई है तो
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री बी० भूतसिंगम, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई (मैसर्स रिचर्डसन एण्ड कुड्डस लिमिटेड में प्रतिनियुक्ति पर)	सहायक क्रय अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक)
2.	श्री एम० पंचपकेशन, मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट, मद्रास	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
3.	श्री एस० जी० कटूलकर, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
4.	श्री पी० बी० रामनाथन, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	वरिष्ठ आशु-लिपिक
5.	श्री पी० के० सुब्बन, कलकत्ता क्षेत्रीय क्रय यूनिट, कलकत्ता	क्रय अधिकारी	—
6.	श्री बी० के० चन्द्रशेखरन, मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट, मद्रास	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
7.	श्री बी० कृष्णन, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
8.	श्री आर० एस० गायकवाड, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
9.	श्री बी० एस० रामस्वामी, हैदराबाद क्षेत्रीय क्रय यूनिट, हैदराबाद	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
10.	श्री के० बी० नायर, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी (स्थायित्व क्रय सहायक)	—
11.	श्री आर० जे० धोंध, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक)
12.	श्री पी० नारायणनकुट्टी, कोटा क्षेत्रीय क्रय यूनिट, कोटा	सहायक क्रय अधिकारी	—

(1)	(2)	(3)	(4)
13.	श्री जे० जी० सिंह, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	—
14.	श्री एस० जे० प्रधान, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक)
15.	श्री टी० पी० जोसफ, मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट, मद्रास	सहायक क्रय अधिकारी (स्थायित्व निम्न श्रेणी लिपिक)	—
16.	श्री पी० बालसुब्रह्मय्यन, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
17.	श्री के० बालगंगाधरन, हैदराबाद क्षेत्रीय क्रय यूनिट, हैदराबाद	सहायक क्रय अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक)

दिनांक 7 मार्च 1980

सं० डी० पी० एस०/4/1(5)/77-प्रशा०/3935—पर-माणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री गोपाल नरेंद्रनाथ नायर, सहायक भंडार अधिकारी को 25 जनवरी, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

मुम्बई-400001, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० डी० पी० एस० 23/8/77/प्रशा०/4514—निदेशक क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग निम्न-लिखित सहायक लेखाकारों को सहायक लेखा अधिकारी पद पर स्थानाव्रत रूप में रुपये 650-30-740-35-880-३० री०-40-960 के वेतन क्रम में उनके नाम के समाने अंकित समयावधि तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	से	तक
(1)	श्री ए० एम० परूलकर	16-6-79	17-8-79 (अपराहृत तक)
(2)	श्री जे० जी० माठे	12-11-79	15-12-79 (अपराहृत तक)

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्यालय अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम, दिनांक 11 मार्च 1980

सं० एम० ए० पी० पी०/5(27)/76-प्रशासन—निम्नलिखित व्यक्तियों को जो इस समय मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में कार्य कर रहे हैं 1-1-1979 से 650-30-740-35-880-३० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में मौलिक रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया गया है:—

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम	टिप्पणी
1.	श्री टी० एम० वेंकटरामन	विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग पुल में स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक।
2.	श्री एम० डी० राघवन	विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग पुल में स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक।

एम० हरिप्रसाद राव
मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० प० ख० प्र०-2/(2904)/79-प्रशासन—श्री आदव नन्द दास द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० के अस्थायी पद में दिया गया त्याग-पत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 5 फरवरी 1980 के आदेश के अंतर्गत स्वीकार कर लिया गया है।

एम० एम० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली 3, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० ई० (I) 03764—मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान एवं भू-भौतिकी) के कार्यालय पुणे में कार्यरत डा० आर० वाई० मोकाशी, मौसम विज्ञानी ग्रेड II निवृत्तन आयु पर पहुंचते पर दिनांक 30-11-1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

के० मुखर्जी
मौसम विज्ञानी
हुते मौसम विज्ञान महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० ए० 31013/2/79-ई० ए०—राष्ट्रपति ने इस विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों का प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से तथा अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग और विमान क्षेत्र संगठन में उपनिदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	दिनांक	नैताती स्टेशन
1.	श्री एम० एम० जोगलेकर	1-11-1978	क्षेत्रीय विमानक्षेत्र नियंत्रक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई
2.	श्री एम० भट्टाचार्य	1-2-1979	विमान क्षेत्र नियंत्रक, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
3.	श्री बी० के० रामाचन्द्रन	1-2-1979	उपनिदेशक (विमान परिवहन) मुख्यालय

वी० वी० जौहरी
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1980

सं० ए० 32013/9/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 22-8-1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/79-ई० सं० के क्रम में राष्ट्रपति जी श्री एन० एस० एस० हायक संचार अधिकारी को संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को 4-1-1980 के बाद छः माह के लिए, अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो पहले हो, जारी रखने का मंजूरी देने है।

दिनांक 20 मार्च 1980

सं० ए० 32013/15/77-ई० पी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को जो नीचे दिए गए व्यक्तियों के अनुसार विदेशी सरकारों के पास प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे, दिनांक 19-9-1978 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में प्रोत्तम पदोन्नति देने की अनुमति प्रदान की है:—

क्रम सं०	नाम	जहाँ के पास प्रतिनियुक्ति पर है
1.	श्री के० पी० अजय	जाम्बिया सरकार
2.	श्री एस० आर० वैकटरमण	जाम्बिया सरकार
3.	श्री आर० अधिसेशन	लीबिया सरकार

सं० ए० 32013/8/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 11-2-1980 की अधिसूचना सं० ए० 32013/8/79-ई० सी० के क्रम सं० 3 और 6 का संशोधन करते हुए राष्ट्रपति जी ने निम्नलिखित अधिकारियों की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को उनके नाम के मामले दी गई तारीखों के बाद 31-5-1980 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले डी, जारी रखने की स्वीकृति दे दी है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	तदर्थ नियुक्ति की स्वीकृति अवधि
3.	श्री एम० डी० बंमल	निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास, एकक, नई दिल्ली	29-12-79 के बाद 31-5-80 तक
6.	श्री बी० भुवमण्यन्	क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई	9-2-80 के बाद 31-5-80 तक

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तीन अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार 29-2-1980 (अपराह्न) से त्याग दिया है:—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	स्टेशन	सेवा निवृत्त होने की तारीख
1.	श्री बी० एन० कौल, सहायक तकनीकी अधिकारी	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	29-2-80 (अपराह्न)
2.	श्री किरण राय, सहायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	29-2-80 (अपराह्न)
3.	श्री दीदार सिंह, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, अमृतसर	29-2-80 (अपराह्न)

आर० एन० दाम,
सहायक निदेशक प्रशासन

केंद्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला
पुणे-411024, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० 608/163/80-प्रशासन—पंच लोक सेवा आयोग से किए गए चयन के कारण निदेशक, केंद्रीय जल और विद्युत

अनुसंधान शाला, पुणे इसके द्वारा श्री जगन मोहन राव की सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी-यांत्रिक) के पद पर वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-३० रॉ०-35-880-40-1000-२० रॉ०-40-1200 पर 1 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से नियुक्ति करते हैं।

श्री जगन मोहन राव के लिए 1-3-1980 से दो साल की परिवीक्षावधी होगी।

एम० आर० गिडवानी,
प्रशासन अधिकारी,
कृते निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स कैपिटल लैण्ड एंड जनरल उद्योग प्रा० लि० के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1980

सं० 3750/6900—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स कैपिटल लैण्ड एंड जनरल उद्योग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

हरनाल,
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनी
दिल्ली व हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स अग्रवाल बेनीफिटम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1248—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स अग्रवाल बेनीफिटम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स श्री मईनेनी ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1280—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स श्री मईनेनी ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स श्री जयश्री एन्टरप्राइजीस लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च, 1980

सं० 560/1463—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स श्री जयश्री एन्टरप्राइजीस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दर्शन ट्रेडिंग एन्ड फार्निशर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1570—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स दर्शन ट्रेडिंग फार्निशर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ई० सी० ट्रेडिंग एन्ड फार्निशर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1594—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स ई० सी० ट्रेडिंग एन्ड फार्निशर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अरपन बेनीफीट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1948—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स अरपन बेनीफीट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

प्रमंडल संचायक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद
जे० मो० गाथा,

कम्पनी अधिनियम 1956 और पोदर सकडी पोली ऊमडील लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2596/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पोदर सकडी पोली ऊमडील लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और येशोदरा केमियलस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2644/लिक्वि/3024/80—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है की इस तारीख से तीन मास के अवसान पर येशोदरा केमियलस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और युवराणी थियेटर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2661/लिक्वि/3022/80—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है की इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युवराणी थियेटर प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मोटीबाई पटेल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 1924/लिक्वि/3036/80—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है की इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मोटीबाई पटेल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वैपीन आइलैंड कैनिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2789/लिवि०/3043/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वैपीन आइलैंड कैनिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रालियन्ट एग्रो-केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2815/लिवि०/3040/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रालियन्ट एग्रो-केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुमंगला लोन्स एंड चिट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2481/लिवि०/3045/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुमंगला लोन्स एंड चिट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चन्दाकल प्लानटेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 1932/लिवि०/3028/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चन्दाकल प्लानटेशन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जनता एम्पलाईज कुरी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2456/लिवि०/3047/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जनता एम्पलाईज कुरी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और केरल आटो इंडस्ट्रीयल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2346/लिवि०/3038/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केरल आटो इंडस्ट्रीयल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नीलेस्वर अलु मिनियम माइन्स एंड ट्रेड्स लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2382/लिवि०/3034/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नीलेस्वर अलुमिनियम माइन्स एंड ट्रेड्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० अहमद कुञ्जु,
कम्पनी प्रॉसिक््यूटर एंड एक्स-प्रोफिशियी
असिस्टेंट रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज,
केरल

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-2642 (986-I-1-1/79-80—अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 473, 474-5, 474-6, है तथा जो गांव गोता, तालुका दशरोई, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरितों (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि जा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शांताबेन, पटेल हरीभाई डाह्याभाई की विधवा गांव गोता तालुका दशरोई जिला—अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री (1) श्री विष्णु भाई मकतलाल पटेल, 36, शंकर सोसायटी नं० 1, चाररास्ता, नारणपुर, अहमदाबाद-13;

(2) श्री जयंतीबाई मकतलाल पटेल, 27, तारककुंज सोसायटी, वाडेज के पास, अहमदाबाद।

(3) श्री कनुभाई मकतलाल पटेल, II, शांती निकेतन पार्क अमीन होस्पिटल के पीछे, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवादा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 एकड़ 0-32-, गुठा तथा 0-34-4 गुंठ क्षेत्रफल वाली खुली जमीन का 1/4 अविभक्त हिस्सा, पिसडा सर्वे नं०, 473 475/5, तथा 474/5 है जो गांव गोता, तालुका दशरोई जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा विक्री दस्तावेज रजिस्ट्रेशन घं 7163 दिनांक 4-7-1979 से रजिस्टर्ड उनमें पैसा पूर्ण बताया गया है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक : 25-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-26-42 (987) /1-1/79-80—अतः मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 474-5, 473, 474-8, है तथा जो गांव, गोता, ता० दशकरोई जिला—अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन कोई अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अधिनियम में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हर्षभाई हरीभाई पटेल, स्वयं तथा अतः एच० यू० एफ० के कर्ता के रूप में तथा समीर बाबो हर्षमभाई के बाल, गांव गोता, तालुक दशकरोई जिला—अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री विष्णुभाई मकतलाल पटेल, 36, शंकर सोसाइटी नं० 1, चाररास्ता नारणपुर, अहमदाबाद—13

2. श्री जयंतीभाई मकनलाल पटेल, 27, तारककुंज सोसायटी, नवाबाद अहमदाबाद-13

3 श्री कनुभाई मकतलाल पटेल 11, सांतीनिकेतन पार्क अमीन की अस्पताल के पीछे, नारणपुर—अहमदाबाद-13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 एकड़ 0-32-4 गुंठा तथा 0-34-4 गुंठा क्षेत्रफल वाली खुली जमीन का अवमकत 1/4 हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 473, 475/5, 474/8 क्रमशः है जो गांव तालुका दगोताकोई स्थित जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन सं० 7162 दिनांक 4-7-1979 से रजिस्टर्ड विक्री दस्तवेज में बैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एन० एम० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 25-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई०डी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-2642 (988) /

1-1/79-80—यतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उपरान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 473, 474-5 तथा 474-6, है तथा
जो गांव गोता, तालुका दशक्रोई जिला अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घटकरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिफल से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और यथार्थि
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गणनात्मक
रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उपाय
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा
के लिए, और

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के
लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री चन्दुलाल हरीभाई पटेल स्वयं तथा एच० यू०
एफ० के कर्त्ता के रूप में तथा समीर (1) की जयेंद्र चन्दुभाई
(2) श्री शैलेश चन्दुभाई के वाली, गांव गोता, तालुका दशक्रोई
जिला अहमदाबाद । (अन्तरक)

(2) (1) श्री विष्णुभाई मफ्तलाल पटेल, 36, शंकर
सोसायटी नं० 1, चाररास्ता नाराणपुरा, अहमदाबाद-13 ।

(2) श्री जयंतीभाई मफ्तलाल पटेल, 27 तारककुंज
सोसायटी, नया वार्ड, अहमदाबाद-13,

(3) श्री कनुभाई मफ्तलाल पटेल 11, शांतीनिकेतन पार्क,
अमीन के अस्पताल के पीछे, अहमदाबाद-13 ।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोधतापूर्वक के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया हुआ है ।

अनुसूची

7 एकड़ 0-32-4 गुंठा, 0-34-4 गुंठा क्षेत्रफल वाली
जमीन का 1/4 अविभक्त हिस्सा जिसका सर्वे नं० 473, 475/5
तथा 474/6 क्रमशः है जो गांव-गोता तालुका-दशक्रोई जिला
अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 7166
दिनांक 4-7-1979 से रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण
वर्णन दिया गया है ।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक 26-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० कु० 23-I-2642 (989)/1-1/79-80—अतः मुझे, एस० एन० मंडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 473, 474-5, तथा 474-6; है। तथा जो गांव गोता, तालुका दशक्रोई जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हों में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत :--

- (1) श्री जगदीश हरीभाई पटेल स्वयं तथा एच यु० एफ के कर्ता के रूप में तथा सगीर बाबी, जगदीशभाई के वाली गांव गोता तालुका दशक्रोई जिला अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) (1) श्री विष्णुभाई मफतलाल पटेल, 36, शंकर सोसायटी नं० 1, चार रास्ता नारणपुर, अहमदाबाद-13
- (2) श्री, जैतीभाई मफतलाल पटेल, 27, तारककुंज सोसायटी, तथा न्यु बाहेज, अहमदाबाद-13,
- (3) श्री कानुभाई तमफतलाल पटेल, 11, शांती निकेतन पार्क, अमीनकी अस्पताल के पीछे अहमदाबाद 13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 एकड़ 0-32-8 गुंघास तथा 0-34-4 गुंघास क्षेत्रफल वाली खुली जमीन का 1/4 अभिभक्तत हिस्सा जिसका सर्वे नं० 478, 478/5 474/6 क्रमशः है जो गांव गोता, तालुका दशक्रोई जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 7176 दिनांक 4-7-1979 से रजिस्ट्रार बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है

एस० एन० मंडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अहमदाबाद,

दिनांक : 25-3-1980
मोहरः

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16 दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सं० 320/79-80—यस— मुझे के० नारायण मनोन के० नारायण मनोन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन 2-7-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रोत्साहित नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्रीमती इन्दिरा देवी 2 कृष्णन 3 गोविन्दप्पन 4 शिवन 5 विजयन (अन्तरक)
(2) जोसफ मात्तू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8th right over 58.5 cents of land and building as per schedule attached to doc No. 2451/79.

के० नारायण मनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-9-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 321/79-80—यतः मुझे कं० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपा में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) कुमार 1 इन्दिरा देवी 2. कुण्णन 3. गोविन्दन
4. शिवन 5. विजयन (अन्तरक)

(2) श्री जोसेफ माथ्यू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8th right over 58.5 cents of land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 2452/79.

कं० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-9-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती शुभा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अरीफा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कोचिन-16, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० स० 405/79-80—यतः मुझे, बी०
मोहनलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य ₹25,000/- रु० से
अधिक है

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर सूचना को
तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम
गाँव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-79
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

10½ cents of land with buildings as per schedule to docu-
ment No. 2779/79.

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4—16 GI/80

बी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज कोचिन

कोचिन-15 दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० सी० 406/79-80—यतः मेसे व०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची कं० अनुसार है 4 और जो कोटयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा; के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति साशाम्मा कुस्विल्ला (अन्तरक)

(2) डोरस ट्रान्सपोर्ट्स (पै० लिमिटेड,) by श्री जी० डी० मित्तल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

32 cents of land with buildings in Sy No. 7/8 of Kottayam village.

जी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, एरणकुलम

तारीख : 12-3-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 फरवरी 1980

सं० ए० पी० नं० 2060:—अतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है। है तथा जो
मकान गली नं० 15 मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दीवान चन्द पुत्र श्री कर्म चन्द जैन नगरी अबोहर
(अन्तरक)

2. 1. परमेश्वरी देवी पत्नी कुन्दन लाल

2. लाजवन्ती पत्नी जय लाल

3. जय लाल पुत्र कुन्दन लाल गली नं० 15 मण्डी
अबोहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई तो आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि बिलेख नं० 1044 दिनांक 11-7-79
को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख: 26-2-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० ए० पी० नं० 2061:—अतः मुझे बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो गांव चकअला बोकश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुकेरिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मदन लाल पुत्र रघुनाथ गांव मजहरी तहसील खरड़ जिला रोपड़; मुखतरआम दविन्दर कुमार भलाइस सविन्दर कुमार पुत्र श्रीमती विद्यावन्सी विघवा वशहार नाथ गांव खन्ना जिला लुधियाना अब गांव मजहरी तहसील खरड़ जिला रोपड़।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र सिंह चानन सिंह इकबाल सिंह पुत्र प्रताप सिंह जगजीत सिंह पुत्र बलवन्त सिंह गांव बेवीदास तहसील मुकेरिया जिला होशियार पुर

(अन्तरिती)

3. जसा कि ऊपर नं० 2 है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवधू है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायबाद जैसा के विलेख नं० 977 दिनांक जुलाई, 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेरिया ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर।

तारीख 2-7-3-1980
मोहर:

प्रकरण घाई० टी० एन० एस०—

अध्याकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० एम पी० नं० 2062 :—यतः मुझे, बी० एस०
वहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति निम्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा गया है तथा जो
गांव चक अल्ला बोकस एच० बी० तहसील पूसहा में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुकरिया में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राचीन,
तारीख 21-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रचारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
तिथि से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तर के लिए नया पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर निम्न में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उमने करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या क्रिया या या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या क्रिया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधि-
करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुराष्टी देवी पत्नी अगत नाथ पुत्र काशी
राम गांव चकअल्ला बोकस एच० बी० 236 तहसील
पूसहा जिला होशियार पुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती राम प्यारी पत्नी गुरबचन सिंह सन्तोष
कुमारी पत्नी रजिन्द्र पाल चन्द्र बाला पत्नी
अजय कुमार पुत्र रजिन्द्र पाल, अजब कुमार विनय
कुमार रमन कुमार पुत्र रजिन्दर कुमार पुत्र मुधोराम
गांव मुकेरिया तहसील पूसहा जिला होशियार पुर
मार्फत अजब कुमार।

(अन्तरिती)

3. जैसा के ऊपर नं० 2 है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवश है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1293 दिनांक 21-9-79
रजिस्ट्री करता अधिकारी मुकेरिया ने लिखा है।

बी एस० वहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख 27-2-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० पी० न० 2063:—यतः मुझे बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव चक आला बरुवा नं० एच० बी० 236 तहसील दसूहा में स्थित है और इससे उदाहरण अनुसूची में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुकरिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-10-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सम्पत्तिगत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मदन लाल गौतम पुत्र वैष्णव नाथ पुत्र केवल दास, वासी गांव माजरी सहि खरड़ जिला रोपड़ मुख्यालय ए० ग्राम सतिन्दर कुमार, शिव कुमार पुत्र और श्रीमती विद्यावती विद्यवा विपेशर नाम पुत्र काशी राम गांव खन्ना जिला लुधियाना अब गांव माजरी तहसील धरड़ जिला रोपड़

(अन्तरक)

2. श्री गुरवचन सिंह पुत्र हरनाम सिंह पुत्र रुड़े सिंह वासी गांव मुकरिया, तहसील, दसुहा जिला हुशियार पुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अर्जन के लिए कार्यवाही कराई जाएगी।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि लिसूख नं० 1389 दिनांक 30-10-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकरियां ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज जालन्धर,

दिनांक 27-2-1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० ए० पी० नं० 2064:—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव मलक पुर तहसील फगवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) का उचित रूप अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में
वांछित रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दुर्गादास पुत्र भोला राम वासी मलक पुर तहसील
फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री गण्डा राम पुत्र छज्जू राम पुत्र हंस राज निर्मल
सिंह पुत्र गण्डा राम वासी गांव मलक पुर तहसील
फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 740 दिनांक 9-7-79 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-2-80
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2065—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव आजमगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय अंबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-7-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारम्बारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के श्रेयजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० गुरु नानक आइस फैक्टरी, हनुमान गढ़ रोड, अंबोहर ।

(अन्तरक)

2. श्री रवि कान्त सटिया पुत्र परमानन्द सटिया, गांव पट्टी बिला तहसील फाजिलका ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पत्राति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रबंध सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वबोद्धरय :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1189 दिनांक जुलाई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अंबोहर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1980

सं० ए० पी० नं० 2066:—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव आजमीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अयोधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मं० गुरू नानक आइस फैक्टरी हनुमान गढ़ रोड अयोधर।

(अन्तरित)

2. श्रीमती सुमन सटीया परनी रवि कान्त सटीया बासी गांव पट्टी वाला तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1216 दिनांक जुलाई 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अयोधर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2068—यतः मुझे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दुकान नं० 17 रेलवे रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रारम्भ निष्ठा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

पता: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० जी० डब्ल्यू० वाकर कम्पनी रेलवे रोड जालन्धर द्वारा करन सिंह किरसी और मनजीत सिंह श्रीमती सुरिन्द्र कौर गुरशरन सिंह (हिस्सेदार) रेलवे रोड जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र पाल सिंह तुर पुत्र इन्द्र सिंह तुर 171-एल० माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. मै० सिरी फिल्म जालन्धर तथा गुरु नानक इन्टर-प्राइसज जालन्धर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 2922 दिनांक जुलाई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० 2069—प्रतः मुझे, बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
दुकान नं० 17 रेलवे रोड जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० जी० डब्ल्यू० वाकर, कम्पनी रेलवे रोड जालन्धर
द्वारा करम सिंह किरती और मनजीत रसह श्रीमती
सुरिन्द्र कौर गुरशरण सिंह (हिस्सेदार) रेलवे रोड
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलवन्त कौर विधवा इन्द्र सिंह 171-एल
माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. मै० मिनी फिल्मस जालन्धर और गुरु नानक इन्ड-
पराईज जालन्धर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 2963 दिनांक जुलाई
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-3-1980
मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1980

निदेश सं० ए०पी० 2080—यतः मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो इन्डस्ट्रीया इलाका फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों शर्षित :—

1. जै० फार्म सप्रीमाम स्टील आर्ट मीली मार्फत बलवीर सिंह पुत्र मैला सिंह मनजीत सिंह पुत्र तूप सिंह, जोगिन्द्र कौर पत्नी उजागर सिंह वासी फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. मै० फार्म जगदेव ट्रैक्टर, जी० टी० रोड, फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अग्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1338 दिनांक अक्टूबर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-3-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० ए०पी०नं० 2071—यतः मुझे बी एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि ऊपर अनुसूची में है तथा जो इन्डस्ट्री फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तब प्राप्ता गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेज़ का प्रमाणित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस उपा, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. टी० फार्म सुप्रीमन स्टील आर्ट भौली मार्फत बलबीर सिंह पुत्र मेना सिंह मनजीत सिंह पुत्र अनूप सिंह, जोगिन्द्र कौर पत्नी उजागर सिंह वासी फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. मै० फार्म जगदेव इन्डस्ट्री जी० टी० रोड फगवाड़ा।
(अन्तरिणी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदोहकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायशद जैसा कि विलेख नं० 765 दिनांक 79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1980

निदेश सं० ए०पी० न० 2072--यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बाजार
कलां जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 11 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पम्बद्ध प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती आशा रानी पत्नी प्राण नाथ घनन पुत्र
सीता राम कोठी न० 188 न्यू जवाहर नगर
जालन्धर शहर।

(अन्तरक)

2. श्री तरसेम लाल, अश्वनी कुमार, शिव कुमार
विनय कुमार सपुत्र जनक राज पुत्र अमर नाथ
411 आदर्श नगर जालन्धर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति र।

4. जो व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसाकि विलेख नं० 3242 दिनांक 11-7-79
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2073-यतः मुझे बी० एस०

दहिया,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नीला महल सामने बाल्मीकी गेट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घटकरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और घटकरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में हमें करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घटकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राज रानी विधवा रोशन लाल वासी एन० के० /245 चरनजीत पुरा जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री कस्तूरी लाल और उसके भाई तथा पुत्र बाबू राम, नीला महल एन एच 393 जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः समाप्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब्याप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 3155 दिनांक 9 जुलाई, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2074—पतः मुझे, बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मकान महल्ला सतनामपुर फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रयोग कर देने के प्रारम्भिक अवधि में कमी के तब उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिम्बे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शर्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरबस सिंह पुत्र दुला सिंह वासी महल्ला सतनामपुरा मकान नं० बी० प्रैक्स ऐल VI/194 तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्रीम प्रकाश वासी जडियाला तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो० व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के संरक्ष में कोई भी आशे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 727 दिनांक 6 जुलाई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

ब० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 17 मार्च 1980

सं० ए० प० नं० 2075:—यत० मुझे बी० एस०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो बादशाह पुर (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-16 GI/80

1. श्री प्रवीण पुत्र मदन लाल हिस्सेदार मैसर्स सांवा कोल्ड स्टोर 202-—और, माडल टाऊन जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री ईशर सिंह पुत्र प्यारा सिंह वामी बादशाह पुर जालन्धर ।

(अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 3348 जुलाई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1980

सं० ए० सी० नं० 2076:—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बादशाह
पुर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हरीश सेठ पुत्र प्रकाश चन्द हिस्सेदार संजा कोल्ड
स्टोर 326 न्यू जवाहर नगर जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर सिंह पुत्र प्यारा सिंह वासी बादशाह
पुर जालन्धर।

(अन्तरित)।

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धर्माय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस धर्माय
में दिया गया है।

अनुसूची

आयदाव जैसा कि विलेख नं० 3349 जुलाई, 1979
से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2077 -यतः मुझे, बी०

एस० दाहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मकान मई माघी सतोपुरा है तथा जो एक हसन लम्बा पिंड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पर्याप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रभ्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, प्रयोजित :—

1. श्रीमती अजय कौर निधवा रघुबीर सिंह वासी रसूल-पुर रिदरमाना जिला जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री शाही राम पुत्र बाबू राम गांव लंदरन सहस्रील नकोदर जिला जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके प्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राब रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें उक्त शक्तों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबं होना जो उस प्रध्याय में बिना गया है।

अनुसूची

जायदाद, जैसा कि विलेख नं० 3351 जुलाई 1979 रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दाहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 19-3-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० ए. एस. आर/79-80/352—यतः मुझे, एम० एल०

महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान नं० 18 वसन्त एक्जीयू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए समय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

1. श्री जशपाल सिंह पुत्र जीत सिंह कुन्जी रोड अमृतसर ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरसरण कौर पत्नी मोहन सिंह परमजीत सिंह पुत्र मोहन सिंह सुभाष पार्क आगरा (यू० पी०)
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचिरता हो तो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 17 वसन्त एक्जीयू अमृतसर में है । जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1043 दिनांक 4-2-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, अमृतसर

तारीख 7-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० ए एस आर०/79-80/353—यतः मुझे, एम०
एस० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का टुकड़ा है तथा जो गार्डन कालोनी
अमृतसर में स्थित है (और इसके उद्देश्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मान सिंह गुलाटी पुत्र हरबन्स सिंह गुलाटी
सरोकपुरा अमृतसर। (अन्तरक)

2. किशन लाल पुत्र ध्यान चन्द श्रीमति शारदा अरुणा
पत्नी कृष्ण लाल, श्रीमति पूर्न देवी पत्नी ध्यान चन्द, धुनी
चन्द रोड अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 358 मीटर गज, गार्डन कालोनी,
अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1175 दिनांक
18-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 7-3-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर० 288/354---यतः मुझे
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एक प्लॉट शास्त्री नगर अमृतसर है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्विगुण से अधिक है और घस्तरक (घस्तरकों) और घस्तरिती
(घस्तरितीमें) के बीच ऐसे घस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घस्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) घस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के घस्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ घस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रन्तरण में,
जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमति विमला मनन पुत्री इन्द्रजीत मनन 34-ए,
दयानन्द नगर अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री विजय कुमार जैन पुत्र सीतराम जैन पी०
बडलू० डी० बटाला रोड अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आपत्तः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही पद होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा शास्त्रीनगर नम्बर 312 अमृतसर में है।
जैसाकि राजस्त्रीकृत नं० 1018 दिनांक 2-7-1979 राजस्त्री
अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सश्रम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-2-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर० 2882/55—यतः,— मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक सोप मजिमन्दी अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी क्रिया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बनवारी लाल अश्रवाल पुत्र लाला फरिया शाह लोहा मन्डी, अमृतसर मार्फत उत्तम चंद शालिग राम (अन्तरक)
2. राज कुमारी बतरा पत्नी वजीर चन्द 267 वसन्त एनोयु अमृतसर और श्रीमती मीना राभीपत्नी किशोरचन्द बजार दाल मन्डी अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो प्रेम आश्रम स्कूल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सोप 2490-91 मजिमन्दी अमृतसर में है। जिस कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1140 दिनांक 13-7-1979 रजिस्ट्री-अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/350--यतः मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० एक प्लाट कटरा करम सिंह अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त पत्र लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया
है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्थात्

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती विकीदेवी पत्नी शोरीलाल बजार वीफा
नेरिया श्रीमति रामप्यारी पत्नी दौलत राम बाग रामानन्द
अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री वलोक चन्द पुत्र बाल मुकना अकाली मार्किट
अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यकियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाखेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 2224 और 2258 कटरा करम सिंह
में है। रजिस्ट्रीकृत नं० 1055 दिनांक 5-7-1979 रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-3-1980
मोहर:]

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निवेश नं० ASR 79-80/357—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधोक्त सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० एक माकन गली तिबारियाँ अमृतसर है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

6-16G1/80

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र रामजी दास मकान नं०
219/11-2 गली शतिवारियों अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री चमन लाल पुत्र लालचन्द, रिश्मोराणी पत्नी
चमन लाल हुयेली अरुण सिंह टेलीफोन एक्सचेंज अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता
हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रथम बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 219/11-2 गली तिबारियाँ अमृतसर
में है। रजिस्ट्रीकृत नं० 1045 दिनांक 4-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 4-7-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रावृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/358--यतः मुझे,
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा स्टेट बैंक कालोनी अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूज यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को मात्र, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब प्रचुरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री अमरनाथ पुत्र चुन्नी लाल कटरा अहवालिया प्रिय
मार्किट अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री हरद्वन्ध सिंह चावला, हरकिशन सिंह चावला पुत्रगण
श्याम सिंह चावला धा वस्ती राम अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में गणना होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 सोम खसरा नं० 1812/652 स्टेट बैंक कालोनी
अमृतसर में है। रजिस्ट्रीकृत नं० 1107 दिनांक 11-7-79
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रावृक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-3-80
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्राचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80—यतः मुझे, एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सप्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा स्टेट बैंक कालोनी अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में समी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—

1. श्री बाबू लाल पुत्र मुरलीधर कटरा अहलूवालिया
अमृतसर (अन्तरक)

2. हरबन्स सिंह चावला हर किशन सिंह चावला पुत्राण
शाम सिंह चावला लाकरमन्डी धाब बस्ती राम, अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेरः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में पनाप होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 प्लॉट खसरा नं० 1812 / 852 स्टेट बैंक कालोनी अमृतसर में है। जैसाकि रजिस्ट्रीत नं० 1106 दिनांक 11-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एस० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/360—यतः मुझे
 एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा शस्त्रीनगर अमृतसर
 है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
 के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरुदीप सिंह पुत्र तारा सिंह तहसील पुरा गली
 नं० 3 अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री सुखबीर सिंह पुत्र सर्वजीत सिंह वह न पुहने जि०
 अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । यदि कोई किराएदार हो
 तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
 वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी है जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 333 मीटरगज शास्त्री नगर में है
 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1016 दिनांक 2-7-79 रजिस्ट्री
 अधिकारी अमृतसर में है ।

एम० एल० महाजन
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक 11 मार्च 1980
 मोहर :

प्रमुख आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/361—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट शहरी नगर है तथा जो अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1979.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त पन्ध्र प्रतिशत निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरवीप सिंह पुत्र तारा सिंह, गली नं० 3 सहसील
पुरा, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री बलदेव सिंह पुत्र अमरीक सिंह गांव बेन पड़न,
अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता है (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 333 खसरा नं० 621 सकीम नं० 62,
शास्त्री नगर अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1017, दिनांक
2-7-79 है रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० एस० एम० आर०/79-80/362—यतः

मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा ग्रीन एवेन्यु अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विश्वनाथ पुत्र केशव राम बाजार मजिठ मंडी अमृतसर (अन्तरक)

2. प्रोत कनवालसिंह पुत्र मोहन सिंह 29 ग्रीन एवेन्यु अमृतसर (अन्तरिती)

2. जैसा कि न० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 29 ग्रीन एवेन्यु अमृतसर रजिस्ट्रीकृत न० 1174 दिनांक 18-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/363—यतः मूझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक मकान कटरा गरभासिंह में अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्रायकी बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलीप सिंह पुत्र गाजन सिंह 439 ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री धुनी चन्द पुत्र चन्दुशम बजार काठियावाला अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 419 और 432/7 कटरा गरभासिंह गली देवी बाली अमृतसर में है। जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं० दिनांक 20-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

प्रायकर प्रविधियन, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80—यतः मुझे एम० एल०
महाजन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान बाजार तेलिया अमृतसर है
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विधि में वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. कृशन कौर विधवा जगत सिंह, पूरन सिंह पुत्र
बुद्ध सिंह, प्रतीम सिंह पुत्र बुद्ध सिंह, करतार सिंह पुत्र जगत
सिंह, श्रीमति पाशो पत्नी इन्दर सिंह श्रीमति गरो पत्नी
अयार सिंह, श्रीमति दलवीर कौर तथा सिंह श्रीमति नागत
कौर पत्नी मखनसिंह गांव लोकन तः तरन नारन अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश पुत्र चन्दराम बाग रामानन्द अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त यमनि के प्रज्ञेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 2653-54-55 तीन मंजिला बाजार
चीक तेलिया अमृतसर में है जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं० 1040
दिनांक 4-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-80

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एल० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर/79-80/365—यस: मुझे
एम० एल० महाजन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान वाला कसेरिया अमृतसर है तथा
जो में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच देने कारण के लिए
ता पराग गया रजिस्ट्रार सामंजस्य उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निर्देश में संशोधित करने के लिए नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राय को बाहर उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमो करने या उनसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धा या अन्य प्राप्तिओं
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
8-16GI/80

1. श्री रजिन्द्र कुमार जैन पुत्र तिलक चन्द जैन R/o 33 वीर
नगर विल्ली खुव मुखतार ग्राम मिन जनाब श्रीमती तरलोक
सुन्दरी, अशोक कुमार जैन, राकेश जैन, श्रीमती सुदर्शन जैन,
नीलम जैन और श्रीमती नीलम जैन। (अन्तरक)

2. श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह R/o बाजार
कसेरिया, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और किराएदार कुलदीप सिंह, राज
कुमार, दवारका दास, देवराज, प्रबन कुमार चौधड़ा।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:--इन्हें सूचना पत्रों और पत्रों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, जारी होने होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकानें नं० 605, 606, 607, 608 बाजार कसेरिया जैसा
कि सेल डीड नं० 1053/1 दिनांक 5/7/79 रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, अमृतसर

दिनांक 13 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/366—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा रेड क्रोस रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चरन जीत लाल भास्कर पुत्र दुर्गादास, श्रीमति रमेश पत्नी चरन जीत लाल भास्कर, श्री अतुल पुत्र चरन जीत लाल भास्कर 28 सरकूलर रोड अमृतसर (अंतरक)

2. तिलक राज पुत्र राम लुभाया 17 रेसे क्रोसरोड अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में, अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा खसरा नं० 892 तुंगवाला सरकूलर रोड अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 1295 दिनांक 30-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/367—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा शरीफपुरा अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उन्ने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति हरभजन कौर पुत्री पूरनसिंह अलीबास समपूरन
सिंह गोल मस्जिद गली नं० 8 शरीफपुरा अमृतसर (अन्तरक)
2. निर्मला रानी पुत्री रान लाल गली नं० 8 गोल मस्जिद
शरीफपुरा अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 227/13 रकबा 59 वर्ग मीटर गली
नं० 8 नजदीक गोल मस्जिद शरीफपुरा में है । जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत नं० 1294 दिनांक 30-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-2-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० बी० बी० 79-80/368—यत— मुझे एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव जांडियाला गुरु जि० अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रिशपाल सिंह पुत्र सन्त सिंह गांव जांडियाला गुरु जि० अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री बलजीत सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह बडाली डोगरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहरी तरज:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 24 कनाल जांडियाला गुरु में है। और रजिस्ट्रीकृत नं० 1716 दिनांक 4-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी बाबा बकाला में स्थित है।

एम० एल० महाजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 18-3-1980
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० इत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० बी० बी०/79-80—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वामन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिभूमि जडियाला गुरु जि० अमृतसर है
तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई छिड़ी आय को बाबा बकाला अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) एमो किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. कुमारी किरन रूप पुत्री रणछपाल सिंह जाडियाला
गुरु जि० अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री तारा सिंह, जोगिन्दर सिंह, दलीप सिंह, पुत्र
अमर सिंह बाकाली डोगरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाभर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किन्हीं ज. सक्षमों।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रमाण में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 24 कनाल जडियाला गुरु में है। जैसा कि राजिस्ट्री
कृत नं० 1717 दिनांक 4-7-79 राजिस्ट्री अधिकारी बाबा बकाला
में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 18-3-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० बी० बी० /79-80/370—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जड़ियाला गुरु जि० अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी कवलरूप पुत्री रणपाल सिंह जड़ियाला गुरु जि० अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री चरन सिंह पुत्र मोहिन्दर सिंह बडाला गुरु जि० अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जिस संपत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आप्रोध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 24 कनाल जड़ियाला गुरु में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 1715 दिनांक 4-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी बाबाबकाला में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 18-3-1980।

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80--371--यतः मुझे

एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो तुंगलावा एरिया
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अंतरण न किए जा सकें, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमति कान्ता सहगल पत्नी प्यारा लाल सन्धुनिवास
पुतलीघर अमृतसर (अन्तरक)

2. मै० शामरत अलन मिल्स, प्राइवेट लि० आर० बी० धुनी-
चन्द रोड अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है))

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी बिल्डिंग नं० 917-18/XIII-22-1660
61/XIII-22 खसरा नं० 20-21 687-1/2 मीटरगेज
तुंगलावा अमृतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1133 दिनांक
13-7-79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अमृतसर

तारीख : 17-3-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/372—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें
इसके तहत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सज्जन अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग जमीन का टुकड़ा जेल रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपानक्ष अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पृथ्वी पाल सिंह पुत्र नन्द सिंह 10 मजीठा रोड
अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री गुरिन्दर सिंह पुत्र जगत सिंह जेल रोड पीछे
कोठी नं० 14 जेल रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन को अधि, जो भी अधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अनुबन्ध 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होता जो उक्त अनुबन्ध में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जमीन का टुकड़ा खसरा नं० 2017/66 पुरानी
जेल रोड 300 महरि गुन अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत नं० 1241 दिनांक 23-7-79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 17-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78-80—यतः मुझे एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक इमारत है तथा जो कि हाईड मार्केट,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—16G1/80

1. श्री अशोक कुमार पुत्र बलैती राम और श्रीमति विद्या-
वती विद्वा बलैती राम, 4731 लक्ष्मी बाजार, दिल्ली (अन्तरक)

2. नरेश कुमार पुत्र श्री कृष्ण गोपाल एफ 2/11 माडल
टाउन दिल्ली। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है और कोई किराएदार हो तो
मैसर्स औरियस्टल वूलन मिलज (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. और यदि कोई व्यक्ति इस जायबाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० बी-BXIII-185-5 (29वर्ग मी०) जो
कि हाई मार्केट जी० टी० रोड अमृतसर में स्थित है
(जैसाकि रजिस्ट्री डीड नं० 1195/1 दिनांक 19-7-79 आफ
रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है)।

एस० एस० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश नं० ए० एस० आर०/79-80/374—प्रतः मुझे

एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि हाइड मार्किट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिन, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री बलैती राम श्रीमती विषया बती बिष्वा श्री बलैती राम 4731 लक्ष्मी बाजार दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमति सन्तोष गुप्ता पत्नी श्री विन्द्रा धन निवासी 10 एन० डी० डब्ल्यू० रोड पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो मैसरज ओरियन्टल वूलन मिलज (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होई, हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० बी० XIII--18 एस० 5 (98 वर्ग जी०) जो कि हाइड मार्किट, जी० डी० रोड, अमृतसर में स्थित है और जैसा कि सेल डीड नं० 1194/1 दिनांक 19-7-79 आदि रजिस्ट्री अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-3-1980

मोहर :

प्रकरण प्रॉई० डी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० डी० एच०/433/79-80—अतः मुझे,
मुख्यदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा मकान नं० बी० 1-440 है तथा जो
विन्हावन रोड सिविल लाइन्स लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रदर्श
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी
करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वर या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

धर्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री बालकृष्ण पुत्र श्री सन्त लाल वासी महल्ला मिश्रा
लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री विपिन कुमा पुत्र श्री हरवंस लाल वासी
नहौरिया मल जैन लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, ज भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावर
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० बी० 1-440 जो विन्हावन रोड
सिविल लाइन्स लुधियाना में स्थित है। जो लुधियाना के कार्यालय
के विलेख संख्या 3460-10-79 में दर्ज है।

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निवेश सं० एल० डी० एच०/327/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन उक्त अधिनियम के अधीन, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा मकान नं० बी०-1-440 है तथा
जो विसयन रोड सिविल लाईन्स लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री बालकृष्ण पुत्र श्री सन्त लाल वासी मोहल्ला मिश्रा
लुधियाना (अन्तरक)
2. श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री हरबंस लाल वासी बाग
नहोरिमल जैन लुधियाना (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव न समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० बी०-1-440 विद्रावन रोड सिविल
लाईन्स लुधियाना।

जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय
के विलेख संख्या 2248 अगस्त 1979 में वर्ज है।

सुखदेवचन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च 1980
मोहर :

प्रकरण भादे० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/235/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सामकान नं० बी० I-440 है तथा
जो बिन्दावन रोड सिविल लाईन्स लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/79 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित चहेथय से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बालकृष्ण पुत्र श्री सन्त लाल वासी मौहला मिश्रा
लुधियाना (अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा रानी पत्नि श्री सोहन लाल वासी बाग
नहौरियाधमल जैन लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित
में किये जा सकेंगे।

संश्लोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० बी० I-440 बिन्दावन रोड सिविल
लाईन्स रोड लुधियाना

जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 1942 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज लुधियाना

तारीख: 7 मार्च 1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/256/79-80—अतः मुझे
सुखदेवचन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग पलाट क्षेत्रफल है तथा जो उपकार
नगर सिविल लाईन्स लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायः अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्दीशाह पुत्र श्री सोना शाह वासी बी-4-162 माहिया
सट्टीट लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री सतपाल पुत्र श्री राम लाल पुत्र श्री रामसरण दास
वासी मकान बी, I, 809/8 प्रेमनगर सीविल लाईन्स बिन्द्रावन
रोड लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पञ्चम्य में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संशोधन :- इनमें प्रयुक्त शब्दों और तर्कों का, जो उक्त अधि-
नियम 6 प्रमाण 20-6 में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग पलाट क्षेत्रफल 590 4/9 वर्ग उपकार नगर
सीविल लाईन्स लुधियाना

जायदार जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय
के विलेख संख्या 2104 जुलाई 1979 में वर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/255/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 प्लॉट क्षेत्रफल 590 1/9 वर्गगज है तथा
जो उपकार नगर सीविलासाइन्स में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रकार निम्नलिखित में वास्तविक रूप से स्थित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन हर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उता बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चान्डीशाह पुत्र श्री सोना शाह वासी बी-1-162
गली महीया लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री प्रभावाण पुत्र श्री रामलाल पुत्र श्री रामसरण दास
वासी बी-1-809/8, प्रेम नगर बिन्दावन रोड लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
उत्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहनाधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग क्षेत्रफल 590 4/9 वर्गगज जो उपकार नगर
सिविल लाईन्स लुधियाना में स्थित है

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के जिले संख्या 2103 जुलाई 1979 में वर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/283/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी की सं० कोठी नं० 113, माडल टाउन है
तथा जो माडल हाउस, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्-
विक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत सिंह, श्री केमर सिंह
मारफत अजीत सिंह एंड संम,
गिल रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री मुन्दर मोहन सिंह, तजिन्द्र मोहन सिंह पुत्र
श्री शरण सिंह पुत्र श्री संतोष सिंह मारफत मैसर्स
नीलम माहकल इन्डस्ट्रीज, गिल रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 113, माडल हाउस, लुधियाना, जैमाफि,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय लुधियाना के विलेख संख्या
2286, जुलाई, 1979 में वर्णित है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च, 1980

निदेश सं० डी०बी०एम०/45/79-80—अतः मुझे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 15 कनाल 10 सरले है तथा जो गांव लोहगांव तहसील डेराबसी में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेराबसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—12 GI/80

1. सर्वश्री बालकृष्ण, बियाल कृष्ण, पुत्र श्रीमती कर्सनीपुत्री श्री मुंशीराम वासी भावत तहसील खरड़ ।

(अन्तरक)

2. श्री पी० के० नन्दा 16 बलविंदर रोड, कलकत्ता-27 श्री हीरा लाल एडवोकेट 29 सेक्टर-5, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 15 कनाल 10 सरले जो गांव लोहगांव तहसील डेराबसी ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 644 अगस्त, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 मार्च, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/162/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1145 है, तथा जो सेक्टर 33-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई/79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. (1) श्री एम० एन० दत्ता द्वारा जनरल अदा श्री कवलजीत सिंह भिंडर
- (2) श्री शीतल एपार्टमेंट जूहू बाम्बे-2 (अन्तरक)
2. श्रीमती सुनीता बंडाला वासी 2319 सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1145 सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ जोकि चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 939 जुलाई, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च, 1980

निर्देश सं० एल०डी०एच०/आर०/117/79-80—अतः
मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5-9-4 बिगा है तथा जो गांव धांदरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीत :—

1. श्री जोध सिंह, पुत्र श्री करतार सिंह
श्री करतार सिंह पुत्र श्री गंगा सिंह
वासी धांदरा तहसील ब जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री मेहर सिंह, केहर सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह
वासी फूलवाला तहसील ब जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमिक्षेत्रफल 5.9.4 बिगा जो गांव धांदरा तहसील लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 324 जुलाई, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च, 1980

मोहर :

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० एल०डी०एच०/236/79-80—अतः मुझे मुखदेव चन्ध

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15-के है तथा जो सरावा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पञ्चद्व प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री किशन सिंह
वासी सुघार तहसील जगराभो, जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्री कुलजीत सिंह पुत्र श्री हजूर सिंह वासी
43 ई, सराना नगर, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15 के सरावा नगर, लुधियाना।

जायदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1949, जुलाई, 1979 में दर्ज है।

मुखदेव चन्ध

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 7 मार्च, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० आर०ए०जे०/109/79-80—प्रतः मुखे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 20 बीघे 4 बिस्वा, है तथा जो गांव सील तहसील राजपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजपुरा में राजस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जागीर सिंह पुत्र श्री मोहल वासी गांव, तहसील राजपुरा ।

(अन्तरक)

2. श्री बचन सिंह पुत्र श्री भोकल सिंह वासी गांव सील, तहसील राजपुरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) दस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में पमान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सादर हरण :—इसमें प्रयुक्त गठनों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 20 बीघा 4 बिस्वा, जो गांव सील तहसील राजपुरा में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि राजस्त्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 1737 जुलाई, में 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रॉज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/160/79-80—अतः मुखे
मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अधीन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1619 है तथा जो सेक्टर 36डी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे
वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अ तः :—

1. श्री तरलोचन सिंह मेहता पुत्र श्री संत सिंह महता
वासी 176 मुखर्जी पार्क, न्यू दिल्ली द्वारा जनरल
आटार्नी श्री बखशीस सिंह पुत्र श्री हजार सिंह वासी मकान नं०
1666 सेक्टर 34 डी चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री बखशीस सिंह वासी 1666,
सेक्टर, 34-डी०, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1619 सेक्टर 36-डी०, चण्डीगढ़ ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के फ़िलेख संख्या 922, जुलाई, 1979 में दर्ज है ।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च 1980

मोहर :

प्रकृष आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० ए०पी०एस०/3/79-80—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 148 कनाल, 14 मरले है तथा जो लोधीपुर तहसील, आनन्दपुर साहिब में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनन्दपुर साहिब में राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के पक्षरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, विपाने में सुविधा के लिए;

अतः धरा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित उचितियों, अर्थात् 1—

1. श्री मलकीत सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह व हरजीत कौर पुत्री श्री गुरवचन सिंह वासी लोधीपुर, तहसील आनन्दपुर साहिब ।

(अन्तरक)

2. श्री केहर सिंह पुत्र जीवा सिंह पुत्र श्री लहणसिंह वासी गांव डरोली, तहसील आनन्दपुर साहिब ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पञ्चम्य में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 148 कनाल 14 मरले जो गांव लोधीपुर में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि राजस्त्रीकर्ता अधिकारी आनन्दपुर साहिब के कार्यालय के विलेख संख्या 891 जुलाई, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० ए०एम०एल०/99/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल $1\frac{1}{4}$ बीघा है तथा जो गांव कुकडमाजरा, तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अक्षरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अक्षरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के प्रयोजन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सदाराम पुत्र श्री वसन्ताराम
वासी कुकडमाजरा, तहसील अमलोह।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विजय गर्भा पुत्र श्री शादी सिंह
(2) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री कृष्ण कुमार
(3) श्रीमती सुदर्शना रानी पत्नी श्री घनश्याम
वासी मण्डी गोविन्द गढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल $1\frac{1}{4}$ बीघा, गांव कुकडमाजरा तहसील अमलोह।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय की विलेख संख्या 1155, सितम्बर, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निवेश सं० ए० एम० एल० 286/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 1 बीघा है तथा जो गांव नसराली, तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8/79 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

11—16GI/S0

1. श्रीमती गरमेल कौर विधवा श्री वचन सिंह वासी नसराली, अमलोह, तहसील अमलोह। (अन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल पुत्र मोहन लाल वासी नसराली मन्डी, भोविन्द गढ़, तहसील अमलोह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा जो गांव नसराली, में स्थित है जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख सं० 1010 अगस्त, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 मार्च, 1980
मोहर:

प्रकाश सं० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/152/79-80—यतः मुझे,
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1519 है तथा जो सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अणुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शाविन्द्र सिंह खोसला, पुत्र श्री रत्ना सिंह
वासी मकाम नं० 38, राजा पार्क अम्बाला कैन्ट।
(अन्तरक)

2. श्री राम लाल शर्मा पुत्र श्री शान्ती स्वरूप शर्मा
मब-डीविजनल मजिस्ट्रेट, खरड, जिला रोपड़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1519 सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़
(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चण्डीगढ़, के कार्यालय के बिलेख संख्या 902, जुलाई, 1979 में दर्ज है)

मुख्यदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च, 1980

निदेश सं० एसएमएल/44/79-80—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट क्षेत्रफल 277 वर्गगज—2 वर्गफुट
है तथा जो स्टेशन बार्ड, बड़ा, शिमला में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिमला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 11/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के गन्दहू प्रमाणित से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जगदीश चन्द्र दत्त पुत्र श्री बृजलाल
वासी मोहल्ला जनसल चम्बा, जिला चम्बा (हि०प्र०)
(अन्तरक)

2. श्रीमती सीधिया शर्मा पत्नी सोमलाल शर्मा
633, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए 6 महीनों शुरू करता हूँ ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घाक्षरी के
पास लिखित में लिख जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रदोषा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 277 वर्गगज—2 वर्गफुट जो स्टेशन बार्ड,
बड़ा शिमला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के
कार्यालय के विलेख सं० 613, नवम्बर, 1979 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/206/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 179 है तथा जो सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8/79 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुलबीर सिंह खुरामा पुत्र श्री मैहताब सिंह निवासी बी-11, जंगपुरा कालोनी, नई दिल्ली-110014 (अन्तरक)
2. श्री रूपिन्दर सिंह सिधू पुत्र श्री भजन सिंह सिधू, श्रीमती रनधीर सिधू पत्नी श्री रूपिन्दर सिंह सिधू पार्फत श्री करतार सिंह निवासी मकान नं० 505, सैक्टर 11-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 179, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़।

(जायबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1165, अगस्त, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मार्च, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च, 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/150/79-80—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 242 है तथा जो सेक्टर 23-ए चन्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 26-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मण धीर पुत्र श्री काली दास धीर
बूथ नं० 13 सेक्टर, 18-डी, चन्डीगढ़ द्वारा जनरल
पावर आफ अटारनी, श्रीमती कृष्णा रानी पत्नी श्री
लाजपतराय मार्फत मैसर्स मदनलाल शिव कुमार, राय
सिंह नगर, राजस्थान ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शांती देवी पत्नी श्री खुशीराम ;
श्री दुर्गादास पुत्र श्री छज्जू राम
मार्फत गोयल करमाना, स्टोर, राय सिंह नगर,
राजस्थान ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

संशोधन:—इसमें उक्त गणों और उक्त का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 242, सेक्टर 32-ए, चन्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 872 जुलाई, 1979 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मार्च, 1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० डी०बी०एस०/40/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि क्षेत्रफल 13 बीघे 11 बिसवे है तथा जो गांव डकौली, तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रौं पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जागीर सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह गांव डकौली, सब-तहसील डेरा बसी, तहसील राजपुरा जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री नरायण सिंह पुत्र उत्तम सिंह व श्री सरदार सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह वासी गांव डकौली, तहसील राजपुरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय के 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 13 बीघे 11 बिसवे जो गांव डकौली तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के विलेख संख्या 612 जुलाई, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 मार्च, 1980

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च, 1980

निदेश सं० डी०बी०एस०/43/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 10 बीघे 7 बिसवे है तथा जो गांव डकौली सब तहसील डेरा बसी, राजपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जागीर सिंह पुत्र श्री होरा सिंह
निवासी गांव डकौली, सब तहसील डेरा बसी,
तहसील राजपुरा जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह व श्री सरदार सिंह
पुत्र श्री आरमा सिंह वासी गांव डकौली, तहसील राजपुरा
जिला पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमाणित करने के माग निम्न में किए जा सकेंगे ।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 10 बीघे 67 बिसवे जो गांव डकौली सब तहसील डेरा बसी, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के विलेख संख्या 622 जुलाई, 1979 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख 14 मार्च 1980

मोहर :

प्रस्ताव आई० टी० एन० एम०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 14 मार्च 1980

निवेश सं० डी०बी०एस०/44/79-80—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 7 बिस्वा है तथा जो गांव डकौली सब-तहसील डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है (और इससे संपादक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गारा गरा प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जागीक सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह निवासी गांव डकौली, सब तहसील डेरा बसी तहसील राजपुरा, जिला पटियाला ।
(अन्तरक)
2. श्री नरायण सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह व श्री सरदार सिंह पुत्र श्री आत्मा राम वासी गांव डकौली, सब तहसील डेरा बसी तहसील राजपुरा जिला पटियाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 7 बिस्वा जो गांव डकौली सब तहसील डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के विलेख संख्या 632 जुलाई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 मार्च, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निवेश सं० पी०टी०ए०/227/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप बूथ नं० 11 है, तथा जो न्यू अनाज मंडी, सिरहंद रोड, पटियाला, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
11—16GII/80

1. श्री गुभाप चन्द पुत्र श्री छज्जू राम
निवासी गुड़ मंडी, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स किशोरी लाल, तरसेम चन्द
निवासी न्यू अनाज मंडी पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें पर्युक्त गणों और तथों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप बूथ नं० 11, न्यू अनाज मंडी, सिरहंद रोड, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2911 जुलाई 1979 में वर्णित है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मार्च, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निर्देश सं० पी०टी०ए०/244/79-80—अतः मुझे,
मुख्यदेव चन्द ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल, 16 मरले है तथा
जो गांव त्रिपडी सैदा, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हलजीतकौर विधवा श्री मेहर सिंह,
निवासी अमरगिला, मिथिल लाईन, लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्री अजैब सिंह पुत्र श्री अमरीक सिंह
श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री मनासिंह
निवासी तिवाकली मोरा, भिद्रा हाउस, पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 16 मरले गांव त्रिपडी सैदा,
पटियाला में स्थित है।

(जायेंदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 2841 जुलाई, 1979 में दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मार्च, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० ए०एम०एल०/88/79-80—अतः मुझे सुखदेव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा, 15 बिसव है तथा जो गांव नसराली तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्द सिंह पुत्र श्री साकुर सिंह वासी गांव नसराली, तहसील अमलोह ।

(अन्तरक)

2. मैमर्स कैले सटील कारपोरेशन मन्डी गोविन्दगढ़ द्वारा हिस्सेदार श्री घेर सिंह अमलोह रोड, मन्डी, गोविन्दगढ़ ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः अमानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तय होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 15 बिसव जो गांव नसराली तहसील अमलोह में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख 1029 अगस्त, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मार्च, 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सी एच डी/144/79-80—अतः मुखे,
मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 193 है तथा जो सेक्टर 33-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वाथ:—

1. श्री अवतार सिंह बादावन, पुत्र श्री राम सिंह बादावन निवासी सी-4/8, राजिन्दर नगर, न्यू दिल्ली, द्वारा जनरल अटारनी श्री नानक चन्द पुत्र श्री मैहताब राय निवासी गांव व डा० कीरा खेरा, तहसील फाजल्का, जिला फिरोजपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री बीरबल, मोतीलाल पुत्र श्री नानक चन्द निवासी गांव व डा० कीरा खेरा, तहसील फाजल्का, जिला फिरोजपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 193 सेक्टर, 33ए, चन्डीगढ़ ।

(जायदाद जमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 808 जुलाई, 1979 में दर्ज है ।

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मार्च 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निर्देश सं० डीबीएस/62/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भूमि क्षेत्रफल 40 बीघे 3 बिस्वे है तथा जो गाँव फतेहपुर तहसील डेरा बसी में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रुक्मिणी पत्नी श्री जीवन सिंह निवासी फतेहपुर तहसील डेरा बसी।

(अन्तरक)

2. श्री भजन सिंह, मोहन सिंह, सोहन सिंह पुत्र श्री फतेह सिंह वासी मोरपुर जटा तहसील नवांशहर।

(अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी धात्रेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा घोषाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 40 बीघे 3 बिस्वे, गाँव फतेहपुर तहसील डेरा बसी में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी कार्यालय विलेख संख्या 732 सितम्बर 1973 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 14 मार्च 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----8

प्राथमिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/131/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० शोरूम साइट नं० 42 है तथा जो सैक्टर 26, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख ग्लाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के लक्ष्य के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री टेक चन्द अग्रवाल पुत्र श्री बनारसी दास श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री टेक चन्द, श्री कपूर चन्द अग्रवाल पुत्र श्री बनारसी दास द्वारा अटारनी श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री टेक चन्द अग्रवाल, 151 ग्रीन मार्किट, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री पावित्र सिंह बालिया पुत्र डा० निरंजन सिंह, श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री पावित्र सिंह, श्री रुपिंदरबीर सिंह पुत्र श्री पावित्र सिंह, मिस गुरिन्दर बीर कौर पुत्री श्री पावित्र सिंह वासी पुराना गडा खाना, पटियाला। व श्रीमती कंबलजीत कौर पत्नी श्री जातिन्दर सिंह आफ एम० आई० रोड, जंपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोरूम साइट नं० 42 सैक्टर 26 चन्डीगढ़
(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या 770 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश संख्या सीएचडी/137/79-80—अतः मुझे, सुखदेव, चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी संख्या रिहायशी प्लॉट नं० 1205 है तथा जो सैक्टर 34 सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दाविन्दर कटियाल पुत्र श्री एस० बी० कटियाल निवासी देहरादून द्वारा जनरल अटारनी श्री बदरी नाथ पुत्र श्री देम राज वासी बी 21-सी०एम०आई०ओ० कालोनी सैक्टर 30 सी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुनीता रानी पत्नी श्री बदरी नाथ वासी सी एस० आई० ओ० कालोनी सैक्टर 30 चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री गुरदयाल सिंह वासी 1205 सैक्टर 34 सी चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1205 सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़

कार्यालय विलेख संख्या 786 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 14-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/135/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिनकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 2105 है तथा जो सैक्टर 35 सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7/79

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अजमेर सिंह गिल पुत्र श्री बलवंत सिंह गिल निवासी 31-पुरबी मार्ग, न्यू दिल्ली द्वारा श्रीपृथ्वीपाल सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी मकान नं० 3425 सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री कंवल मोहन सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी 2268-सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 2105 सैक्टर 35-सी चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 779, जुलाई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 14-3-1980

माहुर:

प्रकट आई. टी. एन. एस.—-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/123/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सज्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3877 है तथा जो सैक्टर 32 डी
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7/79

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाप की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
प्रधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ता:—
13—16GI/80

1. श्री राम सरन पुत्र श्री जगन नाथ वासी 162, न्यू
जवाहर नगर, जालन्धर सिटी, द्वारा जनरल अटारनी
श्री रजिन्दर कुमार पुत्र श्री पिन्डी दास वासी मकान
नं० 126 सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़

(अन्तरक)

2. श्री राविन्दर कुमार सिक्की पुत्र श्री सरया प्रकाश
सिक्की निवासी मकान नं० 3102 सैक्टर 20-डी
चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3877 सैक्टर 32 डी चन्डीगढ़

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 687 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ए० जे०/113/79-80—अतः भझे, सुखदेव धन्द, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी रिहायशी मकान, प्लॉट नं० जे-8/9 है तथा जो गोविन्द कालोनी, राजपुरा टाउनशिप, राजपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तिओं को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शमशेर सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह निवासी जे-8/9, गोविन्द कालोनी, राजपुरा।

(अन्तरक)

2. श्री राम सरन मैहदीरला पुत्र श्री गोपाल दास निवासी डी-325, कृष्णा गेट, नजदीक शमशाद मंजल करनाल (हरियाना)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धालेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान व प्लॉट नं० जे-8/9, गोविन्द कालोनी राजपुरा टाउनशिप, राजपुरा।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यालय) विलेख संख्या 2069 अगस्त 1979 में दर्ज है।

सुखदेव धन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/139/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 35 है तथा जो सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 7/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स अमृत बतस्पति क० लिमिटेड राजपुरा द्वारा श्री जगेश कुमार खेतान पुत्र श्री तुलसी प्रसाद खेतान वासी मकान नं० 60/8ए चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमृत कौर पत्नी श्री गुरचरन सिंह श्री राजधीप सिंह, श्री चरनदीप सिंह, श्री अमरधीप सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह निवासी मकान नं० 35 सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 35 सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़

(जायेबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय में विलेख संख्या 795 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/148/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 349 है तथा जो सेक्टर 35 चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख 7-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्म सिंह पुत्र श्री शादी सिंह वासी मकान नं० 1664 सेक्टर 22 बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री रामकिशन त्रिवेदी पुत्र श्री सलिंग राम द्वारा स्पेशल अटार्नी श्री बलबीर सिंह वासी 1664 सेक्टर 22बी चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3498 सेक्टर 35-डी चन्डीगढ़।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 839 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० एस आरडी/120/79-80—अतः भूमे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भूमि क्षेत्रफल 4 बिगे है तथा जो गांव अजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीनारायण दास पुत्र श्री टहल दास, वासी गोबिन्द गढ़।
(अन्तरक)

2. मैसर्स कोरपाल स्टील कारपोरेशन, गोबिन्दगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 बिगे जो गांव अजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है जायदाद जैसा क रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 1797, जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च, 1980

निदेश सं० एस०आर०डी०/115/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और हमारत (पेट्रोल पम्प) है तथा जो रुड़की जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिलकुमार सतिन्द्र कुमार पुत्र श्री लाजपत राय वासी खप्पा जिला लुधियाना

(अन्तरक)

2. सर्वश्री राम सिंह गुरदियाल सिंह पुत्र श्री चतुर सिंह बलजिन्द्र सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह रगवीर सिंह जीत सिंह, बलविन्द्र सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह वासी मार्ग नालेना कलां तहसील सरहिन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रयत्न होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व हमारत (पेट्रोल पम्प) गांव रुड़की जिला पटियाला।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 1672 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/171/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 1596 है तथा जो सेक्टर 34 डी चन्डी-
गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 8/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसपाल सिंह पुत्र पृथ्वीपाल सिंह मारफत श्री
शिरमान सिंह वासी 44 सेक्टर 9ए चन्डीगढ़ द्वारा
जनरल पावर अटारनी श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री
सुजान सिंह वासी 1180 सेक्टर 8सी चन्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री रघवीर सिंह पुत्री श्री वसन्त सिंह 1596 सेक्टर,
34 डी चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. श्री रघवीर सिंह 1596 सेक्टर 34 डी चन्डीगढ़
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1596 सेक्टर 34 डी चन्डीगढ़
(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख संख्या 994 अगस्त 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० एलडीएच/225/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग फैक्टरी यूनिट नं० 418 प्रोपर्टी नं० बी-XXIII 526/3ब है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया ए० लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इन्द्रदेव पुत्र श्री गिरधारी लाल वासी मुहल्ला दान्डीय चरेसी रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मसर्स सागर मशीन टूल प्राईवेट लिमिटेड द्वारा श्री अमरजोत सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह 411 इन्डस्ट्रीयल एरिया लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरटोककरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी यूनिट 418 प्रोपर्टी नं० बी-XXIII 526/3बी, इन्डस्ट्रीयल एरिया, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1893 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रकृप आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
[अर्जन रेंज, लुधियाना]

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० आरएजे/97/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 26 बिग्रे 17 बिसवे है तथा जो
गांव सील तहसील राजपुरा में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम
के अधीन कार होने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

13—16GI/80

1. श्री जागीर सिंह पुत्र श्री मोहनू बासी गांव सील
तहसील राजपुरा।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री मंगता सिंह, अर्जुन सिंह लज्जासिंह स्वरूप सिंह,
जगरूप सिंह, केसर सिंह, सुर्जन सिंह, पुत्र श्री सावन
सिंह बासी गांव सील राजपुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में आई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

साक्षरता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 26 बिग्रे 17 बिसवे जो गांव सील तहसील
राजपुरा में स्थित है।

(जैसेवाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 1736 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 14 मार्च 1980

निदेश सं० एलडीएच/260/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 186 2/3 व गज है तथा जो ब्राउन
रोड, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अर्जन सिंह पुत्र बेसा सिंह बी-10/860, अहाता मोहम्मद
तायर लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश पुत्र श्री चीवाराम बी-II/77, बाउन
रोड, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 186 2/3 व गज ब्राउन रोड, लुधियाना जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 2120 जुलाई 1979 में
वर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० एलडीएच/266/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिहा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जमकी सं० मकान क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जो दि गिल नं० 1, न्यू जनता नगर, गिल रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल पर, ऐन दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राज कुमार पुत्र श्री प्रभ दयाल, करयाना अरचेन्ट बिलगा, जालंधर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नखतर कौर पत्नी मन्कीयत सिंह गिल नं० I, न्यू जनता नगर, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान 200 वर्ग गज, गिल नं० I, न्यू जनता नगर गिल रोड, लुधियाना ।

जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 2152, जुलाई 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 258/79-80/एक्यूजीशन—यतः, मुझे, पी० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एन० नं० 1008/1 है, जो पूना-बंगलोर रोड, बेलगम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलगम ग्रंथर डाकयुमेंट नम्बर 992 दिनांक 5-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तराया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. बसप्पा उर्फ अशोक शिवप्पा, बल्लिशेणी गट्टाचार गली घर नं० 4020, बेलगम।

(अन्तरक)

2. (1) श्री चन्नब्रमवेश उर्फ राजेश

(2) श्री वि पाक्ष उर्फ संजु

(3) गिरिश सुपुत्र शिवशंकर कलीशेट्टी

अल्पवयस्क संरक्षक श्रीमती शीला शिवशंकर कल्लिशेट्टी, एच० नं० 4020, गणाचार गली, बेलगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० सी० टी० एन० नम्बर 1008/1 जो पूना-बंगलूर रोड, बेलगम में स्थित है।

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 4-12-1979

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० एलडीएच/239/79-80—अतः मुझे, सुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 500 वर्ग गज, है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी करम सिंह, 6/5, पंजाब एप्रे० यूनिवर्सिटी कैम्पस, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. अशोक कुमार पुत्र शान्ती स्वरूप, 314, चौड़ी सड़क, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 500 वर्ग गज, गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है।
(असा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख नं० 1952, जुलाई 1979 में वर्णित है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहूर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० एल और एच०/270/79-80—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान क्षेत्रफल 233 1/2 वर्ग गज है तथा
जो दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्।—

1. श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्री हरि चन्द निवासी मकान
नं० बी-I-600/15 सूद कोटेज, कुन्दनपुरी, सिविल
लाईन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. (1) श्री बालमुकन्द पुत्र श्री राम चन्द
(2) श्री जयगोपाल } सभी पुत्र श्री बालमुकन्द
(3) श्री राज पाल }
(4) श्री बन्सी लाल }
निवासी मकान नं० बी-IV-2213, दरेसी
रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

3. श्री फूल चन्द, राम लगन, राम मुंजीर, सीन, सन्तु,
पालान, गुलाम, प्यारे लाल, निवासी दीप नगर,
सिविल लाईन लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिधोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान क्षेत्रफल 233 1/2 वर्ग गज जो कि साऊथ बैंक,
बुडानाला, दीप नगर के पीछे, सिविल लाईन, लुधियाना में
स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विवेक
सं० 2176 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी०एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० पीटीए/210/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संभूमि क्षेत्रफल 2 बीघे है तथा जो गांव खेरी गुजरां, सटेडीयम रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध असूनुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नानक सिंह पुत्र राजा गुरदित सिंह वासी सटेडीयम रोड, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री गिरधर सिंह पुत्र श्री गोबिन्द सिंह, श्रीमती जसजीत कोर पत्नी श्री गिरधर सिंह, श्री किशन सिंह पुत्र श्री गिरधर सिंह, कुमारी लतिका पुत्री गिरधर सिंह, वासी सटेडीयम रोड पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीघे जो गांव खेरी गुजरां, सटेडीयम रोड पटियाला स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विवेक संख्या 2735 जुलाई 1979 में वर्ज है।)

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1980

निदेश सं० सीएचडी/155/79-80—यतः मंशे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1863 है तथा जो सैक्टर 22-
बी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्यदह प्रतिशत
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिणी (अन्तरिणियों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आग की शक्ति उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए।
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नातः :—

1. श्री जनक राज पुत्र श्री गोकल चन्द, निवासी धारी-
वास, गुरबासपुर।

(अन्तरक)

2. श्री देवकी नंदन सुधीर पुत्र श्री दुर्गा दास, निवासी
2480, सैक्टर 20-सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिणी)

3. (1) श्री जगदीश राम खन्ना

(2) श्री हरचरण सिंह

(3) श्री अमर नाथ

वासी मकान नं० 1863, 22-बी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1863, सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 906 जुलाई 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/156/79-80—यतः

मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1633 सं० 34 डी० है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक होने के लिये नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-16GI/80

1. श्री गुरदेव सिंह गिल पुत्र श्री प्रेम सिंह गिल नजदीक रतबीर कालेज संगरूर द्वारा जनरल अटारमी श्रीमती देविन्द्र कौर पत्नी श्री गुरबखश सिंह निवासी गांव व डाकखाना गोहल वार जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबखश सिंह पुत्र श्री भान सिंह निवासी गांव व डाक० गोहलवार जिला अमृतसर द्वारा अटारमी श्री गुरचरण सिंह शियाभी पुत्र श्री खेम सिंह मकान नं० 106 सैक्टर 21 चन्डीगढ़।

(प्रन्तरिती)

3. श्री महिन्द्र प्रताप राऊ आटो मुनायल इन्जीनियर श्री अजीत सिंह सोहल निवासी 1033, सैक्टर नं० 34 डी चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना दाने करके पूर्वोक्त अधिनियम के अर्जुन रंज के लिए कार्यवाहियां करना हें।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन रंज के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रबल होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1633, सैक्टर 34 डी०, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 904 जुलाई 1979 दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/138/79-80—यतः

मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० बूथ नं० 20 है तथा जो सैक्टर 22-डी०,
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुखलाल पुत्र श्री उत्तम चन्द मारफत मैसर्स
उत्तम धी हट्टी कट्टा साहब, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री प्रकाश चन्द ग्राहजा,
716 सैक्टर 22-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री प्रकाश चन्द ग्राहजा, बूथ नं० 20, सैक्टर 22-
डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसको अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बूथ नं० 20, सैक्टर 22-डी, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 790 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-3-1980

मोहर

प्रारूपधाराई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० एल०डी० 4/249/79-80 यतः मुखे सुख देव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 500 वर्ग गज है तथा जो गुरदेव नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी करम सिंह 6/5, पंजाब कृषि यूनीवरसिटी कैम्पस लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री रमन कुमार पुत्र श्री शान्ती स्वरूप 314, चौड़ी सड़क, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजन के लिए कार्यवाहियां कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 500 वर्ग गज गुरदेव नगर लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 2051 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: -15-3-80

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एल०एच०डी०/265/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 28 एफ 339.28 वर्ग गज है सराभानगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वे बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सविन्द्र कौर पत्नी जोगिन्दर सिंह मार्फत श्री नरेन्द्र सिंह 40 एफ सराभा नगर, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती पवित्र कौर पत्नी श्री दलीप सिंह बी-8/258, नया मोहल्ला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और सदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 339.28 वर्ग गज जो कि करतार सिंह सराभा नगर लुधियाना में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी और लुधियाना, के विलेख नं० 2149 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 15-3-1980
 मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं एलडीएच/279/79-80—यतः मुझे,

सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं मकान नं० 2डी, क्षेत्रफल 734 वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभानगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश चन्द्र और सुभाषचन्द्र पुत्र श्री प्रकाशचन्द्र
79 इण्डस्ट्रीयल एरिया ए, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगजीत कौर पत्नी श्री गुरदयाल सिंह
(2) श्रीमती राजेन्द्र कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह
(3) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी श्री हरवंस सिंह
(4) श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी श्री रमीन्द्र सिंह
निवासी 436, कालेज रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2डी, क्षेत्रफल 734 वर्ग गज जो कि करतार सिंह सराभानगर, लुधियाना में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2261 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं एनडीएच/269/79-80/—यतः मुझे,

मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं मकान क्षेत्रफल 173 1/3 वर्ग गज है तथा जो दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विनोदकुमार पुत्र श्री हरी चन्द निवासी मकान नं० बी-I-600/15, सूद कोटेज, कुन्दनपुरी, सिविल लाईन, लुधियाना द्वारा श्री हरि चन्द पुत्र क्षण्डुमल, जनरल आटारनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरला देवी पुत्री श्री बालमुकन्द सर्वश्री कृष्ण लाल शोसपाल और पवन कुमार पुत्र श्री बालमुकन्द निवासी मकान नं० बी-IV-2213, दरेसी रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

3. श्री तिलक राज, राम करन, सरभादेव जमुना, बिहारी और रामेश सारे निवासी दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान क्षेत्रफल 173 1/3 वर्ग गज जो कि बूझनाला के साऊथ बक के पीछे दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 2175 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एनडीएच/254/79-80—यतः सुखे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 1701.1/3 वर्ग गज है तथा जो गांव डाबा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण के अधीन अधिनियम, 1908 (1908 का 16), तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्न्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स बरमा मकैनीकल वर्क्स 256, इण्डस्ट्रीयल एरिया-ए, लुधियाना मार्फत जसवंत सिंह, परमजीत सिंह, रविन्द्र सिंह, 256, इण्डस्ट्रीयल एरिया-ए लुधियाना। (अन्तरक)

2. मैसर्स जी० सी० जैन इंजीनियरिंग वर्क्स बी-IV/774, बेट गंज, लुधियाना मार्फत सर्वे श्री अशवनी कुमार, अरुण कुमार, राजिन्द्र कुमार, सुभाष चन्व B/IV/774, बेट गंज लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1701.1/3 वर्ग गज गांव डाबा, तहसील लुधियाना जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 2101 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्रकृष प्राई० टी० एन० एन०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० पीवाईएल/5/79 80/—यतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 20 बीघा 8 बिस्वा है तथा जो
गांव लामारा पोलेवास, तहसील एवं जिला लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पायल में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक
(प्रत्येकी) और प्रत्येकी (प्रत्येकियों) के बीच ऐसे
प्रत्येक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त प्रत्येक लिखित में वास्तविक रूप से कथित
गही किया गया है :—

(क) प्रत्येक से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्येक के
राशिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रत्येकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुखितार कौर पुत्री श्री लाल सिंह पुत्र श्री
बाजीर सिंह, निवासी गांव लसारा पोलेवास पोस्ट
ग्राफित, नीजामपुर, सब तहसील पायल जिला
लुधियाना।

(अंतरक)

2. सर्वश्री बूटा सिंह, रंजीत सिंह पुत्र श्री गुरदयाल सिंह पुत्र
स० बाजीर सिंह निवासी गांव लसारा पोलेवास,
पोस्ट ग्राफीम नीजामपुर, सब तहसील पायल,
जिला लुधियाना।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंट के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंट के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

जमीन क्षेत्रफल 20 बीघा 8 बिस्वा, गांव लामारा पोलेवास
तहसील एवं जिला लुधियाना।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख सं० 867
जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एनडीएच/274/79-80—यतः मुझे, मुख्यादेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 451, माडल टाउन है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से प्रकट नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—16GI/80

1. श्रीमती निरमला हान्डा पत्नी केवल कृष्ण 451, माडल टाउन लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र भाग सिंह 451, माडल टाउन, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी 451, माडल टाउन लुधियाना।

(नैपा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 2191, जुलाई 1979 में दर्ज है।

मुख्यादेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/147/79-80/—यतः मुझे सुब्रदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 66 है तथा जो सैक्टर 30 सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चरन दास, अप्रोक कुमार, निवासी मकान नं० 60, सैक्टर 21-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री जनक राज व श्रीमती शीला देवी, एम० सी० एफ० नं० 66, सैक्टर 30-पी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. मैक्स महाजन टैंट हाऊस श्री जनक राज श्रीमती शीला देवी निवासी एम० सी० एफ० 66, सैक्टर 30-सी०, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम० सी० एफ० 66, सैक्टर 30-पी, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 834, जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुब्रदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/141/79-80 —आतः भूमि सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 18 कनाल 5 मरले है तथा
जो गांव मनी माजरा यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची ; और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्हित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिश में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री माधू सिंह, अजैब सिंह निवासी निचली पट्टी,
मोरी वाला बरवाजा मनीमाजरा यू० टी० चन्डी-
गढ़।

(अन्तरक)

2. श्री रण सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह व श्री गुरदेव सिंह
निवासी मौडल टॉऊन, मनीमाजरा यू० टी०
चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राद्ध :-

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 कनाल 5 मरले जो गांव मनीमाजरा
यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जोपेशद जग कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 1067 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/151/79-80/ —अतः

मुख्य, मुख्यालय, चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 24 कनाल 4 मरले है तथा जो गांव मनीमाजरा यू० टी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपोन्नत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुख्य विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (पन्तरां) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में शब्दविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(6) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) 41 उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सेवासिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह निवासी मनीमाजरा, यू० टी०, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह नारंग ।

(2) श्रीमती दर्शी नारंग पत्नी कुलदीप सिंह नारंग ।

(3) मिस गीतका नारंग पुत्री श्री कुलदीप नारंग ।

(4) मिस लीतका नारंग पुत्री कुलदीप नारंग ।

(5) श्रीमती अमृता पत्नी श्री अरविन्दर बबर निवासी मकान नं० 33 सैक्टर 5 चन्डीगढ़ ।

(6) बाबा गुरमीत सिंह पुत्र बाबा निहाल सिंह

(7) श्रीमती चरण जीत कौर पत्नी बाबा गुरमीत सिंह

(8) श्री सर्वपाल सिंह पुत्र बाबा गुरमीत सिंह ।

(9) श्री अनुपाल सिंह पुत्र बाबा गुरमीत सिंह ।

(10) श्री सुखपाल सिंह पुत्र बाबा गुरमीत सिंह सारे निवासी मुक्तनगर जिला फरीदकोट ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि की भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोद्घातकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 24 कनाल 4 मरले जो गांव मनीमाजरा यू० टी चन्डीगढ़ में स्थित है ।]

(जायदाद जमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलख संख्या 877 जुलाई 1979 में दर्ज है ।)

मुख्यालय चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सी०एच०डी०/129/79-80 —यतः मुझे,

मुख्य देव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3628 है तथा जो सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूपा से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के आयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बन्सी लाल रावल पुत्र श्री बिधि चन्द मारफत
मकान नं० 3628, सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरक)

2. श्री जी० डी० जुनेजा पुत्र श्री राम चन्द निवासी
म० नं० 1729, सेक्टर 23-बी, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरिणी)

(3) श्री हरबंस लाल, श्री सुरेश कुमार, श्री गंकर लाल बजाज श्री अविनाश सारे वासी मकान नं० 3628, सेक्टर-23 डी, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) सैक्टररी, पंजाब सिविल सैक्टररीएट, चण्डीगढ़ ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3628, सेक्टर 23-डी चण्डीगढ़ ।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 747, जुलाई 1979 में दर्ज है) ।

मुख्य देव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एएमडी/21/79-80 —यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 60 बीघे 1 बिसवा है तथा जो मिठेवाल (मालेरकोटला) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री कृपाल सिंह, मुख्त्यार सिंह पुत्र श्री साभा निवासी निहालूवाला (मालेरकोटला)।

(अन्तरक)

2. श्री मुन्नार सिंह पुत्र हजूर सिंह निवासी मिठेवाल (मालेरकोटला)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 60 बीघा 1 बिसवा गांव मिठेवाल।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदगढ़ के विलेख नं० 1105 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15-3-1980

मोहर:

प्रसूत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/154/79-80/ —अतः मुख्ते
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3442 (प्लॉट नं० 46 स्ट्रीट
नं० 11) है तथा जो सैक्टर 27 डी चण्डीगढ़ में स्थित है और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरबियाल सिंह काहलों पुत्र श्री हरवित सिंह
काहलों निवासी मेहर सिंह कालोनी, पटियाला
द्वारा जनरल अटारनी श्री गुरचेत सिंह पुत्र
श्री सुचासिंह, निवासी मकान नं० 3442, सैक्टर
27 डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पनी श्री गेरचेतसिंह निवासी
मकान नं० 3442, सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री तारा चन्द, श्री सुचा सिंह निवासी मकान नं०
3442 सैक्टर 27 डी चण्डीगढ़।

श्री गुरचेत सिंह, श्री चोपड़ा, श्री प्यारा सिंह,
श्री अजीत पाल सिंह, नर्स (नाम नहीं दिया
गया) सारे निवासी मकान नं० 3442-27 डी
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिद्वोग
में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3442, सैक्टर 27 डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के बिलेख संख्या 905 जुलाई 1979 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/163/79-80/ ---यतः मुखे
मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 34 है तथा जो सैक्टर
17 ई० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कबिता नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तरसेम चन्द, पवन कुमार, अभय कुमार हिस्सेदार
मैसर्स तरसेम चन्द एण्ड प्रवर्से एस० सी० ओ० 34
सैक्टर 17-ई चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती करनल कौर पत्नी श्री भजन सिंह, श्री इंद्रदीप
सिंह ढिल्लों माईनर द्वारा श्री भजन सिंह गांव ब
डा० सलीम पुर, जिला रोपड़।

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स आजाद हिन्द स्टोर्ज।

(एजुकेशन डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार (डायई-
रैक्टर पब्लिक इंस्ट्रक्शन)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

4. एस० सी० ओ० 34, सैक्टर 17-ई चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 34, सैक्टर 17-ई चण्डीगढ़।

(जायेवादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 950 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० पी०टी०ए०/191/79-80/ ---यतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पते 11 का 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 32 कनाल है तथा जो त्रिपुरी सेवा, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार ग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
16-16GI/80

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री बरियाम सिंह, 30 सैक्टर-2-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

2. श्री बनारसी दास पुत्र श्री माधू राम, प्रकाश चन्द पुत्र श्री माधू राम, पुरनचन्द पुत्र श्री माधू राम, इन्द्र सैन पुत्र श्री माधू राम, सावित्री देवी पुत्री जेठू राम, लशमन दास पुत्र श्री बलैसी राम, राम सरूप पुत्र श्री बसन्ता मल्ल, ज्ञान चन्द पुत्र श्री हरबंस लाल, मिठु राम पुत्र श्री नीलु राम, जमना देवी पत्नी श्री रामधारी, हंस राज पुत्र श्री रामकृष्णन, शरला देवी पत्नी श्री जगदीश राम, दुर्गा देवी पुत्र श्री सीता राम, देवी दास पुत्र राम लाल, बंत राम पुत्र मलेरी मल्ल, प्रेम सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह, पुरन चन्द पुत्र श्री प्यारे लाल, विजय कुमार पुत्र श्री जगदीश लाल माफत पुरन चन्द पुत्र श्री प्यारे लाल आफ मैः प्यारे लाल एण्ड संम प्रापर्टी डीलर, नजबी कतहसील आफस पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

पठनीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 32 कनाल जो त्रिपुरी सेवा पटियाला में स्थित है।

(गोदेदाद जैन) कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 2449 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15/3/1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एच०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एल०डी०एच०/223/79-80 —यतः

मुख्य सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन प्रभार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० 282 है तथा जो माडल
हाऊस, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के बिना नया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण जितित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या रुपये बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या ठिगाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रान देवी पत्नी श्री मोहनलाल निवासी 75-ए,
इण्डस्ट्रीयल एस्टेट लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदेव कोर पुत्री केहर सिंह निवासी मकान
नं० 282, माडल हाऊस लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्ताधिकारी के पास लिखित में
दिये जा सकेंगे ।

संश्लोकरण :—यह प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 282 (एमसी नं० बी-XVII-3875/2)
माडल हाऊस लुधियाना ।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 1876 जुलाई 1979 में दर्ज
है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15-3-80

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० ए० १०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एलडीएच/227/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 789 फेज-II है तथा अरबम एस्टेट डबारी कलां लुधियाना (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बार्थेल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दरशन लाल पुत्र श्री ऊजागर मल श्रीमती सतीश कुमारी पत्नी श्री दरशन लाल 52 ब्राह्मता शेर जंग, लुधियाना।

(अंतकक)

2. श्री कशमीरा सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह 641 इण्डस्ट्रीयल एरिया—बी लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 789 फेज-II अरबम एस्टेट, डबारी कलां लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1904 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-3-1980

मोहर: 11

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० ए०डी०एच०/222/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी०-XI-77 पुराना (बी-XII-722 न्यू) है तथा जो (बर्फ वाली गली) बराऊन रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चग प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयचन्द्र सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी बी-XI-27, बराऊन रोड लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह कुम्रा पुत्र श्री राम नारायण सिंह निवासी 244, बलगीघर रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

3. श्री राम प्रकाश, टेलर मकान नं० बी-XI-77, बराऊन रोड लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XI-77 पुराना, (बी-XII-722 न्यू०) बराऊन रोड लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1872 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च 1980

मोहर :

प्रकट आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० के०एच०आर०/9/79-80—अस्त: मुखे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० माकन नं० फेज-1 है तथा जो मोहाली, तहसील खरड़ जिला रूपनगर में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाभं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती महिन्द्र कौर सोडी पत्नी श्री अमरसिंह सोडी, निवासी 541, सैक्टर 16-ए चण्डीगढ़ द्वारा श्रीमती पुष्पिन्द्र कौर पत्नी श्री एस० एस० मूंगिया, जनरल एटारनी।

(अन्तरक)

2. श्री पी० डी० गोयल पुत्र श्री प्यारे लाल गोयल निवासी 1618, सैक्टर 35-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री पी० सी० गुप्ता निवासी मकान नं० 184, फेज नं० 1 मोहाली जिला रूपनगर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पञ्चम में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 184 फेज-1 मोहाली तहसील खरड़ जिला रूपनगर।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2310 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० एलडीएच/250/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 789 फेज-II है तथा जो ढडारी कलां, अरबन एस्टेट, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वरशन लाल पुत्र अजागर मल श्रीमती सतीश कुमारी पत्नी श्री वरशन लाल निवासी 52, ग्रहता शेर जंग, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री हीरा सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह निवासी 641-इन्डस्ट्रीयल एरिया-बी लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 789-फेज-II ढडारी कलां, अरबन एस्टेट लुधियाना।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2052 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17-3-1980

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/149/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सभा, जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस सी० ओ० नं० 283, सहित में कुंश बना हुआ है तथा जो सैक्टर 35डी-चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और पुनः यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावजू, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपाधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मोहिंदर सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी गारडन कालोनी, रोड, खरड़ जिला रोपड़।

(2) श्री बलवंत सिंह बंदी पुत्र जांबद सिंह निवासी सी-128 सैक्टर 14 चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री गुचरन सिंह निवासी गांव व डा० मेहराज जिला भटिंडा।

(2) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री चरनजीत सिंह निवासी गांव व डा० मेहराज जिला भटिंडा।

(3) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री हरबंस सिंह निवासी 82-27 ए चण्डीगढ़।

(4) श्रीमती राम कौर पत्नी श्री कापूर सिंह रंधावा निवासी गांव व डा० बरगरान, जिला भटिंडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सभा में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० साईट नं० 283 सैक्टर 35 डी० चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विनेख संख्या 851 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रकट आई० डी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/312/79-80—यतः मुझे,

सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भाग दुकान क्षेत्रफल 43½ वर्ग गज है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रचुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरचरन सिंह पुत्र वादा सिंह पुत्र श्री चांदी राम निवासी 81-बी, सराबा नगर लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद पुत्र बाबू राम श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री अयोध्या प्रसाद मार्फत मैसर्स राणा सिलक स्टोर, चौड़ा बाजार, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग दुकान क्षेत्रफल 43½ वर्ग गज, चौड़ा बाजार, लुधियाना।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्ररूप जाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/281/79-80—यतः सुखेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/3 भाग दुकान क्षेत्रफल 43 1/3 वर्ग गज है तथा जो चौड़ा बाजार लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को शायद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्ना जमा बाटिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

17-16GI/80

1. श्री जगतार सिंह पुत्र श्री बाबा सिंह निवासी 81-बी, सराभा नगर लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद पुत्र बाबू राम श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री अयोध्या प्रसाद मार्फत मैसर्स राणा सिलक स्टोर, चौड़ा बाजार लुधियाना।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में दृष्टव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वाराधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग दुकान क्षेत्रफल 43 1/3 वर्ग गज, चौड़ा बाजार लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2271 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 17-3-19780

क्षेत्र :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/242/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-X-708 है तथा जो इकबाल गज रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाचय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती लाजवन्ती बिधवा श्री लक्ष्मण दास पुत्र श्री भगवान दास श्री बाल कृष्ण, ओम प्रकाश, किशन देव पुत्र श्री लक्ष्मण दास बी-X-708, इकबाल गज रोड लुधियाना। श्रीमती सुवर्णन देवी, श्रीमती पुष्पालता, श्रीमती बीना शर्मा, श्रीमती इन्दिरा कौशिक, श्रीमती सुशील शर्मा श्री अशोक कुमार, शर्मा, श्री बलदेव कुमार, श्री संजू शर्मा, द्वारा जनरल एटारनी श्रीमती लाजवन्ती बिधवा श्री लक्ष्मण दास बी-X-708 इकबालगंज रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री विजयकुमार, केवल कृष्ण पुत्र श्री बुद्ध राम निवासी साबुन बाजार लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-X-708, इकबालगंज रोड, लुधियाना।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1979 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 17-3-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० एल०डी०एच०/271/79-80—यतः मुझे,

सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-XV-412/बी है तथा जो
मुहल्ला हरिकृष्णपुरा, गिल रोड, लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबिा नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. सर्वश्री श्री धनवन्त सिंह, मनजीत सिंह, बलदेव सिंह
सुखवन्त सिंह द्वारा श्री कुन्दन सिंह पुत्र श्री हरनाम
सिंह निवासी बी-XV-412/बी, हरिकृष्णपुरा
गिल रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री अरविन्द दुग्गा माईनर द्वारा श्री शामस्वरूप दुग्गा
पुत्र श्री बहादुर चन्द मार्फत मैसर्स जनरल मैनु-
फैक्चरिंग कारपोरेशन, गिल रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XV-412/बी, हरिकृष्णपुरा गिल रोड
लुधियाना।

(जावेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 2179 जुलाई 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 17-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्येश सं० सीएचडी/158/79-80—यतः मुझे
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट नं० 3 स्ट्रीट-सी० है तथा
सैक्टर 19 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन करने देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री मनमोहन मित्तल, देश धूशन मित्तल पुत्र
श्री लक्ष्मी नारायण मित्तल, श्रीमती विशनु देवी
पत्नी महाराजा कृष्णा, श्रीमती नुसुम गंग
द्वारा अटारनी श्री देश भूषण मित्तल मार्फत
162/6 बाजार 7 फीरोजपुर कैंस्ट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती समित्री देवी पत्नी श्रीराम कंवर श्री सुशील
बसीन पुत्र श्री रजिन्द्र कुमार द्वारा श्री रजिन्द्र
कुमार हाउस नं० 126, 16 ए चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

3. श्री श्रीपाल जैन प्लॉट नं० 3 सैक्टर 19ए, चण्डीगढ़
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

112 भाग प्लॉट नं० 3 स्ट्रीट सी। सैक्टर 19ए चण्डीगढ़।
(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 911, जुलाई 1979 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 18-3-1980

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/134/79-80/—यतः, मुखे,
मुखदेव चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० शाप-कम-प्लेट नं० 3 हिस्सा 1/3 है, तथा
जो सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979को पूर्वोक्त मर्यादा के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिस्त्रियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्त्रि द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री उजागर सिंह सन्धु पुत्र श्री केहर सिंह निवासी
मकान नं० 513, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. मैसर्स श्रीम फलीर मिल्स द्वारा हिस्सेदार सर्वश्री
श्रीम प्रकाश पुत्र श्री मोहरी राम, सिकन्दर लाल
सालूजा पुत्र श्री गणपतराय निवासी एस० सी०
एम० नं० 3, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिस्त्रि)

3. (1) मैसर्स ओबराये लैमीनेट हाऊस,
(2) मैसर्स श्रीम फिलोर मिल्स,
(3) श्री जसवन्त सिंह,
(4) श्री भाग सिंह,
(5) श्री मन्जीत सिंह डीन्सा,
(6) श्री तेलू राम,
(7) श्री फलीर सिंह,
(8) श्री बेली राम,
(9) मैसर्स सिगापुर केन, और बेम्बू हेण्डीआपट,
सारे वासी एम० सी० एफ० 3, सैक्टर 18-डी
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. श्री मुखनियार सिंह एम० सी० एफ० नं० 3-18-डी-
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों।
से किसी व्यक्ति द्वारा;ख इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयोग 20-क में
परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस प्रयोग
में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग शाप-कम-प्लेट नं० 3 सैक्टर 18-डी चण्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 775, जुलाई 1979 में दर्ज
है।)मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-3-1980

मोहर:

कर्मचारी चयन आयोग

विज्ञापित

ग्रेड ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा
1980

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1980

सं. 1/7/2/79-समन्वय-II.—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग की प्रवर सूची, भारतीय विदेश सेवा (ख) के सब-कांडर के आशुलिपिकों की श्रेणी II सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' में वृद्धि करने हेतु कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 10-9-80 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा का आयोजन मंत्रिमंडल सचिवालय में कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के 12-4-80 के भारतीय राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार होगा।

आयोग अपने निर्णय से उपर्युक्त परीक्षा केन्द्रों और परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जायेगा कि उन्हें कहां, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. इस परीक्षा के आधार पर ऊपर दी गई सेवाओं में नियुक्तियों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है:—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड 'ग' ———*
- (ii) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सब कांडर के आशुलिपिक ग्रेड-II ———*
- (iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग ——— ; और
- (iv) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' ———*

* बाद में निश्चित की जायेगी

इन रिक्तियों के संबंध में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित आरक्षण किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग उ. क्षे. लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा में संबंध पूर्ण विवरण आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 10-5-80 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एक रुपये के मूल्य का पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को दिये हों और 'केवल प्राप्त कर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हों, एक द्वारा भेज कर भी 10-5-80 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना-पत्रों पर परीक्षा का नाम "ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980" स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ, उम्मीदवार को मोटे अक्षरों में अपने नाम तथा पते की दो पंक्तियां भी भेजनी चाहिए। एक रुपये का पोस्टल आर्डर और उपर्युक्त दो पंक्तियों की प्राप्ति पर आवेदन-प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से

(डाक प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत— under Certificate of Posting)

उम्मीदवार को भेज दिये जायेंगे। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर तथा चैक या करंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। एक रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र के मूल्य के भारतीय पोस्टल आर्डर भेजने चाहिए अथवा एक रुपये की राशि, भारतीय उच्च आयुक्त/राजदूत/प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उक्त राशि का लेखा शीर्ष, "051-लोक सेवा आयोग-कर्मचारी चयन आयोग—अन्य प्राप्ति—आवेदन प्रपत्रों की बिक्री" (वेतन और लेखा अधिकारी कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा करने को कहें तथा उस कार्यालय से टी. आर. 5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त कर लें तथा उसे आयोग को भेज दें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ उम्मीदवार को नाम तथा पते की मोटे अक्षरों में दो पंक्तियां भी भेजनी चाहिए।

टिप्पणी:—आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 10-5-1980 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जायेगी। विदेश में रहने वाले तथा अंडमान निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले व्यक्तियों के लिए आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 24-5-80 तक भी स्वीकार कर ली जाएगी।

4. भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, (उ. क्षे.) लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003, के पास 10-5-80 को या उसके पूर्व, अनुबंध में दी गई हद्दामतों के अनुसार अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निश्चित तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में 10-5-80 से पूर्व रहने वालों के आवेदन पत्र 24-5-80 तक भी ले लिए जायेंगे।

टिप्पणी-1:—उम्मीदवारों को ज्ञेयता दी जाती है कि उन्हें अपने आवेदन ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही प्रस्तुत करने चाहिए। ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर प्रस्तुत किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। "केवल शासकीय प्रयोग के लिए" चिह्नित प्रपत्रों पर भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

टिप्पणी-2:—आवेदन-पत्र की मांग में देरी अथवा आवेदन-पत्र देउ से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेवारी उम्मीदवार की ही होगी।

टिप्पणी-3:—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र आयोग के काउंटर पर देवें, उन्हें उस लिपिक से जो आवेदन-पत्र प्राप्त करेगा, उसी समय पावती पत्र ले लेना चाहिए।

5. (i) निर्धारित शुल्क:—नीचे के उप-पैरों (iii) और (v) में आने वाले उम्मीदवारों के अतिरिक्त परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित आवेदन पत्र के साथ आयोग को निम्नलिखित फीस देनी होगी:—

12.00 रुपये (3.00 रुपये अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में)।

(ii) पैरा 5(i) में दी गई फीस का भुगतान रॉयल भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा होना चाहिए जो कर्मचारी चयन आयोग को देय हों। यह भुगतान बैंक डाफ्ट, जो केवल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की पॉलियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली स्थित शाखा द्वारा कर्मचारी चयन आयोग, को देय हों, तथा कम से कम छः मास के लिए वैध हों के द्वारा भी किया जा सकता है।

पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरा जाना चाहिए:—

केवल प्राप्त कर्ता लेखा	पोस्टल आर्डर
	कर्मचारी चयन आयोग
	नई दिल्ली को (लोधी रोड)
	डाकघर नई दिल्ली-110003 पर देय

आयोग फीस का भुगतान मनीआर्डर, बैंक या कर्सेसी नोटों द्वारा स्वीकार नहीं करेगा।

(iii) आयोग स्वेच्छा से निर्धारित फीस से मुक्त कर सकता है जबकि उसे इस बात की सन्तुष्टि हो जाए कि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है।

(iv) उम्मीदवार को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रॉयल किए बिना अथवा कर्मचारी चयन आयोग, लोधी रोड डाकघर, नई दिल्ली को देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन-पत्र के स्तम्भ-II में पोस्टल आर्डर के पूरे व्यौर भर देने चाहिए।

जिस आवेदन पत्र के साथ निर्धारित फीस का रॉयल भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक डाफ्ट नहीं होगा उसे सरसरी तौर पर देखकर ही अस्वीकृत कर दिया जाएगा। यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो क्रमशः 1 जनवरी, 1964 को या इसके बाद (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और फीस न दे सकने की स्थिति में होने के कारण उत्तर के पैरा 5(iii) के अनुसार निर्धारित फीस से छूट चाहते हैं।

(v) भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई शुल्क नहीं होगा।

6. आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी में संबंध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जायेगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। फीस वापिस तभी की जायेगी जबकि परीक्षा निरस्त हो जाएगी।

यदि उम्मीदवार को, उसका आवेदन-पत्र देर से पहुंचने के कारण आयोग द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट न किया गया, तो उम्मीदवार का आवेदन-पत्र उसके पोस्टल आर्डरों सहित उसे वापिस भेज दिया जायेगा।

7. आवेदन-पत्र के विषय में पत्र व्यवहार क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, उ. क्षे. लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003, को सम्बोधित करने चाहिए तथा निम्नलिखित विवरण देने चाहिए:—

(i) परीक्षा का नाम,

(ii) परीक्षा का महीना तथा वर्ष,

(iii) रोल नं. या जन्म तिथि (यदि उम्मीदवार को रोल नं. न भेजा गया हो),

(iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में), तथा

(v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक पता।

इन विवरणों से रहित पत्राचार पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में कर्मचारी चयन आयोग के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाफों पर उम्मीदवार सर्व्व "श्रेणी-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980" शब्दों का अवश्य प्रयोग करें।

मदन लाल

सचिव

कर्मचारी चयन आयोग

अनुबन्ध

उम्मीदवारों को अनुबोध

1. विज्ञप्ति के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध विज्ञप्ति, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग (उ. क्षे.) के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित अंतों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को विज्ञप्ति के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

कोई उम्मीदवार जो विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है उसे अपनी इच्छानुसार कम से दो अन्य भारतीय मिशनों (जहां वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी विकल्प केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। आयोग अपने निर्णय से उसके द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में से किसी भी एक में अथवा किसी अन्य मिशन में उसे अपने चर्च पर परीक्षा देने के लिए कह सकता है।

जो उम्मीदवार विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है और नियमों के परिशिष्ट के पैरा 3 के अनुसार (ii) निबंध और (iii) सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र और आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देना चाहता है, उसे अपने चर्च पर ही किसी ऐसे अन्य मिशन में उपस्थित होने के लिए कहा जा सकता है जहां पर ऐसी परीक्षा आयोजन के प्रबन्ध प्राप्त हों।

2. उम्मीदवार को आवेदन पत्र और अपने नाम तथा एते की 6 पंक्तियों वाला कागज अपने हाथ से भरना चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, रॉयलिका या विन्द आदि के द्वारा नहीं। भरा हुआ आवेदन पत्र क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, (उ. क्षे.) लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003, को भेजना

चाहिए ताकि वह विज्ञप्ति में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुँच जाए।

टिप्पणी:—परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट के पैरा 3 के अनुसार निबंध और सामान्य ज्ञान तथा आशु-लिपि की परीक्षा हिन्दी में देने के इच्छुक उम्मीदवार अपना विकल्प आवेदन पत्र के स्तम्भ 6 में स्पष्ट रूप से लिखें। एक बार का विकल्प अन्तिम समझा जाएगा और उक्त स्तम्भ में परिवर्तन करने का कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त स्तम्भ में कोई प्रविष्टि नहीं की गई तो उसका अर्थ यह समझा जाएगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देंगे।

विज्ञप्ति में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष-द्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से यह आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह विज्ञप्ति के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की माफत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठक के भरकर इस आयोग को भेज देंगे।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्यौरा न दें और न किसी तथ्य को छिपाएं।

4. (1) उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्न-लिखित कागजात आदि अवश्य भेजने चाहिए:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को लोधी रोड, डाकघर नई दिल्ली पर दिये हों अथवा बैंक ड्राफ्ट, जो केवल स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली स्थित शाखा द्वारा कर्मचारी चयन आयोग, को दिये हों, तथा कम से कम छः मास के लिए वैध हों।

(ii) (क) आवेदन पत्र देते समय जहाँ वह काम कर रहा है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ख) आवेदन पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-8-1977 से आगे के उसके सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) उम्मीदवार के आधुनिक फोटो की पासपोर्ट साइज (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें. मी.) की दो समान प्रतियाँ।

(iv) नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित प्रलेख (जहाँ उपयुक्त हों)।

(2) ऊपर की मवों (i), (ii), (iii) तथा (iv) में दिए गए कागजात आदि का ब्यौरा निम्नलिखित है:—

(i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मूहर रहनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर 'केवल प्राप्तकर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएँ:—“कर्मचारी चयन आयोग को लोधी रोड, डाकघर नई दिल्ली पर दिये हों।”

किसी अन्य डाकघर पर दिये पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे या काल-तिरोंहित पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सब बैंक ड्राफ्ट कर्मचारी चयन आयोग के नाम में होने चाहिए तथा स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली स्थित शाखा द्वारा दिये हों।

टिप्पणी:—जो उम्मीदवार आवेदन पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (12.00 रु. के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3.00 रु. के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त राजदूत या प्रतिनिधि उस देश में जो भी हों—के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे इस राशि को लेखा शीर्ष “051—लोक सेवा आयोग—कर्मचारी चयन आयोग—अन्य प्राप्ति—परीक्षा शुल्क” (वेतन और लेखा अधिकारी, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-प्रपत्र के साथ भेजें।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ उम्मीदवार नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की अवस्था में पति का नाम), नागरिकता, अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, इसवी सन् में जन्म तिथि (शब्द तथा अंक दोनों में) दक्षिणक योग्य-ताएँ, तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर का नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-8-1977 से आगे के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में वेतनमान सहित भारित पद तथा मौलिक, स्थानापन्न, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया हुआ हो।

टिप्पणी:—आवश्यक होने पर आयोग सेवा पंजिका अथवा अन्य प्रमाणित प्रलेख मांग सकता है।

(iii) फोटो की दो प्रतियाँ—उम्मीदवार को अपने आधुनिक फोटो की पासपोर्ट साइज (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी.) की दो समान प्रतियाँ जिनमें से एक आवेदन पत्र में दिए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर ऊपर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

(iv) शुल्क की छूट और आयु छूट के दावे के पक्ष में नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित कागजात की प्रमाणित प्रतिलिपि (जहाँ उपयुक्त हों), आवेदन-पत्र के साथ अवश्य ही प्रस्तुत करनी चाहिए, अन्यथा फीस माफी अथवा आयु छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ ऊपर पैरा 4 के अन्तर्गत कागजात आदि में से कोई एक भी न साथ लगा

होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों और उनके न भेजने का स्पष्टीकरण दे दिया गया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस आयोग के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में दो कभी भी कोई शब्द या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में अलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. (i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्ति, जो नियम 4(ग)(ii) या 4(ग)(iii) के अन्तर्गत आयु छूट का ह्छक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी सत्यापित प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिए प्रस्तुत करें कि वह बंगला देश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जिसने 1 जनवरी 1964 या उसके पश्चात्, परन्तु 25 मार्च 1971, से पहले भारत में प्रवेश किया है:—

- (1) दण्डकारण्य प्रयोजना के पारगमन केन्द्रों के कैंम्प कमांडेंट अथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केन्द्रों के कैंम्प कमांडेंट;
- (2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला मजिस्ट्रेट;
- (3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से संबंधित अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट;
- (4) सम्बन्धित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर; तथा
- (5) पश्चिमी बंगाल के शरणार्थी पुनर्वास उप-आयुक्त/कलकत्ता में निवेशक (पुनर्वास)।

यदि वह विज्ञप्ति के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी राज-पत्रित अधिकारी से अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लेकर एक मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(ii) बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो विज्ञप्ति के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत फीस माफी और/अथवा नियमों के पैरा 4(ग)(iv) या 4(ग)(v) के अन्तर्गत आयु छूट का ह्छक है वह श्रीलंका में भारतीय हाई कमिशन से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका के सम्झौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या इसके पश्चात्, भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस से छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिला अधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधानसभा के सदस्य से प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो

कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iii) बर्मा से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो विज्ञप्ति के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत फीस की छूट और/अथवा नियमों के पैरा 4(ग)(viii) या 4(ग)(ix) के अन्तर्गत आयु छूट चाहता है वह रंगून में भारतीय बूतावास से मूल परिष्कृत प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है, अथवा जहां वह रहता है उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को अथवा उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस से छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिला अधि-कारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iv) कीनिया, उगान्डा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूत-पूर्व तांगानिका तथा जंजीबार), जाम्बिया, मलावी, ज़ायरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित व्यक्ति जो नियम 4(ग)(vi) या (vii) के अधीन आयु में छूट का दावा करें वह जहां रहता है उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यावर्तित वास्तविक व्यक्ति है।

(v) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा नेताओं में रहते हुए विकलांग (अंगहीन) हो गया है और नियम 4(ग)(x) या 4(ग)(xi) के अधीन आयु में छूट चाहे वह महानिदेशक, पुनर्वास प्रतिरक्षा मन्त्रालय से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह विदेशी शत्रु वश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे मूक कर दिया गया है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री _____

पुनित _____

रैंक में _____

विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए फौजी कारबाही में विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे मूक किया गया।

हस्ताक्षर _____

नाम _____

पदनाम _____

दिनांक _____

* जो लागू न हों उसे काट दें।

(vi) नियम 4(ग)(xii) अथवा 4(ग)(viii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में रियायत चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, सहायक सीमा सुरक्षा दल से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए, 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मूक हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का काम

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट —————

को रैंक नं० —————

श्री —————

सीमा सुरक्षा दल से कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर —————

नाम —————

पदनाम —————

तारीख —————

7. उम्मीदवारों को उक्त पैरा 6 में उल्लिखित अपने प्रमाण-पत्रों की प्रतियां किसी सरकारी राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित अथवा स्वयं द्वारा प्रमाणित करके, अपने आवेदन-पत्रों के साथ भेजनी हों।

8. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्रों को आयोग में प्रस्तुत करने से पूर्व निम्नलिखित क्रमानुसार व्यवस्थित कर लें:—

- (i) पोस्टल आर्डर/बैंक ड्राफ्ट;
- (ii) फोटो की एक अतिरिक्त प्रति (फोटोग्राफ की दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर चिपकानी है);
- (iii) विधिवत भरा हुआ आवेदन-पत्र;
- (iv) आवेदन करते समय वह जिस विभाग अथवा कार्यालय में नियुक्त हो उसके प्रधान द्वारा अपनी सेवा-विवेका के प्रथम पृष्ठ की अधिप्रमाणित स्वच्छ प्रति;
- (v) आवेदन करते समय जिस विभाग अथवा कार्यालय में काम कर रहा हो, उसके प्रधान द्वारा दिनांक 1-8-80 को समाप्त हुए तीन वर्षों के दौरान उसकी सेवा-विवरणों की अधिप्रमाणित स्वच्छ प्रति;
- (vi) यह दिखाने हुए कि उम्मीदवार बर्मा, श्रीलंका, बंगला देश इत्यादि से प्रत्यावर्तित हैं—प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति;
- (vii) यदि उम्मीदवार चाहें कि उसके सम्बन्ध में निर्धारित शुल्क माफ कर दिया जाये तो यह दिखाने हुए कि उम्मीदवार फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है—प्रमाण-पत्र; और
- (viii) कोई प्रमाण-पत्र जो उम्मीदवार भेजना चाहता हो।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत करने का यह बहाना स्वीकार नहीं होगा कि आवेदन-पत्र का फार्म ही अमुक तारीख को मिला। वस्तुतः आवेदन-पत्र की प्राप्ति से प्राप्तकर्ता परीक्षा में पहुँचने के योग्य नहीं बन जाता।

10. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने अपना आवेदन-पत्र डाक द्वारा भेजा हो, आवेदन-पत्र जमा करवाने की अन्तिम तारीख से 15 दिन तक अपने आवेदन-पत्र का पावती पत्र न मिले तो उसे तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा में प्रविष्ट किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। परन्तु यह बताना संभव नहीं कि सूचना कब भेजी जाएगी। यदि किसी उम्मीदवार को परीक्षा आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में कर्मचारी चयन आयोग से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता तो उसे परिणाम के लिए शीघ्र आयोग से सम्पर्क करना चाहिए। इस उपबन्ध के अनुपालन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित रह जाएगा।

12. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कर्मचारी चयन आयोग से कोई भी यात्रा भत्ता पाने के अधिकारी नहीं होंगे।

13. सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध)/अधीनस्थ सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग द्वारा गत वर्षों में ली गई श्रेणी ग आशुलीपि सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा के नियमों और प्रश्न पत्रों से सम्बन्धित पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से केवल रेल आर्डर द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) किताब महल, स्टेट एम्प्लॉयर्स बिल्डिंग, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (2) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011, और (3) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, के. एस. राय मार्ग, कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ मुफसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

14. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आवि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पत्रों को भेज दिया जाये करे। पत्रों में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को सूचना मॉटे जक्षरों में रोल नम्बर सहित छः पंक्तियों पर लिखित नए पत्रों के साथ विज्ञप्ति के पैरा 7 में उल्लिखित ब्यारे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th March 1980

No. A.35014/1/79-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following three Permanent Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis on deputation to the posts and for the period indicated against each, or until further orders, whichever is earlier.

Sl. No.	Name	Post	Period
1.	Shri G. P. Saxena	S. O. (Special-Confidential)	10-2-80 to 9-5-80
2.	Shri J. S. Sawhney	S. O. (Special-Examination Scrutiny and Coordination)	3-3-80 to 2-6-80
3.	Shri H. M. Biswas	S. O. (Special-Examination rules and arrangements)	3-3-80 to 2-6-80

2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri G. P. Saxena, J. S. Sawhney and H. M. Biswas will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O. M. No. F. 10(24)-E. III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd March 1980

No. A-19021/1/79. Ad.V.—Shri E. N. Rammohan, IPS (1965-Meghalaya) on deputation to Central Bureau of Investigation as Superintendent of Police, relinquished charge of his office on the afternoon of 31-1-80.

On relief from the Central Bureau of Investigation, the Services of Shri Rammohan have been placed at the disposal of the Government of Meghalaya.

Q. L. GROVER

Administrative Officer (E)/C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 20th March 1980

No. E-38013(3)/11/79-PERS.—On transfer from Jharia, Shri N. G. Dutta, Gupta relinquished the charge of the post of Asst. Comdt. CISC Unit, BCCL Jharia w.e.f. the afternoon of 29th February, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 18th March 1980

No. 11/39/79Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Raghavendra Rao, an Officer belonging to the Karnataka Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 7th February, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Rao will be at Belgaum.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 22nd March 1980

No. Admn.I/8.132/79-80/398.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri P. Veerama Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 13-3-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/398.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri J. Lakshminpathi, Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 13-3-80 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-32/79-80/398.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri J. Krishna Rao Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 13-3-80 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

(Sd.) ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 18th March 1980

No. 5691/A-Admn/130/79.—On attaining the age of superannuation Shri N. C. Biswas, Substantive Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 29th February 1980 (AN).

K. B. DAS BHOWMIK,
Joint Director of Audit, DS

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simpla-171004, the 5th April 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by two points to reach 369 (three hundred and sixty nine) during the month of February, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of February, 1980 works out to 448 (four hundred and forty eight).

Jt. Director.
A. S. BHARADWAJ,

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th March 1980

No. A.19018/474/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Chakrabarti, I.A.S. (W.B.: 1969) as Director (Gr. 1) (General Administrative Division) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 6th March, 1980, until further orders.

M. P. GUPTA,
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd February 1980

No. A-1/1(1128).—The Director General (Supplies & Disposals) is pleased to appoint Shri R. Doraiswami, Asstt. Director (Lit.) (Gr. II) in the D.G.S.&D., New Delhi to officiate on deputation basis as Assistant Director (Lit.) (Gr.I) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 12-11-79 (FN) and until further orders.

K. KISHORE,
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th March 1980

No. A. 19011(276)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. C. Srivastava, Assistant Chemist, to the post of Chemist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 10-3-80.

S. V. ALL,
Head of Office
Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 25th March 1980

No. 4-169/79/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, hereby appoints Dr. Biswanath Joardar to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at the North West Region of this Survey at Dehra Dun, on a temporary basis with effect from the forenoon of 10th March, 1980, until further orders.

N. R. AICH,
Administrative Officer

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 15th March 1980

No. A-24013/11/79-Estt.—On return of Shri R. P. Sharma from leave, Kum. S. Sen, officiating Branch Manager, Films Division, Nagpur, reverted to the post of Salesman in the afternoon of 28-1-1980.

N. N. SHARMA,
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th March 1980

No. A. 12025/2/78-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt) Janet Vickers to the post of Dental Surgeon at Central Govt. Health Scheme, Jaipur with effect from the forenoon of 20th February, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

No. A. 12025/20/78(AIHPH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Dinabandhu Guin to the post of Assistant Professor of Sanitary Engineering (Design) at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 1st February, 1980 in a temporary capacity, and until further orders.

The 17th March 1980

No. A.38012/1/80(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation Smt. P. K. Karthiyani, Nursing Adviser in the Dte. General of Health Services, New Delhi retired from Govt. service on the afternoon of the 29th February, 1980.

The 21st March 1980

No. A.31014/4/77(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following six officers in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the dates shown against their names :—

1. Shri S. D. Matange—17-10-1965
2. Shri B. C. Mistry—17-10-1965
3. Shri T. S. Gill—12-2-1970
4. Shri B. B. Panchal—11-10-1972
5. Shri K. K. Mitra—30-6-1972
6. Shri Harbans Singh—7-4-1978.

The 22nd March 1980

No. A.12026/1/77-NMEP/Admn.I.—Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on *ad hoc* basis, Shri S. K. Sharma assumed charge of the said post on forenoon of 22nd January, 1980, at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on *ad hoc* basis Shri S. K. Sharma relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Ent) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi on the forenoon of 22nd January, 1980.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on *ad hoc* basis Shri H. Biswas assumed the charge in the post on forenoon of 15th January, 1980 at the National Malaria Eradication Programme, Delhi.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on *ad hoc* basis, Shri H. Biswas relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Ent) at the N.I.C.D., Delhi on afternoon of the 14th January, 1980.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on *ad hoc* basis, Shri S. M. Kaul assumed the charge of the post at the National Malaria Eradication Programme, Delhi on 4th February, 1980 (Forenoon).

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on *ad hoc* basis at the NFCEP under N.M.E.P., Shri S. M. Kaul relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Ent) at the National Institute of Communicable Diseases (Kala Azar Unit) Patna on afternoon of the 31st January, 1980.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on *ad hoc* basis, Shri K. H. Kanaujia assumed the charge of the post on the forenoon of 5th February, 1980 at the office of Regional Health & Family Welfare, Hyderabad.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on *ad hoc* basis, Shri K. H. Kanaujia relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Ent) at the R.F.T.R.C., N.I.C.D., Calicut, on forenoon of 1st February, 1980.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director Administration (O&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 15th March 1980

No. A.32015/4/78-SI(Part).—In continuation of this Directorate's Notification No. A-32015/4/78-SI(Part) dated 6-10-79, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Laul, Sr. Technical Asstt. Family Welfare Sub-Depot, to the post of Asstt. Depot Manager, in the same Depot on an *ad hoc* basis with effect from 13th January, 1980 (F.N.) and until further orders.

SHIV DAYAL,
Dy. Director Admn. (ST)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 17th March 1980

No. A.19023/75/78-A-III.—On the recommendations of the D.P.C., Smt. R. S. Nehete, who is working as Marketing

Officer (Group II) on *ad hoc* basis, has been promoted to officiate as M.O. (Group II) in this Dte. at Bombay on regular basis with effect from 22-11-79, until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr., the 21st March 1980

No. NAPP/Adm./1(167)/80/S/31644.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints

Shri M. M. Sharma a Section Officer (Accounts) in the office of the Deputy Controller of Defence Accounts, P.A.O. (ORs) Artillery—Mathura Cantt. to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—800—EB—40—960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of February 11, 1980, until further orders.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay 400001, the 29th February 1980

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/3432—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Stores officer the same Directorate with effect from January 25, 1980:—

S. No.	Name and Unit	Present grade	Permanent post held, if any
1.	Shri T. R. S. Thampi, CSU, Trombay	Stores Officer	Storekeeper
2.	Shri M. S. Gangnaik, CSU, Trombay	Assistant Stores officer	Storekeeper
3.	Shri A. Padmanabhan, HWP Stores, Tuticorin	Assistant Stores officer	Upper Division Clerk (JSK)
4.	Shri V. C. Kuruvilla, AMD Stores, Nagpur	Assistant Stores Officer	Chief Storekeeper
5.	Shri K. L. Upadhyaya, MAPP Stores, Kalpakkam	Assistant Stores Officer	Storekeeper
6.	Shri M. K. John, HWP Stores, Baroda	Assistant Stores officer	Storekeeper
7.	Shri R. V. Mathure, HWP Stores, Kota	Assistant Stores officer	Storekeeper
8.	Shri M. N. H. Rao, NFC Stores, Hyderabad	Assistant Stores Officer	
9.	Shri K. Chandrasekharan, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper
10.	Shri V. Radhakrishnan on deputation to Kerala Newsprint project, Kerala State.	Assistant Stores Officer	Assistant Storekeeper
11.	Shri V. B. Prabhu, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Upper Division Clerk (Jr. Storekeeper)
12.	Shri A. R. Tondwalkar CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper
13.	Shri V. K. Bokil, PREFRE Stores, Tarapur	Assistant Stores Officer	Storekeeper
14.	Shri J. W. R. Livingstone, MAPP Stores, Kalpakkam	Assistant Stores Officer	Storekeeper
15.	Shri K. Sreedharan CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper
16.	Shri I. P. Menon, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Upper Division Clerk (Junior Storekeeper)
17.	Shri Awtar Singh Punj, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper
18.	Shri P. K. R. Warriar MAPP Stores, Kalpakkam	Assistant Stores Officer	Storekeeper
19.	Shri K. S. Pillai, RRC Stores, Kalpakkam	Assistant Stores Officer	Upper Division Clerk (Jr. Storekeeper)
20.	Shri John Johny, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper

No. DPS/4/1(4)/77-Adm/3472—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, hereby appoints in a substantive capacity the undermentioned officers against the permanent posts of Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from October 10, 1979 :—

Sl. No.	Name and Unit	Present grade	Permanent post held, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri V. Boothalingam, C. P. U. Bombay (on deputation to M/s Richardson and Cruddas Ltd)	Assistant Purchase Officer	Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant)
2.	Shri M. Panthapakesan, MRPU Madras	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	Shri S. G. Kadulkar, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
4.	Shri P. V. Ramanathan, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Senior Stenographer
5.	Shri P. K. Subban, CRPU, Calcutta	Purchase Officer	—
6.	Shri V. K. Chandrasekharan, MRPU, Madras	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
7.	Shri V. Krishnan, CPU Bombay	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
8.	Shri R. S. Galkwad, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
9.	Shri V. S. Ramaswamy, HRP, Hyderabad	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
10.	Shri K. V. Nair, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer (Q. Pmt. Purchase Assistant)	—
11.	Shri R. J. Dhond, CPU Bombay	Assistant Purchase Officer	Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant)
12.	Shri P. Narayanankutty, KRPU, Kota	Assistant Purchase Officer	—
13.	Shri J. G. Singh, CPU Bombay	Assistant Purchase Officer	—
14.	Shri S. J. Pradhan, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant)
15.	Shri T. P. Joseph, MRPU, Madras	Assistant Purchase Officer (Q.P. LDC)	—
16.	Shri P. Balasubramanian, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
17.	Shri K. Balagangadharan, HRP, Hyderabad.	Assistant Purchase Officer	Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant)

The 7th March 1980

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/3935.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Gopal Narendranath Nair, Assistant

Stores Officer, in a substantive capacity against permanent post of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from January 25, 1980.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

Bombay-400001, the 18th March 1980

No. DPS/23/8/77/Est/4514—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Assistant Accountants to officiate as Assistant Accounts Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate for the periods indicated against each :—

Sl. No.	Name	From	To
1.	Shri A. M. Parulkar	16-6-79 (FN)	17-8-79 (AN)
2.	Shri J. G. Sathe	12-11-79 (FN)	15-12-79 (AN)

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam, the 11th March 1980

No. MAPP/5(27)/76-Adm.—The undermentioned personnel who are at present serving in the Madras Atomic Power Project are appointed in a substantive capacity as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 1-1-1979 :

S. No. Name of the individual and Remarks

- Shri T. S. Venkataraman—Permanent SGC in PPED Pool.
- Shri M. D. Raghavan—Permanent SGC in PPED Pool.

M. HARIPRASADA RAO, Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 22nd March 1980

No. AMD-2/(2904)/79-Adm.—The resignation tendered by Shri Jadaba Nanda Das, from the temporary post of

Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from February 5, 1980 (afternoon).

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (DEPARTMENT OF METEOROLOGICAL)

New Delhi-3, the 22nd March 1980

No. E(I) 03764.—Dr. R. Y. Mokashi, Meteorologist Grade-II Office of the Dy. Director General of Meteorology (Climatology & Geophysics) Pune, retired from the Government service, with effect from the afternoon of 30-11-1979, on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE,
Meteorologist
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd February 1980

No. A31013/2/79EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Deputy Director/ Controller of Aerodromes, in the Air Routes and Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Deptt. with effect from the dates mentioned against each and until further orders.

S. No.	Name	Date	Station of posting
1.	Shri M. M. Joglekar	1-11-1978.	Regional Controller of Aerodrome, Bombay Region, Bombay.
2.	Shri S. Bhattacharjee	1-2-1979	Controller of Aerodrome, Delhi Airport, Palam.
3.	Shri B. K. Ramachandran	1-2-1979	Deputy Director (Air Transport) at Headquarters.

V. V. JOHRI
Deputy Director of Administration.

New Delhi, the March 1980

grade of Communication Officer for a period of six months beyond 4-1-80 or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier.

No. A.32013/9/79-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/9/79-EC, dated 22-8-79, the President is pleased to continue the *ad hoc* appointment of Shri N. S. S. Money, Assistant Communication Officer to the

The 20th March 1980

No. A 32013/15/77-EC.—The President is pleased to approve the proforma promotion of the following Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department and at present on deputation to foreign Govts. as per the details indicated against each to the grade of Technical officer on regular basis with effect from 19-9-78(FN) and until further orders:—

S. No.	Name	On deputation to
1.	Shri K. P. Alagh	Government of Zambia
2.	Shri S. R. Venkataraman	Government of Zambia
3.	Shri R. Adhiseshan	Government of Libya

No. A. 32013/8/79-EC.—In modification of Serial No. 3 and 6 of this department Notification No. A. 32013/8-79-EC, dated 11-2-80 the President is pleased to continue the *ad hoc* appointment of the undermentioned officers the grade of Technical Officer beyond the dates mentioned against each and upto 31-5-80 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

S.No.	Name	Station of posting	Period of ad-hoc appointment Sanctioned
3.	Shri S. D. Bansal	Director, Radio Constr. and Dev. Units, New Delhi.	Beyond 29-12-79 and upto 31-5-80
6.	Shri V. Subramaniam	Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay.	Beyond 9-2-80 and upto 31-5-80.

No. A. 38013/1/80-EC;—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication organisation relinquished charge of their office on 29-2-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation:—

S. No.	Name and Designation	Station	Date of retirement
1.	Shri B. N. Kaul, Asstt. Technical Officer	Radio Constr. and Dev. Units, New Delhi	29-2-80 (AN)
2.	Shri Kiran Rai, Asstt. Technical Officer	A. C. S., Calcutta	29-2-80 (AN)
3.	Shri Didar Singh, Asstt. Communication Officer	A. C. S. Amritsar	29-2-80 (AN)

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 12th March 1980

Rs. 650 —30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 1st March, 1980.

Shri G. Jagan Mohan Rao will be on probation for a period of two years with effect from the same date viz. 1-3-1980.

No. 608/163/80-Adm.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission, the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri G. Jagan Mohan Rao to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Mechanical) in the scale of pay of

M. R. GIDWANI,
Administrative Officer
for Director

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Capital Hand and General Udyog Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 18th March 1980

No. 3750/6900.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Capital Hand and General Udyog Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

HAR LAL
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Agrawal Benefit Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1248/860.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Agrawal Benefit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Sainuney Trading Co. Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1280/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Sainuney Trading Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Jayshree Enterprises Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1463/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. The Jayshree Enterprises Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Darshan Trading & Finance Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1570/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Darshan Trading & Finance Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Easy Trading and Finance Private Ltd.*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1594.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Easy Trading and Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Arpan Benefit Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1948/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Arpan Benefit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Podar Shakti Poly Steel Limited*

Bangalore, the 21st March 1980

No. 2596/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Podar Shakti Poly Steel Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Yasodhara Chemicals Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2644/Liq./3024/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Yasodhara Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Yuvarani Theatres Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2661/Liq./3022/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Yuvarani Theatres Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Motibhai Patel Industries Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 1924/Liq./3036/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Motibhai Patel Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vypeen Island Canning Company Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2789/Liq./3043/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vypeen Island Canning Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rallant Agro-Chemicals Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2815/Liq./3040/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rallant Agro-Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sumangala Loans and Chits Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2481/Liq./3045/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sumangala Loans and Chits Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Chandakkal Plantations Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 1932/Liq./3028/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chandakkal Plantations Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Janatha Employees Kuri Company Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2456/Liq./3047/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Janatha Employees Kuri Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kerala Auto and Industrials Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2346/Liq./3038/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kerala Auto and Industrials Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Nileswar Aluminium Mines and Trades Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2382/Liq./3034/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Nileswar Aluminium Mines and Trades Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. AHAMED KUNJU
Company Prosecutor and *Ex-Officio*
Asst. Registrar of Companies, Kerala

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/239/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurnam Kaur W/o S. Karam Singh resident of 6/5, Punjab Agricultural University Campus, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Shanti Sarup, 314, Chauri Sarak, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1952 of July, 79 of the the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/270/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property (Area 233.1/3 sq. yds.) situated at Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Sneh Lata W/o Shri Hari Chand R/o H. No. B-I-600/15, Sood Cottage, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Balmukand S/o Shri Ram Chand
2. Shri Jai Gopal,
3. Rajpal,
4. Bansilal S/o Sh. Balmukand,
resident of House No. B-IV-2213, Daresi Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (3) S/Shri Phul Chand, Ram Lagan, Ram Munjir, Saen, Santu, Pallan, Gulam, Piare Lal all residents of Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property (Area 233.1/3 sq. yds.) situated at South Bank of Budhanala beyond Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2176 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. PTA/210/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 2 bighas situated at Kheri Gujran—Stadium Road, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Nanak Singh S/o Late Raja Gurdit Singh, resident of Stadium Road, Patiala.
(Transferor)

- (2) Col. Girdhar Singh S/o S. Gobind Singh, Smt. Jasjit Kaur W/o Col. Girdhar Singh, Sh. Kishan Singh S/o Col. Girdhar Singh, Kumari Latika D/o Col. Girdhar Singh, all residents of Stadium Road, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas at Kheri Gujran—Stadium Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2735 of July, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/155/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1863, Sector 22B situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Janak Raj S/o Sh. Gokal Chand of Dhariwal, Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Devki Nandan Saudhir S/o Sh. Durga Dass, R/o 2480, Sector 20C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Sh. Gagdish Ram Khanna,
2. Sh. Harcharan Singh,
3. Sh. Amar Nath
r/o H.No. 1863, 22B, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1863, Sector 22B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 906 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXCENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. CHD/156/79-80.—Whereas I, SUKRDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1633, Sector 34-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Gurdev Singh Gill s/o Shri Prem Singh Gill, r/o near Ranbir College, Sangrur through General Attorney Mrs. Davinder Kaur w/o Sh. Gurbaksh Singh, r/o VPO. Gohalwar, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Gurbaksh Singh s/o Sh. Bhan Singh r/o VPO Gohalwar Distt. Amritsar through His power of Attorney Sh. Gurcharan Singh Giani s/o S. Khem Singh, H. No. 166-21-A, Chandigarh.

(Transferor)

(3) Shri Mohinder Partap Rao, Automobile Engineer & Sh. Ajit Singh Sohal, r/o 1633, Sector 34-D, Chandigarh.

(person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1633, Sector 34-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 904 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)SUKHDEV CHAND
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sukh Lal S/o Shri Uttam Chand C/o M/s
Uttam Di Hatti,
Katra Safaid, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi W/o Sh. Parkash Chand
Ahuja, 716, Sector 22A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Parkash Chand Ahuja,
Both No. 20, Sector 22D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property).

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX**

CENTRAL REVENUE BUILDING

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. CHD/138/79-80.—Whereas I, SUKHDEV
CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Both No. 20, Sector 22D, situated at Chandigarh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Chandigarh in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Both No. 20, Sector 22D, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 790 of
July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,

Acquisition Range,

Ludhlana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Gurnam Kaur W/o Shri Karam Singh,
r/o 6/5, Punjab Agricultural University Campus,
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raman Kumar S/o Shri Shanti Sarup,
314, Chauri Sarak, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. LDH/249/79-80.—Whereas I, SUKHDEV
CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Plot measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar,
Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar,
Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2051 of
July, 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXCENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. LDH/265/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in plot No. 28F (Area 339.28 sq. yds.) situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—16GI/80

(1) Smt. Sawinder Kaur W/o Shri Joginder Singh R/o Sarabha Nagar, Ludhiana through Sardar Narinder Singh S/o Shri Kartar Singh, R/o 40-F, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Pavitar Kaur W/o Shri Dalip Singh R/o H. No. 8-258, New Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot No. 28F (Area 339.28 sq. yds.) at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 2149 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/279/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2D (Area 734 sq. yds.) at Kartar Singh Sarabha Nagar situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Romesh Chander & Subhash Chander Ss/o Sh. Parkash Chand 79, I.A.A. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Jagjit Kaur W/o Sh. Gurdial Singh, Smt. Rajinder Kaur W/o Shri Harjeet Singh, Smt. Amarjit Kaur W/o Sh. Harbans Singh and Smt. Narinder Kaur W/o Sh. Raminder Singh residents of 436, College Road, Dudhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2D(Area 734 sq. yds.) situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2261 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-3-80
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
AHMEDABAD

Ludhiana, the 27th February 1980

Ref. No. LDH/269/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property (Area 173.1/3 sq. yds.) situated at Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Vinod Kumar S/o Shri Hari Chand R/o H. No. B-I-600/15, Sood Cottage, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
Through Sh. Hari Chand s/o Sh. Jhandamal, General Attorney.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Sarla Devi W/o Shri Balmukand
S/Shri Krishan Lal, Shespal & Pawan Kumar ss/o Shri Balmukand, R/o H. No. B-IV-2213, Daresi Road, Ludhiana.

(Transferee)

- (3) S/Shri Tilak Raj, Ram Karan, Sarbha Dev, Jamuna, Behari & Ramesh, all residents of Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana. (Near South Bank of Budha Nala).

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property (Areas 173.1/3 sq. yds) situated at south bank of Budhanala Beyond Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2175 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. LDH/254/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. a house with plot of land measuring 1701.1/3 sq. yds. situated at V. Daba, Teh. Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s Burma Mechanical Works, 256, Indl. Area A, Ludhiana through partners S/Shri Jawant Singh, Paramjit Singh, Ravinder Singh, 256, Indl. Area-A, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s G. C. Jain Engg. Works, B-IV-774, Wait Ganj, Ludhiana, through S/Shri Ashwani Kumar, Arun Kumar, Rajinder Kumar & Subhash Chand, B-IV-774, Wait Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with a plot of land measuring 1701.1/3 sq. yds. situated at V. Daba, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2101 of July, 1979 of the the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. KNN/50A/79-80PXL/5/79-80.—Whereas I,
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 1 and measuring 20 Bighas 28 Biswas situated at
Village Lasara Polewas, Teh. & Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Payal in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Mukhtiar Kaur D/o Sh. Lal Singh S/o Sh.
Wazir Singh, resident of V. Lasara Polewas, P.O.
Nizampur, Subt Tehsil Payal Distt. Ludhiana.
(Transferor)

(2) S/Shri Buta Singh,
Ranjit Singh Ss/o Shri Gurdial Singh S/os. Wazir
Singh,
r/o V. Lasara Polewas, P.O. Nizampur, Sub Tehsil
Payal, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Bighas 8 Biswas situated at V. Lasara
Polewal, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 867 of
July, 1979 of the Registering Authority, Payal).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Nirmal Handa W/o Sh. Kewal Krishan,
451, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surjit Singh S/o Shri Bhag Singh,
Manku Industries, Indl. Area-B, Ludhiana,
451, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. LDH/274/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 451, Model Town, Ludhiana (Municipal Committee No. B-XVIII-627) situated at Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Kothi No. 451, Model Town, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 2191 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/147/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.C.O. No. 66, Sector 30C, situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Dass, Sh. Ashok Kumar resident of House No. 60/Sector 21A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Janak Raj & Smt. Shila Devi,
S.C.F. 60, Sector 30C,
Chandigarh.
- (3) 1. M/s Mahajan Tent House,
2. Shri Janak Raj,
3. Smt. Sheela Devi, R/o S.C.F. 66, Sector 30C,
Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 66, Sector 30C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 834 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/141/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Agricultural land measuring 18 kanals 5 Marlas situated at Village Mani Majra, U.T. Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Sadhu Singh, Ajaib Singh,
Nichli Patti, Moriwala Darwaja,
Manimajra, U. T. Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ran Singh S/o Sh. Gopal Singh and
Shri Gurdev Singh,
R/o Model Town, Mani Majra, U. T. Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 kanals 5 merlas situated at V. Mani Majra U.T. Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1067 of July 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/151/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 24 kanals 4 marlas situated at V. Mani Majra, U. T. Chandigarh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—16GI/80

- (1) Shri Sewa Singh S/o Shri Joginder Singh, resident of Village Mani Majra, U. T. Chandigarh. (Transferor)
- (2) 1. Shri Kuldeep Singh Narang S/o Sh. Kishan Singh Narang,
2. Smt. Darshi Narang W/o Shri Kudip Singh Narang,
3. Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldeep Singh Narang
4. Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldeep Singh Narang,
5. Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Babbar, all r/o H. No. 33, Sector 5, Chandigarh.
6. Bawa Gurmit Singh S/o Bawa Nihal Singh,
7. Smt. Charanjit Kaur w/o Bawa Gurmit Singh,
8. Sh. Sarpal Singh, s/o Bawa Gurmit Singh,
9. Sh. Anupal Singh s/o Bawa Gurmit Singh,
10. Sh. Sukhpal Singh S/o Bawa Gurmit Singh, all r/o Muktsar, Distt. Patialkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 kanals 4 marlas situated at V. Mani Majra, U.T. Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 877 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/129/79-80.—Whereas J. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3628, Sector 23D situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bansi Lal Rawal S/o Shri Bidhi Chand C/o House No. 3628, Sector 23D, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri G. D. Juncja S/o Shri Ram Chand (Deceased) resident of House No. 1729, Sector 23B, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Shri Harbans Lal,
Shri Suresh Kumar,
Shri Shanker Lal, Bajaj
Shri Avinash all residents of House No. 3628, Sector 23D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)
- (4) Secretary,
Pb Civil Secretariat
Chandigarh.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3629, Sector 23D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 747 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Kirpal Singh, Mukhtiar Singh Ss/o Shri Jhaba R/o Nihaluwala, Teh. Malerkotla,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jhujhar Singh S/o Shri Hazura Singh,
R/o V. Mithewal, Teh. Malerkotla.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. AMD/21/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 69 bighas 1 biswa situated at Mithewal, Teh. Malerkotla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedgarh, in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 60 bighas 1 biswa situated at V. Mithewal, Teh. Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1105 of July, 1979 of the Registering Authority, Ahmedgarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. CHD/154/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential House No. 3442, (Plot No. 46, Street No. 11) situated at Sector 27 D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hardayal Singh Kahlon,
s/o Shri Hardit Singh Kahlon,
r/o Mehar Singh Colony, Patiala
through his general attorney
Shri Gurchet Singh s/o Shri Sucha Singh,
r/o H. No. 3442, Sector 27D,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Surjit Kaur w/o
Shri Gurchet Singh,
r/o House No. 3442, Sector 27D,
Chandigarh.

(Transferees)

- (3) Shri Tara Chand & Shri Sucha Singh,
residents of H. No. 3442, Sector 27D,
Chandigarh,
Sh. Gurchet Singh r/o H. No. 3442-27D,
Chandigarh.
Sh. Chopra,
Sh. Piara Singh,
Sh. Ajit Pal Singh,
Nurse (name not disclosed) all r/o
H. No. 3442-27D,
Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 3442, Sector 27D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 905 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. CHD/163/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.C.O. No. 34, Sector 17E, situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Tarsem Chand, Puwan Kumar & Abhey Kumar, Partners,
M/s Tarsem Chand & Bros.,
S.C.O. 34, 17F,
Chandigarh.

(Transferors)

(2) Smt. Karnail Kaur w/o Sh. Bhajan Singh,
Shri Inder Deep Singh Dhillon minor
through n/G & Father,
Sh. Bhajan Singh,
V. & P.O. Salempur, Teh. & Distt. Ropar.

(Transferees)

(3) 1. M/s Azad Hind Stores.
2. Education Department PS Govt.
(Director Public Instructions)
S.C.O. 34, Sector 17-E, Chandigarh.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 34, Sector 17E, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 950 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. PTA/191/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Measuring 32 kanals situated at V. Tripari, Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Patiala in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harbhajan Singh s/o Sh. Waryam Singh,
30, Sector 2A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) 1. Shri Banarsi Dass s/o Maku Ram of Bipur,
2. Prakash Chand s/o Sadhu Ram
3. Puran Chand s/o Sadhu Ram
4. Inder Sain s/o Sadhu Ram,
r/o Kamalpur
5. Savitri Devi d/o Jetho Ram,
r/o Patran
6. Lachhman Dass s/o Walaiti Ram,
r/o Patran,
7. Ram Sarup s/o Basanta Mal,
r/o Sangrur,
8. Gian Chand s/o Harbans Lal,
r/o Patiala
9. Mithu Ram s/o Lilu Ram,
r/o Patran.
10. Jamna Devi w/o Ram Dhari,
r/o Patran.
11. Hans Raj s/o Ram Kishan,
r/o Patran.
12. Sheela Devi w/o Jagdish Rai,
r/o Jind.
13. Durga Devi d/o Siya Ram,
r/o Kulbarcha,
14. Devi Dass s/o Ram Lal,
r/o Patiala.
15. Bant Ram s/o Maleri Mal,
r/o Patiala.
16. Prem Singh s/o Pritam Singh,
r/o Main.
17. Puran Chand s/o Pyara Lal,
r/o Patiala.
18. Vijay Kumar s/o Sh. Jagdish Lal,
r/o Jind.
c/o Sh. Puran Chand s/o
Shri Pyara Lal, of
M/s Pyara Lal & Sons, Property Dealer,
near Tehsil Office, Patiala. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 kanals, situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2449 of July of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Pran Devi w/o Shri Sohan Lal,
Resident of 75-A, Indl. Estate,
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gurdev Kaur d/o Shri Kehar Singh,
r/o H. No. 282, (B-18-3875/2P),
Model House, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/223/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

House No. 282 (M.C. No. B-XVIII-3875/2P)

situated at Model House, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 282 (MC No. B-XVIII-3875/2P), situated at
Model House, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed
No. 1876 of July, 1979 of the Registering Authority,
Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/227/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 789, Phase-II, Urban Estate Dhandari Kalan, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Darshan Lal s/o Sh. Ujagar Mal, and Smt. Satish Kumari w/o Shri Darshan Lal, r/o 52, Ahata Sher Jang, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Kashmiri Singh s/o Shri Sohan Singh, 641, Indl. Area-B, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 789, Phase-II, Urban Estate Dhandari Kalan, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1904 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/222/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. B-XI-77(Old)/B-XII-722 (New) situated at (Barf Wali Gali) Brown Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—16GI/80

(1) Shri Jaswinder Singh s/o
Shri Gopal Singh s/o Shri Nihal Chand,
r/o B-XI-27, Brown Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh Dua s/o
Sh. Ram Nurnain Singh s/o Shri Nohri Ram,
r/o 244, Kalgidhar Road,
Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Ram Prakash, Tailor,
House No. B-XI-77, Brown Road,
Ludhiana.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as property within 45 days from the date of the publication shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XI-77(Old)/B-XII-722(new) Brown Road,
(The property as mentioned in the sale deed No. 1872 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. KHR/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 184, Phase-I, situated at Mohali, Tehsil Kharar, Distt. Roop Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in July, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Mohinder Kaur Sodhi w/o
Sh. Amar Singh Sodhi,
r/o House No. 541, Sector 16A, Chandigarh
through Shrimati Pushpinder Kaur w/o
Sh. S. S. Mongia, General Attorney.
(Transferor)
- (2) Shri P. D. Goel s/o Shri Piare Lal Goel,
r/o House 1618, Sector 35B,
Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Shri P. C. Gupta, r/o
House No. 184, Phase-I, Mohali,
Distt. Roop Nagar.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 184, Phase-I, Mohali, Teh. Kharar, Distt.-Roop Nagar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2310 of July, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/250/79-80.—Whereas 1, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 789, Phase-II situated at Dhandari Kalan Urban Estate, Focal Point, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Darshan Lal s/o Sh. Ujagar Mal & Smt. Satish Kumari, w/o Sh. Darshan Lal, r/o 52, Ahata Sher Jang, Ludhiana.

(Transferors)

(2) Shri Hira Singh s/o Sh. Sohan Singh, r/o 641, Industrial Area-B, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 789, Phase-II, Dhandari Kalan Urban Estate, Focal Point, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2052 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. CHD/149/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.O. No. 283, with Construction up to plinth level, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Mohinder Singh s/o Harnam Singh Sidhu, r/o Garden Colony, Randhawa Road, Kharar, Distt. Ropar.
2. Sh. Balwant Singh Bandi s/o Sh. Jawand Singh Bandi, r/o House No. C-128, Sector 14, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Gurjit Singh Bahla s/o S. Gurcharan Singh Bahla, r/o V. & P.O. Meharaj, Distt. Bhatinda.
2. Mrs. Harbans Kaur w/o Sh. Charanjit Singh Bahla, resident of village Maharaj, Distt. Bhatinda.
3. Mrs. Babir Kaur Bandhawa W/o Shri Harbans Singh Randhawa, resident of H. No. 82, Sector 27A, Chandigarh.
r/o H. No. 82, Sector 27A, Chandigarh.
4. Smt. Ram Kaur w/o Shri Kapur Singh Randhawa, r/o V. & P.O. Burgran, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. site No. 283, Sector 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 151 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/312/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/3rd portion of a shop constructed over a plot of land measuring 43.1/3 sq. yds situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harcharan Singh s/o Sh. Wadha Singh,
s/o Sh. Chandi Ram,
r/o 81B, Sarabha Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar s/o Sh. Ayodhia Prasad,
s/o Sh. Eebu Ram &
Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Ayodhia Prasad,
c/o M/s. Rana Silk Store,
Chaura Bazar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of shop constructed over a plot of land measuring 43.1/3 sq. yds, situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2595 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/281/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/3rd portion of a shop constructed over a plot of land measuring 43.1/3 sq. yds. situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagtar Singh s/o Shri Wadha Singh,
r/o 81-B, Sarabha Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Kumar Rana s/o
Sh. Ayodhya Parsad s/o Sh. Babu Ram, and
Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Ayodhya Parsad,
c/o M/s Rana Silk Stores,
Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of a shop constructed over a plot of land measuring 43.1/3 sq. yds situated at Ludhiana Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2271 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/242/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-X-708, situated at Iqbal Ganj Road, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lajwanti wd/o Sh. Lachhman Dass, s/o Sh. Bhagwan Dass, S/Shri Bal Kishan, Om Parkash & Kishan Dev, Ss/o Sh. Lachhman Dass, B-X-708, Iqbal Ganj Road, Ludhiana and Smt. Sudhrshan Bedi, Smt. Pushap Lata, Smt. Veena Sharma, Smt. Indra Kaushik, Smt. Sushil Sharma, Sh. Ashok Kumar Sharma, Shri Baldev Kumar and Smt. Manju Sharma, through their general attorney, Smt. Lajwanti wd/o Sh. Lachhman Dass, B-X-708, Iqbal Ganj Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) S/Shri Vijay Kumar, Kewal Krishan, Ss/o Sh. Budh Ram, r/o Saban Bazar, Ludhiana. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-X-708, Iqbal Ganj Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1979 of July, 1979 of Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/271/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. B-XV-412/B, situated at Mohalla Hari Kishan Pura, Gill Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Dhanwant Singh, Manjit Singh, Baldev Singh, Sukhwant Singh, through Sh. Kundan Singh s/o Sh. Harnam Singh, r/o B-XV-412, Harikishanpura, Gill Road, Ludhiana through Sh. Kundan Singh, General Attorney.
(Transferors)

- (2) Shri Arvind Dua minor through Sh. Sham Sarup Dua, s/o Shri Bahadur Chand, c/o M/s General Manufacturing Corpn. Gill Road, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. BXV-412/B, Harikishanpura, Gill Road, Ludhiana).

(The property as mentioned in the sale deed No. 2179 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th March 1980

Ref No. CHD/158/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in plot No. 3, Street C, situated at Sector 19A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—16GT/80

- (1) S/Shri Manmohan Mittal, Desh Bhushan Mittal, ss/o Laxmi Narain Mittal and Smt. Vishnoo Devi & Smt. Kusum Garg, through Sh. Desh Bhushan Mittal, r/o 162/6, Bazar 7, Perdezpur Cantt. (Transferors)
- (2) Smt. Savitri Devi w/o Sh. Ram Kanwar and Sh. Sushil Bhasin s/o Sh. Rajinder Kumar, through Shri Rajinder Kumar, r/o House No. 126, Sector 16A, Chandigarh. (Transferees)
- (3) Shri Shri Pal Jain, Plot No. 3, 19-A, Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot No. 3, Street C, Sector 19A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 911 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-3-1980

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th March 1980

Ref. No. CHD/134/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share in Shop-cum-Flat No. 3, situated at Sector 18D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ujagar Singh Sandhu s/o
Shri Kehar Singh,
r/o House No. 513, Sector 18B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Om Floor Mills, through partners
S/Shri Om Parkash s/o Sh. Mohri Ram and
Sikander Lal Saluja s/o Sh. Ganpat Rai,
r/o SCF No. 3, Sector 18D,
Chandigarh.

(Transferees)

(3) 1. M/s Oberoi Laminate House,
2. M/s Om Floor Mills,
3. Shri Jaswant Singh,
4. Shri Bhag Singh,
5. Shri Manjit Singh Dhinsa,
6. Shri Telu Ram,
7. Shri Faqir Singh,
8. Shri Beli Ram, and
9. M/s Singapore Cane & Bamboo Handicrafts,
all r/o S.C.F. 3, Sector 18D, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

(4) Sh. Mukhtiar Singh,
S.C.F. No. 3-18-D,
Chandigarh.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Shop-cum-Flat No. 3, Sector 18-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 775 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/433/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in House No. B-I-440 situated at Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bal Kishan s/o Sh. Sant Lal,
r/o Mohalla Misran,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Vipan Kumar s/o Shri Harbans Lal,
r/o Bagh Nauhari Mal Jain,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in House No. B-I-440, Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3460 of 10/79 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. 1 DH/327/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/4th share in House No B-I-440 situated at Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ludhiana in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bal Kishan s/o Sh Sant Lal,
r/o Mohalla Misran,
Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar s/o Sh Harbans Lal,
r/o Bagh Noharian Mal Jain,
Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in House No B-I-440 Bindraban Road
Civil Lines, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No 2248 of August, 1979 of the Registering Authority Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 7-3-1980
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. I DH/235/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in House No. B-I-440 situated at Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Shri Bal Kishan s/o Sh. Sant Lal,
r/o Mohalla Misran,
Ludhiana. | (Transferor) |
| (2) Smt. Sharda Rani w/o Shri Sohan Lal,
r/o Bagh Nauharian Mal Jain,
Ludhiana. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in House No. B-I-440, Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1942 of July, 1979 of the Registering Authority Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/256/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in plot measuring 590 4/9 sq. yds. situated at Upkar Nagar, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandī Shah s/o Shri Sona Shah,
s/o Sh. Mathra Dass,
r/o B-4-162, Mahian Street,
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Sat Pal s/o Shri Ram Lal,
s/o Sh. Ram Saran Dass,
r/o House No. B-I-809/8, Prem Nagar,
Civil Lines, Bindra Ban Road,
Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot measuring 590 4/9 sq. yds. at Upkar Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2104 of July, 1979 of the Registering Authority Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. JDH/255/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in plot measuring 590 4/9 sq. yds. situated at Upkar Nagar, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chandi Shah s/o Shri Sona Shah,
s/o Sh. Mathra Dass,
r/o B. I. 162, Gali Mahian, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal s/o Shri Ram Lal,
s/o Sh. Ram Saran Dass,
r/o B-I-809/8, Prem Nagar, Bindra Ban Road,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot measuring 590 4/9 sq. yds. situated at Upkar Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2103 of July, 1979 of the Registering Authority Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/283/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 113, Model House (Municipal No. B-XVIII-3906) situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Kesar Singh,
c/o Ajit Singh & Sons,
Gill Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Sunder Mohan Singh,
Tejinder Mohan Singh, Ss/o
Shri Saran Singh s/o Shri Santokh Singh
c/o M/s Neelam Cycle Industries,
Gill Road,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 113, Model House, Ludhiana (Municipal No. B-XVIII-3906).

(The property as mentioned in the sale deed No. 2286 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-3-1980

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. DBS/45/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 15 kanals 10 marlas situated at Village Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—16GI/80

(1) S/Shri Bal Krishan, Khial Krishan, S/o Smt. Karsani d/o Shri Munshi Ram, r/o Bhawat, Tehsil Kharar.

(Transferor)

(2) 1. Shri P. K. Nanda, 16, Belvedere Road, Calcutta-27.
2. Shri Hira Lal Sibal, Advocate, 29, Sector 5, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 kanals 10 marlas, situated at Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 644 of August, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. CHD/162/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1145, Sector 33-C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sq. Leader S. N. Dutta through his general attorney Shri Kanwaljit Singh Bhinder, No. 2, Sheetal Apartments, Juhu, Bombay-2.

(Transferor)

- (2) Smt. Sunita Bhandula, r/o 2319/Sector 22C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1145, Sector 33-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 939 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/R/117/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Land measuring 5-9-4 Bighas, situated at Village Dhandra, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jodh Singh s/o Shri Kartar Singh,
Shri Kartar Singh s/o Shri Ganga Singh,
r/o V. Dhandra, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri Mehar Singh, Kehar Singh
Ss/o Hira Singh,
r/o V. Phulanwal,
Tehsil & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5-9-4 Bighas, situated at V. Dhandra, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3241 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/236/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 15-K, situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurnam Singh S/o Shri Kishan Singh resident of Sudhar, Tehsil Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Kuljit Singh s/o Sh. Hazoor Singh, resident of 43-E, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-K, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1949 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. RAJ/109/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 20 Bighas 4 Biswas situated at Village Seel, Tehsil Rajpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagir Singh S/o Sh. Molu Resident of V. Seel, Teh. Rajpura.
(Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh S/o Shri Gokal Singh S/o Bagga Singh, Resident of Village Seel, Tehsil Rajpura.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Bighas 4 Biswas situated at Village Seel Teh. Rajpura (The property as mentioned in the sale deed No. 1737 of July, 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. CHD/160/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1619, Sector 56 D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Wing Cdr. Tarlochan Singh Mehta S/o Shri Sant Singh Mehta, R/o 176, Mukarjee Park, New Delhi through his general attorney Sh. Bakshish Singh S/o Sh. Hazara Singh, R/o House No. 1666, Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Amarjot Singh S/o Shri Bakshish Singh R/o H. No. 1666, Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1619, Sector 36D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 922 of July, 79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th March 1980

(1) Shri Malkiat Singh S/o Sh. Partap Singh & Harjit Kaur D/o Sh. Gurbachan Singh R/o Lodhipur, Tehsil Anandpur Sahib.

(Transferor)

(2) Shri Kehar Singh S/o Shri Jiwa Singh S/o Sh. Lehna Singh, V. Daroli, Teh. Anandpur Sahib.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. APS/3/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 140 Kanals 14 Marlas situated at V. Lodhipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anandpur Sahib in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 148 Kanals 14 Marlas situated at V. Lodhipur. (The property as mentioned in the sale deed No. 591 of July, 1979 of the Registering Authority, Anandpur Sahib)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sadha Ram S/o Shri Basanta Mal, V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Vijay Sharma S/o Sh. Shadi Singh,
2. Smt. Bimla Devi W/o Shri Krishan Kumar &
3. Smt. Sudershana Rani W/o Sh. Ghansham,
Residents of Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. AML/99/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 1½ bighas situated at Kukar Majra, S. Tehsil Amloh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1½ bighas at V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1155 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. AML/86/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring one bigha situated at Village Nasrali, S. Tehsil Amloh and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
 25—16GI/80

- (1) Smt. Gurmail Kaur Wd/o Shri Bachan Singh,
 R/o Nasrali, S. Tehsil Amloh.
 (Transferor)
- (2) Shri Jawahar Lal S/o Shri Mohan Lal R/o V.
 Nasrali, Mandi Gobindgarh, S. Tehsil Amloh.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring one bigha situated at V. Nasrali.
 (The property as mentioned in sale deed No. 1010 of August, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref No. CHD/152/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1519, Sector 36 D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shavinder Khosla S/o Sh. Ralla Singh, resident of House No. 38, Raja Park, Ambala Cantt.
(Transferor)

(2) Shri Ram Lal Sharma S/o Shri Shanti Sarup, Sub-Divisional Magistrate, Eharar, Distt. Ropar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1519 Sector 36-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 902 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhlana, the 7th March 1980

Ref. No. SML/44/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential plot of land measuring 277 sq. yds. 2 sq. ft situated at Station Ward, Burra Simla. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Simla in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdashi Chander Dutt, S/o Shri Brij Lal, R/o Mohalla Jansal, Chamba, Distt. Chamba (M.P.).

(Transferor)

- (2) Smt. Dibya Sharma W/o Shri Som Dutt Sharma, 653, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 277 sq. yds. 2 sq. ft situated at Station Ward, Burra Simla, Simla (The property as mentioned in the sale deed No. 613 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Simla).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/206/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 179, Sector 33A situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh. in August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Lt. Col. Kulbir Singh Khurana S/o Col. Mehtab Singh, resident of D-11, Jangpura Colony, New Delhi-110014.

(Transferor)

(2) Shri Rupinder Singh Sidhu S/o Sh. Bhañan Singh Sidhu, Mrs. Randhir Sidhu W/o Sh. Rupinder Singh Sidhu, C/o Dr. Kartar Singh, H. No. 505/11B, Chandigarh.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 179, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1165 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/150/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 242, Sector 32 A,
situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh, in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Lov Sarup Dhir S/o Sh. Late Kali Dass Dhir, Premier Agency, Booth No. 13, Sector 18D, Chandigarh through his general power of attorney Smt. Krishna Rani wife of Sh. Lajpat Rai C/o M/s Madan Lal Shiv Kumar, Rai Singh Nagar (Rajasthan)

(Transferor)

- (2) Shrimati Shanti Devi W/o Shri Khushi Ram, Shri Durga Dass S/o Sh. Chhajju Ram C/o Goyal Karyana Store, Rai Singh Nagar (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 242, Sector 32A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 872 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND.

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref No. DBS/40/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 13 bighas 11 biswas situated at Village Dhakoli Tehsil Rajpura, Distt. Patiala, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagir Singh S/o Shri Heera Singh, V. Dhakoli, Sub-tehsil Dera Bassi, Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Narain Singh S/o Sh. Uttam Singh & Shri Sardar Singh S/o Sh. Atma Ram, Village Dhakoli, Teh. Rajpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas 11 biswas at V. Dhakoli, Teh. Rajpura, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 612 of July, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-3-1980
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. DBS/45/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land measuring 10 bighas 7 biswas situated at Vill. Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons

(1) Shri Jagir Singh S/o Sh. Heera Singh,
Village Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi,
Teh. Rajpura,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Narain Singh S/o Shri Uttam Singh and
Sardara Singh S/o Shri Atma Ram,
R/o V. Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi,
Tehsil Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas 7 biswas situated at V. Dhakoli, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 622 of July, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. DBS/44/79-80.—Whereas, I, **SUKHDEV CHAND**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 10 bighas 7 biswas

situated at Vill. Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagir Singh S/o Sh. Heera Singh,
Village Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi,
Teh. Rajpura,
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Narain Singh S/o Shri Uttam Singh and
Sardar Singh S/o Shri Atma Ram,
Vill. Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi,
Tehsil Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas 7 biswas situated at V. Dhakoli, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 632 of July, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Subhash Chand S/o Shri Chhaju Ram,
R/o Gur Mandi, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Kishori Lal Tarsem Chand,
New Anaj Mandi, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.Ref. No. PTA/227/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingShop Booth No. 11, New Anaj Mandi,
situated at Sirhind Road, Patiala(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patiala in July, 1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

26—16G1/80

THE SCHEDULE

Shop Booth No. 11, New Anaj Mandi, Sirhind Road,
Patiala.(The property as mentioned in the sale deed No.
2911 of July, 79 of the Registering Authority, Patiala.)SUKHDEV CHAND
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. PTA/244/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2 kanals 17 marlas situated at Tripari Saldan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Daljit Kaur Wd/o Shri Mehar Singh, Amar Villa, Civil Lines, Ludhiana. (Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh S/o Shri Amrik Singh and Shri Harpal Singh S/o Shri Mana Singh, Twakli Mora, Bhidra House, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanals 16 marlas at Tripari Saldan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2841 of July, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Singh S/o Shri Thakur Singh,
Resident, of Nasrauli, S. Tehsil Amloh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kalley Steel Corporation,
Mandi Gobindgarh through its partner
Shri Sher Singh,
Amloh Road, Mandi Gobindgarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. AML/88/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 1 bigha 15 biswas
situated at Village Nasrauli S. Tehsil Amloh
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
Amloh in August, 79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 15 biswas situated at Village
Nasrauli, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the sale deed No.
1029 of August, 1979 of the Registering Authority,
Amloh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date : 14th March 1980

Sent :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/144/79-80.—Whereas, I SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 193, Sector 33-A situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Avtar Singh Wadhawan S/o Shri Ram Singh Wadhawan, resident of C-4/8, Rajinder Nagar, New Delhi through his General Attorney Sh. Nanak Chand S/o Sh. Mehtab Rai r/o Vill & P.O. Kera Khera, Teh Fazilka, Distt Ferozepur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Birbal & Moti Lal sons of Shri Nanak Chand, resident of Village & Post Office Kera-Khera, Tehsil Fazilka, Distt. Ferozepur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 193, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 808 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 Mar 1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. DBS/62/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 40 bighas 3 biswas situated at V. Fatehpur, S. Tehsil Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rukmani W/o Shri Jeon Singh R/o V. Fatehpur, S. Tehsil Dera Bassi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Bhajan Singh, Mohan Singh, Sohan Singh Ss/o Shri Ftteh Singh, R/o vill. Mir Pur Jatten, Teh Nawa Sher.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 bighas 3 biswas, situated at V. Fatehpur, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 732 of September, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 Mar 1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Rf. No. CHD/131/79-80.—Where I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Show Room Site No. 42, Section 26, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Tek Chand Aggarwal S/o Shri Banarsi Dass, Sh. Suresh Kumar S/o Shri Tek Chand & Shri Kapur Chand Aggarwal S/o Shri Banarsi Dass through attorney Sh. Suresh Kumar S/o Shri Tek Chand Aggarwal, 151, Grain Market, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Pawittar Singh Walia S/o Dr. Niranjana Singh, (ii) Smt. Harjit Kaur W/o Sh. Pawittar Singh, Shri Rupinder Vir Singh S/o Shri Pawittar Singh Walia, Miss Gurinder Vir Kaur D/o Shri Pawittar Singh Walia resident of old Gadda Khanna Patiala and Mrs. Kanwaljit Kaur W/o Shri Jatinder Singh Ahluwalia of M.I. Road, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show room Site No. 42, Sector 26, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 770 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 Mar 1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/137/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Residential Plot No. 1205, Sector 34C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Captain Devinder Katyal S/o Shri S. B. Katyal resident of Dehradun through his general power of attorney Shri Badri Nath S/o Shri Des Raj resident of House No. 3141, Sector 21-D, Chandigarh (at present B-21, C&I. O. Colony Section 30-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Rani wife of Shri Badri Nath resident of B-21, C.S.I.O. Colony, Sector 30, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Gurdial Singh R/o 1205 Sector 34-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1205, Sector 34C Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 786 of July, 1979 of the registering authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 Mar 1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/135/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential plot No. 2105, Sector 35-C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Licut, Col. Ajmer Singh Gill S/o Shri Balwant Singh Gill resident of 31, Purvi Marg, New Delhi through Shri Prithipal Singh S/o Sh. Harbhajan Singh R/o House No. 3425, Section 27-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Kanwal Mohan Singh S/o Shri Harbhajan Singh resident of House No. 2268, Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 2015, Sector 35C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 779 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 14 Mar 1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/123/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 3877, Sector 32-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1979 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ram Saran S/o Shri Jagan Nath resident of 162, New Jawahar Nagar, Jullundur City through his general attorney, Sh. Rajinder Kumar S/o Sh. Pindi Dass, resident of House No. 126, Sector 16A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Kumar Seekri S/o Sh. Satya Parkash Seekri, resident of House No. 3102, Sector 20D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3877, Sector 32D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 687 of July, 1979 of the registering authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 March 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. RAJ/113/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House Constructed on Plot No. J-8/9 situated at Gobind Colony, Rajpura Township, Rajpura (and more fully described in the Echeduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shamsher Singh S/o Thakur Singh, resident of J-8/8, Gobind Colony, Rajpura.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Saran Mehandiratta S/o Sh. Gopal Dass, Resident of D-325, Krishna Gate, Near Shamshad Manzil, Karnal (Haryana).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House constructed over Plot No. J/8/9, Gobind Colony, Rajpura Township, Rajpura. (The property as mentioned in the sale deed No. 2069 of August, 1979 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 March 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/139/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 35, Sector 9A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Amrit Banaspati Co. Ltd. Rajpura through its attorney Commercial Manager Shri Jagesh Kumar Khaitan S/o Shri Tulsi Parsad Khaitan, R/o H. No. 60/8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Amrit Kaur W/o Shri Gurcharan Singh, Cap. Rajdeep Singh Jaiya, Cap. Charandeep Singh, Cap. Amardeep Singh S/o Shri Gurcharan Singh, All resident of House No. 35, Sector 9-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 35, Sector 9-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 795 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/148/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 3498, Sector 35D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karam Singh S/o Lt. Shadi Singh
Resident of House No. 1664, Sector 22-B,
Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Ram Kishan Trivedi
S/o Shri Salig Ram
Through Spl. Attorney Shri Jasbir Singh
Resident of House o. 1664, Sector 22D,
Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 3498, Sector 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 839 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narain Dass S/o Shri Tahal Dass,
Gobindgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Corpal Steel Corporation,
Gobindgarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. SRD/120/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 4 bigha situated at Village Ajnali Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE -SCHEDULE

Land measuring 4 bighas at Village Ajnali, Teh. Sirhind. (The property as mentioned in the sale deed No. 1797 of July, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. SRD/115/79-80.—Whereas, I, **SUKHDEV CHAND**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land and Building (Petrol Pump) situated at V. Roorkee, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1(1) S/Shri Anil Kumar, Satinder Kumar
Ss/o Shri Lajpat Rai,
R/o Khanna, Distt. Ludhiana,

(Transferor)

- (2) S/Shri Rai Singh, Gurdial Singh
Ss/o Shri Chatter Singh,
Baljinder Singh s/o Sucha Singh.
Raghibir Singh, Jit Singh, Balwinder Singh
Ss/o Shri Jiun Singh,
R/o V. Nalina Kalan, Teh. Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE -SCHEDULE

Land and Building (Petrol Pump) situated at V. Roorkee, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1672 of July, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/171/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 1596, Sector 34-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Air Vice Marshal Jaspal Singh
S/o Shri Prithpal Singh
C/o Sardar Shirmam Singh
Resident of House No. 44, Sector 9-A, Chandigarh
Through his general power of attorney
Sardar Harbhajan Singh S/o Shri Sujan Singh
R/o House No. 1180, Sector 8-C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Raghbir Singh S/o Shri Basant Singh,
Resident of House No. 1596, Sector 34-D,
Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Shri Raghbir Singh,
H. No. 1596, 34-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE -SCHEDULE

Residential Plot No. 1596, Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 994 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Inder Dev S/o Shri Girdhari Lal,
Mohalla Dhandian, Daresi Road, Ludhiana.
(Transferor)

(2) M/s Sagar Machine Tools (Pvt.) Ltd. Ludhiana;
through Shri Amarjit Singh S/o Shri Atma Singh,
411, Indl. Area-A, Ludhiana.
(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. LDH/225/79-80.—Whereas I, SUKHDEV
CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share Factory Unit No. 418, property No. B-XXIII-526/
3B situated at Industrial Area of Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Factory Unit No. 418, Property No. B-XXII-
526/3B Indl. Area-A, Ludhiana. (The property as mentioned
in the sale deed No. 1893 of July, 1979 of the Registering
Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. RAJ/97/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Land measuring 25 bighas 17 biswas situated at V. Seel, Tehsil Rajpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—16GI/80

- (1) Shri Jagir Singh S/o Sh. Molu S/o Sh. Chhotu Resident of V. Seel, Tehsil Rajpura. (Transferee)
- (2) S/Shri Mangta Singh, Arjan Singh, Lajja Singh, Sarup Singh, Jagrup Singh, Kesar Singh, Surjan Singh Ss/o Sh. Saun Singh, S/o Sh. Harnam Singh, Residents of V. Seel, Teh. Rajpura. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 bighas 17 biswas, situated at V. Seel, Teh-
Rajpura.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1736 of
July, 1979 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. LDH/260/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land measuring 186.2/3 sq. yds. situated at Brown Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Arjan Singh S/o Sh. Desa Singh,
r/o F-10-850, Ahata Mohamad Tiar,
Ludhiana.

(Transferee)

(2) Shri Pam Parkash S/o Shri Jiwa Ram,
P.O. B-II-77, Brown Road, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 186.2/3 sq. yds situated at Brown Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2120 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raj Kumar S/o Shri Prabh Dayal Karyana
Merchant resident of Village Bilga, Distt. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nachhatar Kaur W/o Sh. Malkiat Singh, S/o
Sh. Joginder Singh, resident of Gali No. 1, New
Janta Nagar, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. LDH/266-79-80.—Whereas I, SUKHDEV
CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.
House—area 200 sq. yds. situated at Gill No. 1, New Janta
Nagar, Gill Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object or—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

House property (area 200 sq. yds.) situated at Gill No. 1,
New Janta Nagar, Gill Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2152 of
July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th February 1980

Ref. No. A.P.No. 2060.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at House, Gali No. 15 Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dewan Chand S/o Sh. Karam Chand, Jain
Negari, Abohar.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Parmeshwari Devi W/o Sh. Kundan Lal
2. Smt. Lajwanti W/o Sh. Jai Lal
3. Sh. Jai Lal S/o Kundan Lal Gali No. 15, Mandi Abohar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1044 of 11-7-1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 26-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2061.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Chak Alla Bax Teh. Dasuya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mukerian on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal S/o Sh. Raghu Nath of Mill. Majari Teh. Kharar Distt. Ropar Mukhtiar Ram Dhintander Kumar alias Staander Kumar S/o and Smt. Vidya Vanti Wd/o Sh. Besheshar Nath of Vill. Khanna Distt. Ludhiana at present Vill. Majari Teh. Kharar Distt. Ropar.

(Transferor)

- (2) Sh. Surinder Singh-Chanan Singh-Iqbal Singh Ss/o Sh. Partap Singh. Jagjit Singh S/o Balwant Singh Vill. Devi Dass of Mukerian Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 977 of July, 1979 of the Registering Authority, Mukerian.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2062.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Chak Alla Bax No. H.B. 236 Teh. Dasuya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mukerian on 21-9-1979

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sarasti Devi W/o Sh. Jagan Nath S/o Sh. Kanshi Ram of Vill. Chak Alla Bax No. H.B. 236 Teh. Dasuya Distt. Hoshiarpur,

(Transferor)

(2) Shrimati Ram Piali W/o Sh. Gurbachan Ram Smt. Santosh Kumari W/o Sh. Rajinder Pal—Smt. Chander Bada W/o Sh. Ajay Kumar S/o Sh. Rajinder Pal, Sh. Ajay Kumar-Sh. Benay Kumar-Sh. Raman Kumar S/o Sh. Rajinder Pal S/o Sh. Mudho Ram of Vill. Mukerian, Teh. Dasuya Distt. Hoshiarpur Through Sh. Ajay Kumar,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1293 dated 21-9-1979 of the Registering Authority, Mukerian.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2063.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule Vill, Chak Alla Bax No. HB 236 Teh. Dasuya (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian on 30-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal Gotam S/o Raghu Nath S/o Sh. Kewal Dass of Vill. Majri, Teh. Kherar, Distt. Roper Mukhtari-am of Satinder Kumar-Shiv Kumar S/o and Smt. Vidya Wati W/o Sh. Bashohar Nath S/o Sh. Kanshi Ram of Vill. Lhnaa Distt. Ludhiana at Present Vill. Majri, Teh. Kherar, Distt. Roper.
(Transferor)

(2) Shri Guibachan Singh S/o Sh. Harnam Singh S/o Sh. Roor Singh of Vill. Mukerian, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1389 of 30-10-1979 of the Registering Authority, Mukerian.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th February 1980

Ref. No A.P. No. 2064.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Vill. Malak Pur, Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Durga Dass S/o Bhola Ram R/o Malak Pur Teh. Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Gaiinda Ram S/o Chhaju Ram SS/S Hans Raj—Nirmal Singh SS/o Sh. Gaiinda Ram R/o Vill. Malak Pur. Teh. Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 740 of 9-7-1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range Jullundur

Date : 27-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2065.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Ajimgarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on 25-7-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—16GI/80

(1) M/s Guru Nanak Ice Factory, Hanuman Garh Road, Abohar.

(Transferor)

(2) Ravi Kant Setia S/o Shri Parma Nand Setia R/o Vill. Patti Bila Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 1189 of July 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2066.—hereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Ajimgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by **more than fifteen per cent of such apparent consideration and** that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Guru Nanak Ice Factory, Hanuman Garh Road, Abohar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Suman Setia W/o Shri Ravi Kant Setia R/o Vill. Patti Bila Teh. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1216 of July 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2068.—hereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Shop No. 17 at Railway Road, Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s G. W. Baker and Company Railway Road, Jullundur Through Karam Singh Kirti and Manjit Singh Smt. Surinder Kaur Gursharan Singh (Partners) Railway Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Surinder Pal Singh Toor S/o Shri Inder Singh Toor, 171-L, Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) M/s Sippy Films Jullundur and Guru Nanak Enterprises, Jullundur.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2922 of July 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-3-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2069.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Shop No. 17 Railway Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s G.W. Baker and Company, Railway Road, Jullundur Through Karam Singh Kirti and Manjit Singh Smt. Surinder Kaur Gursharan Singh (Partners) Railway Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Balwant Kaur Wd/o Inder Singh 171-L Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) M/s Sippy Films Jullundur and Guru Nanak Enterprises, Jullundur.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2963 of July 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 13th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2070.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Industrial Area, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Oct 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Firm Superm Steel Arts, Mouli through Balbir Singh S/o Mela Singh Manjit Singh S/o Shri Anoop Singh, Yoginder Kaur W/o Ujjagar Singh R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) M/s Firm Jagdev Tractors G.T. Road, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1338 of October 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-3-1980.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 13th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2071.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Industrial Area, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Firm Superem Steel Arts, Mouli through Balbir Singh S/o Shri Mela Singh, Manjit Singh S/o Shri Anoop Singh, Yoginder Kaur W/o Ujjagar Singh R/o Phagwara.
(Transferor)

(2) M/s Firm Jagdev Industries, G.T. Road, Phagwara.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 765 of July 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2072.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at H. No. B-IV, 889, 891 Bazar, Kakan, Kucha Khadar Kali Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), **has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on 31-7-1979,** for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Asha Rani W/o Shri Pran Nath Dhanwan S/o Shri Sita Ram, Kothi No. 188, New Jawahar Nagar, Jullundur City.
(Transferor)
- (2) S/Shri Tarsem Lal, Ashwani Kumar, Shiv Kumar, Vinay Kumar S/o Shri Janak Raj S/o Shri Amar Nath, 411, Adarsh Nagar, Jullundur City.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed no. 3242 of 11-7-1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-3-1980
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2073.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at H. No. N.H. 1 Nila Mahel, opposite Balmiki Gate Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on 9-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Raj Rani Wd/o Shri Roshan Lal R/o NK/245, Charanjit Pura, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Kasturi Lal and his brothers and Sons S/o Shri Babu Ram, Nila Mahel, NH, 393, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3155 of 9-7-1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2074.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at House in Moh. Satnam Pura (Phagwara) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 6-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—16GI/80

(1) Shri Harbans Singh S/o Dula Singh R/o Mohalla Satnam Pura H. No. B XL VI/194 Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamla Devi W/o Om Prakash Mehan R/o Jandiala, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(t) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 727 dated 6-7-1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2075.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Badshah Pur (Jullundur), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pradeep S/o Madan Lal Partner of M/s Sangha Cold Store, 202-R, Model Town, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Isber Singh S/o Piara Singh R/o Badshah Pur, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3348 of July 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harish Seth S/o Prakash Chand,
Partner of Sanja Cold Store, 326-New Jawahar
Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Isher Singh s/o Piara Singh,
R/o Badshah Pur, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. AP 2076.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Badshah Pur (Jull)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Jullundur in July 1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale
deed No. 3349 of July 1979 of the Registering Authority,
Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th March 1980

Ref. No. AP, No. 2077.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at House in Nai Abadi Santosh Pura Chuck Hussain Lamma Pind Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Ajaib Kaur wd/o Shri Raghbir Singh,
R/o Village Litran, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Shadi Ram s/o Shri Babu Ram,
Rfflo Village Litran Teh. Nakodar Distt. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3351 of July 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/355.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at One kothi No. 17 Basant Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR, Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jaspal Singh s/o Shri Jit Singh,
R/o Queens Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Gulshan Kaur w/o Shri Mohan Singh and
Shri Paramjit Singh s/o Shri S. Mohan Singh,
R/o Subash Park, Agra.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants as listed in the
report of the V.O. if any,
(Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any other person (s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be in-
terested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 17, situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned the sale deed No. 1043/I dated 4-7-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/353.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN
IRSbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. situated at Plot of land with small structure in Garden
Colony ASR.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at SR, Amritsar in July 1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Maan Singh Gulathi s/o Shri Harnam Singh
Gulati, R/o Sharifpura Amritsar.

(Transferor)

- (2) S/Shri
(1) Krishan Lal s/o Shri Dhian Chand,
(2) Smt. Sharda Arora w/o Shri Krishan Lal,
(3) Smt. Purn Devi w/o Shri Dhian Chand,
R/o Duni Chand Road, Garden Colony,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) in any.
(Person(s) in occupation of the Property).
(4) Any other person (s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be in-
terested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land with small structure measuring 358 sq.
mtrs. situated in Garden colony Amritsar as mentioned in the
sale deed No. 1175/I dated 18-7-79 of the registering autho-
rity, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/354.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at One plot in Shastri Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR, Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Bimla Menon d/o Shri Inderjit Menon, R/o 34-A Daya Nand Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Jain s/o Shri Sita Ram Jain, Suptd. Engineer, R/o P.W.D., Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) in any. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any other person (s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Shastri Nagar (No. 312) as mentioned in the sale deed No. 1018, 3, Chanderpri taylor Road, Amritsar, dated 2-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-3-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/356.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Shops in Majith Mandi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Banwri Lal Aggarwal s/o Shri Lala Firya Shah, R/o Loha Mandi, Amritsar, C/o Uttam Chand Salig Ram.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Batra w/o Shri Vajir Chand, R/o 267 Basant Avenue Amritsar and Smt. Mina Rani w/o Shri Kishore Chand, R/o Bazar Dal Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) listed in the valuation report if any. (Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any other person (s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops No. 2490-91 situated in Majith Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1140/1 dated 13-7-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Rd, Amritsar,

Date : 10-3-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/356.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated Katra Karam Singh ASR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

31—16GI/80

- (1) Smt. Devki Devi w/o Shori Lal
r/o Bazar Bikenerina, Amritsar,
Smt. Ram Piarj w/o Daulat Ram
r/o Bagh Rama Nand Amritsar,

(Transferor)

- (2) Sh. Tirlok Chand s/o Balmukana
r/o Akali Market, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant, listed in the valuation report if any
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop & House No. 2224 & 2258, situated at Ktr. Karam Singh, Kucha Lahori Bazar Chumaran Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1035 dated 5-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/357.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Gali Tiwarian situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ramji Dass
r/o Gali Tiwarian, Amritsar,
H. No. 219/11-2.

(Transferor)

(2) Sh. Chaman Lal s/o Sh. Lal Chand, Reshmco Rani
w/o Sh. Chaman Lal r/o Haveli Arur Singh,
Telephone Exchange, Amritsar

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 219/11-2 situated in Gali Tiwarian, (Old construction) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1045/1 dated 4/7/79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date 1-10-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR 79280/358.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeds Rs. 25,000.- and bearing No.

One plot situated in State Bank Colony ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amar Nath s/o Chunj Lal
r/o Katra Ahluwalia Amritsar Purani Market.
(Transferor)

(2) Sh. Harbans Singh Chawla Harkishan Singh Chawla
ss/o Sh. Sham Singh Chawla
r/o Dhab Basti Ram, Lakkar mandi,
Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 2 plot khasra No. 1812/652 situated in State Bank Colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1107 dated 11-7-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 11th March 1980

Rel. No. ASR/79-80/359.--Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated in State Bank Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Babu Lal s/o Muli Dhar
r/o Katra Ahluwalia, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Harbans Singh Chawla Harkishan Singh Chawla, ss/o Sh. Sham Singh Chawla,
r/o Lakkur Mandi, Dhab Vasti Ram,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 plot Khasra No. 1812/652 situated in State Bank Colony, Asr. (measuring 289 sq. mtrs., as mentioned in the sale deed No.1106/1 dated 11-7-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/360.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Plot situated in Shastri Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Gurdip Singh s/o Tara Singh
170 H. No. 1989 Tahsil Pura Gali No. 3,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Sukhbir Singh s/o Sarabjit Singh
r/o Vain Poin Distt.
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 333 situated in scheme No. 62 Shastri Nagar (area 225 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 1016/I dated 2-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/361.—Whereas I. M. I. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot situated in Shastri Nagar, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gurdip Singh s/o Tara Singh Gali No. 3, Tehsil Pura, Amritsar.

(Transferee)

- (2) Sh. Baldev Singh s/o Amrik Singh village Gaiin Pain Amritsar Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and (tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 333 measuring 225 sq. mtr. situated in schemes No. 62 Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1017/I dated 2-7-79 of the registering authority Amritsar.

M. I. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASF. 79-80/362.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated in Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Vaidhoo Dass s/o Sh. Kesho Ram,
r/o Bazar Majith Mandi, Amritsar, (Transferor)
- (2) S. Preet Kanwal Singh s/o S. Mohan Singh,
r/o 29 Green Avenue, Amritsar, (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overlaid and tenants listed in the valuation report if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi No. 29 (old construction) situated in Green Avenue, as mentioned the sale deed No. 1174-I dated 18-7-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpura Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/363.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated in Ktr. Garba Singh, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dalip Singh s/o Gajjan Singh
r/o 439-East of Mohan Nagar,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Duni Chand s/o Chandu Ram
r/o Bazar Kathiawala, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 419/ and 432/7 & 399/7 situated in Katra Garba Singh, Gali Deviwalli, Kucha Nimwala, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1214/1 dated 20-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR/79-80.364.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated in Bazar Tellian, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—16CI/80

- (1) Smt. Kishan Kaur wd/o Jagat Singh,
Puran Singh s/o Budh Singh,
Pritam Singh s/o Budh Singh,
Kartar Singh s/o Jagat Singh,
Pasho w/o Inder Singh,
Smt. Guru w/o Appar Singh,
Smt. Dalbir Kaur w/o Natha Singh,
Najit Kaur w/o S. Makhan Singh r/o Vill. Lokan,
Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

- (2) Sh. Om Parkash s/o Sh. Chani Ram
r/o Bagh Rama Nand, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 2653-54-55 with three and half storeyed structure situated in Bazar Chowk Tellian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1040/I dated 4-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road Amritsar

Date : 11-3-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/365—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops in Bazar Kessarian, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Rajinder Kumar Jain s/o Sh. Tila Bhand Jain r/o 33, Vir Nagar Delhi self and Bahasiat Mukhtar Aam Min Janab Shmt. Farlok Sundri, Ashok Kumar Jain, Sh. Rakesh Jain, Smt. Sudershan Jain, Neelam Jain & Smt. Neelam Jain,

(Transferor)

(2) Sh. Kuldeep Singh s/o Sh. Sohan Singh r/o Bazar Kessarian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report, Sh. Kuldeep Singh, Raj Kumar, Sh. Dwarka Dass Sh. Dev Raj Pawan Kumar Chopra.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops No. 605, 606, 607, 607 situated in Bazar Kessarian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1053/I dated 5-7-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 13-3-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/366.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Charanjit Lal Bhaskar s/o Sh. Durga Dass, Smt. Ramesh w/o Sh. Charanjit Lal Bhaskar, Sh. Atul s/o Sh. Charanjit Lal Bhaskar r/o 28 Circular Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Tilak Raj s/o Sh. Ram Lubhaya r/o 17 Race Course Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants as listed in the report if any. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land bearing khasra No. 392/1 situated in Tung Bala Urban Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1295/I dated 30-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 20-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/367.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Sharifpura, ASR.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harbhajan Kaur W/o Sh. Puran Singh alias Sampuran Singh r/o Gol Masjid Gali No. 8, Sharifpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Nirmala Rani d/o Sh. Rattan Lal r/o Amritsar Gali No. 8, Gole Masjid Amritsar, Sharifpura.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants mentioned in the valuation report if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house two storeyed No. 227/13 (area 59 sq. mtrs) situated in Gali No. 8, near Gole Masjid Sharifpura, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1294/I dated 30-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 29-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th March 1980

Ref. No. B.R. 79-80/368.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land in village Jandiala Guru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baba Bakala in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Rashpal Singh s/o Sant Singh Vill. Jandiala Guru.
(Transferor)
- (2) S. Baljit Singh s/o Joginder Singh r/o Vadali Dogran.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in Occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 24 kanals situated in Jandiala Guru, Teh. Baba Bakala, as mentioned in the sale deed No. 1716/4-7-79 of the registering authority Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 18-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th March 1980

Ref. No. B.B./79-80/369.—Whereas I. M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land in Jandiala Guru

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baba Bakala in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kumari Kiran Rup d/o S. Rachhpal Singh
r/o Jandiala now at Chandigarh. (Transferor)
- (2) S. Tara Singh, Joginder Singh, Dalip Singh
s/o Amar Singh, r/o Vadali Dogran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 24 kanals situated in Jandiala Guru as mentioned in the sale deed No. 1717 dated 4-7-79 of the registering authority Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 18-3-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th March 1980

Ref. No. B. B./79-80/370.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land in Jandiala Guru (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baba Bakala in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Kumari Kawal Rup d/o Rashpal Singh
r/o Jandiala Guru. (Transferor)
- (2) Sh. Charan Singh s/o Mohinder Singh
r/o Wadali Guru, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 24 kanals situated in Jandiala Guru as mentioned in the sale deed No. 1715 dated 4-7-79 of the registering authority, Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 18-3-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/371.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

1/2 factory building in Tung Bala area (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanta Schgal w/o Prata Lal
r/o Sidhu Niwas, Putlighar, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s Samrat Woolen Mills, Pvt. Ltd.
R. B. Duni Chand Road, Amritsar, (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants
M/s. Ambica Woolen Mills.
M/s. Ambica Woolen Mills.
M/s. Mehra Twisting works.
M/s. Sardari Lal Mehra Weaving Factory and
M/s. Harsukh Lal Kidar Nath.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in factory building No. 917-18/XII-22, 1660-61/XIII-22 and Khasra No. 20-21 (area 6574 sq. mtrs.) situated in Tung Bala Urban, Daya Nand Nagar, Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1133/I dated 13-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 17-3-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/372.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 share in plot on Jail Road, Amritsar, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—16GI/80

(1) Sh. Prithi Pal Singh alias Prithpal Singh
s/o Sh. Nand Singh r/o 10-Majitha Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Gurinder Singh s/o Jagat Singh, Jail Road,
Oppstt. Kothi No. 14, Jail Road,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot bearing Kharsa No. 2017/66 situated on old Jail Road, Amritsar, measuring 300 sq. mtrs. i.e. 360 sq. yds. as mentioned in the sale deed No. 1241/I dated 23-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 17-3-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th March 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building in Hide Market GT Rd. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ashok Kumar s/o Walati Ram & Smt. Vidya Wati wd/o Walati Ram r/o 4731 Lakshmi Bazar Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Naresh Kumar s/o Krishan Gopal r/o F. 2/1 Model Town, Delhi. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Oriental Woollen Mills. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. BXIII 185-5 (area 92 sq. mtrs.) situated in Hide Market, G.T. Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1195/I dated 19-7-79 of the Registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 17-3-80

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sh. Ashok Kumar s/o Sh. Walati Ram & Smt. Vidya Wati wd/o Sh. Walati Ram, 4731, Lakshmi Bazar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Santosh Gupta w/o Sh. Bindra Ben 10-N.D.W. Road, Panjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Oriental Woollen Mills.

[Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any other.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Hide Market, G.T. Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One building no. BXIII 18, S-5 (area 98 sq. mtrs.) situated in Hide Market G. T. Road, Amritsar mentioned in the sale deed No. 1194/I dated 19-7-79 of the registering authority Amritsar.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2642(986)/1-1/79-80.—Whereas, I
S. N. MANDALbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. S. No. 473, 474-5, 474-6
situated at village: Gota, Tal: Daskroi, Dist. Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
at Ahmedabad on 4-7-1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shantaben wd/o. Patel Haribhai Dahyabhai
Village : Gota, Tal. Daskroi,
Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Vishnubhai Mafatlal Patel, 36 Shanker
Society No. 1, Char Rasta, Naranpura, Ahmed-
abad-13.
2. Shri Jayantibhai Mafatlal Patle, 27, Tarak Kunj
Society, Nr. Wadej, Ahmedabad.
3. Shri Kanubhai Mafatlal Patel, 11 Shantiniketan
Park, Behind Amin Hospital, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in undivided open land admeasuring 7 acres,
O-32-4 Gunthas, and O-34-4 gunthas bearing S. No. 473,
475/5, & 474/5 respectively situated at Village Gota, Tal.
Daskroi, Dist. Ahmedabad and as fully mentioned in the
sale-deed vide R. No. 7163 dated 4-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2642(987)/1-1/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 473, 474-5, 474-6, situated at village: Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harshadbhai Haribhai Patel, self and as Karta of H.U.F. and guardian of minor Babo Harshadbhai, village : Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad. (Transferor)

(2) 1. Shri Vishnubhai Mafatlal Patel, 36, Shanker Society No. 1 Char Rasta, Naranpura, Ahmedabad-13.
2. Shri Jayantibhai Mafatlal Patel, 27, Tarak Kunj Society, Nava Wadej, Ahmedabad-13.
3. Shri Kanubhai Mafatlal Patel, 11, Shantiniketan Park, Behind Amin's Hospital, Naranpura, Ahmedabad-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in undivided open land admeasuring 7 acres, 0-32-4 gunthas and 0-34-4 gunthas bearing S. No. 473 4755, 474/6 respectively situated at village Gota, Tal. Daskori, Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 7162 dated 4-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2642(988)/1-1/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 473, 474-5 & 474-6 situated at Village : Gota, Daskroi Taluka, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandulal Haribhai Patel, self and as karta of H.U.F. and guardian of minors :
1. Shri Jayendra Chandubhai,
2. Shri Sailesh Chandubhai, village : Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Vishnubhai Mafatlal 1 Patel, 36, Shanker Society No. 1, Char Rasta, Naranpura, Ahmedabad-13.
2. Shri Jayantibhai Mafatlal Patel, 27, Tarak Kunj Society New Wajej, Ahmedabad-13.
3. Shri Kanubhai Mafatlal Patel, 11, Shantiniketan Park, Behind Amin's Hospital, Ahmedabad-13.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in the open land admeasuring 7 acres, O-32-4 gunthas, O-34-4 gunthas bearing S. Nos. 473, 475/5 and 474/6 respectively situated at Village : Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 7166 dated 4-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-3-1980
Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I.
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2642(989)/1-1/79-80.—Whereas, I
S. N. MANDALbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. S. No. 473, 474-5 & 474-6,
situated at Vill: Gota, Taluka Daskroi, Dist. Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 4-7-1979for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Haribhai Patel, self and as Karta of
H.U.F. and as guardian of minor Babo Jagdishbhai,
Vill: Gota, Daskroi Taluka, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)

- (2) 1. Shri Vishnubhai Mafatlal Patel, 36, Shanker
Society No. 1, Four Roads, Naranpura, Ahme-
dabad-13.
2. Shri Jayantibhai Mafatlal Patel, 27, Tarak Kunj
Society, New Wadej, Ahmedabad-13.
3. Shri Kanubhai Mafatlal Patel, 11, Shantiniketan
Park, Behind Park, Behind Amin's Hospital,
Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in undivided open land admeasuring 7 acres,
0-32-4 gunths, and 0-34-4 gunthas bearing S. No. 473, 475/5,
Daskroi, Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-
5, & 474/6 respectively, situated at village : Gota, Tal:
Daskroi, Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-
deed registered vide R. No. 7167 dated 4-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 320/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Indira Devi, Kizhakkethottakkattu, Ernakulam
2. Shri Krishnan,
3. " Govindan,
4. " Sivan
5. " Vijayan } (By Smt. Indira Devi)
Ernakulam
(Transferor)
(2) Shri Joseph Mathew
(For M/s Joseph Michael & Bros.), Palai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th right over 58.5 cents of land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 2451/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 321/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) 1. Smt. Indira Devi, Kizhakkethottakkattu, Ernakulam.
2. Shri Krishnan, }
3. .. Govindan, } (By Smt. Indira Devi)
4. .. Sivan, } Ernakulam
5. .. Vijayan, } (Transferor)
(2) Shri Joseph Mathew
(For M/s Joseph Michael & Bros.), Palai. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th right over 58.5 cents of land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 2452/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 12th March 1980

Ref. No. L.C. 405/79-80.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Quilon Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Quilon Village on 17-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Subha, Thundathil Veedu, Mayyanadu, Quilon (Transferor)
(2) Smt. Arifa, D/o Thangal Kunju, T. K. Madhathil, South of High School Jn, Quilon. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10½ cents of land with buildings as per schedule to document No. 2779/79.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 12-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Saramma Kuruvilla W/o Kuruvilla Thomas,
Karothu House, Nattakom.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Doors Transports (P) Ltd., (By Sri G. D.
Mittal) 134/1, M. G. Road, Calcutta-700 007.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 12th March 1980

Ref. No. L.C. 406/79-80.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule, situated at Kottayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottayam (Principal) on 13-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

32 cents of land with buildings in Sy. No. 7/8 of Kottayam village.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Basappa alias Ashok Shrivappa Kattishetti R/o Ganachargalli, No. 4020, Belgaum.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

DHARWAR-580 004

Dharwar, the 4th December 1979

No. 258/79.80/Acqn.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 1008/1 situated at JOONA-BANGALORE ROAD, BELGAUM

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at BELGAUM UNDER DOCUMENT No. 992 on 5-7-70 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Chanabasavesh alias Rajesh
2. Virupaksh alias Sanju
3. Girish S/o. Shivashankar Kattishetti M/G.
Sow. Sheela Shivashankar Kattishetti
No. 4020, Ganachargalli, Belgaum.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 992 Dated 5-7-1979)
Property bearing CTS No. 10008/1 situated on Poona-Bangalore Road, Belgaum.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Dharwar

Date : 4-12-1979
Seal :

STAFF SELECTION COMMISSION
NOTICE

GRADE C STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 12th April 1980

No. 7/7/279-Coord-II.—A limited departmental competitive examination for making additions to the Select List for Grade C of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) and Grade C of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade 'C' of Rly. Board Sectt. Stenographers' Service will be held by the Staff Selection Commission on the 10-9-1980 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Administration Reforms in the Cabinet Secretariat in the Gazette of India dated the 12-4-1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATIONS WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of vacancies in the Services mentioned above for which recruitment is to be made on the basis of the examination is given below :—

- | | |
|---|---|
| (i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C; | * |
| (ii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)—Grade II; | * |
| (iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C; and | * |
| (iv) Gr. 'C' of the Rly. Board Sectt. Stenographers' Service. | * |

*Will be determined later.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of the vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Regional Director N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Commission's office up to the 10-5-80. They are also obtainable from the Commission by post up to the 10-5-80 on payment of Rupee one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/c Payee only' a crossing and payable to the 'Staff Selection Commission'. The name of the examination GRADE C STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1979 should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by two slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the two slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidate by ordinary post under certificate of posting. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Re. 1/- will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head '051—Public Service Commission—Staff Selection Commission—Other Receipts—Sale of Application forms' (adjustable by the Pay and Accounts Officer, Department of Personnel & Administrative Reforms, New Delhi), obtain a receipt in TR5 form from that office and forward the receipt to the Commission. Two slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

NOTE.—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 10-5-80 except from persons residing abroad or in the

Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep which will, however, be entertained upto the 24-5-80.

4. The completed application form must reach the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003, on or before the 10-5-80, accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidate contained in Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep from a date prior to the 10-5-80 will, however, be accepted upto the 24-5-80.

NOTE 1.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1980. Applications on form other than the one prescribed for the Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1980 will not be entertained. The applications on forms marked 'For Official Use only' will also not be entertained.

NOTE 2.—Candidates who send their request for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 3.—Applicants who submit their applications at the Commission's counter should obtain the acknowledgement cards from the clerk who receives the application from them.

5. (i) Prescribed Fee.—Candidates seeking admission to the examination, except those falling under sub-para (iii) and (v) below, must pay the following fee to the Commission with the completed application form :—

Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of Indian Postal Orders crossed with 'A/c Payee only' crossing payable to the Staff Selection Commission or by Bank draft drawn in favour of Staff Selection Commission on State Bank of India at its Parliament Street, New Delhi Branch. The Postal Orders should be filled as per specimen given below :—

PAY TO THE ORDER OF A/C PAYEE ONLY	Pay to Staff Selection Commission New Delhi POSTAL ORDER Lodi Road Post Office New Delhi-110003
---------------------------------------	--

The Commission will not accept payment of fee sent through Money Orders or cheques or currency notes.

(iii) The Commission may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or before 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE STAFF SELECTION COMMISSION, NEW DELHI, AT LODI ROAD POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED IN COLUMN 11 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS OR BANK DRAFTS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLA DESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA & SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH

MARCH, 1971), 1ST JUNE, 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY, AND BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 5(iii) ABOVE.

(v) There will be no fee for Ex-servicemen.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, nor can the fee be held in reserve for any other examination. The refund is admissible only when the examination is cancelled.

In case the candidate is not admitted to the examination by the Commission, because of late receipt of his application, his application alongwith the postal orders, will be returned to him.

7. All communications in respect of an application should be addressed to the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003 and should contain the following particulars:—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communication not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Staff Selection Commission concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Gade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1980."

MADAN LAL
Secretary Staff Selection Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the Controller of Exams., Staff Selection Commission in accordance with para 3 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION, THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions, (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centre. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at his own expenses at any one of the three Missions indicated by him or at any other Mission.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad and exercises the option to answer papers on (ii) Essay and (iii) General Knowledge and take the Stenography tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix to the Rules, may be required to appear, at his own expenses, at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form and the sheet comprising six portions showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application form, should be sent to the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

NOTE—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 6 OF THE APPLICATION FORM, THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPERS ON ESSAY AND GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 3 OF APPENDIX TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED, AND THE SHORT-HAND TESTS TAKEN, IN ENGLISH.

No application received by the Commission after the date proscribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep may, at the discretion of the Commission, be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of application form and forward it to the Commission.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. (1) A candidate must send the following documents with his application :

- (i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Staff Selection Commission at Lodi Road Post Office, New Delhi or bank draft drawn in favour of the Staff Selection Commission on the State Bank of India at its Parliament Street Branch, New Delhi only and valid for at least 6 months for the prescribed fee.
 - (ii) (a) Certified true copy of the first page of his service book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
 - (b) Certified true copy of the particulars of his service since 1st August, 1977 attested by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
 - (iv) Documents required (where applicable) vide paragraph 6 below.
- (2) Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below :—
- (i) CROSSED Indian Postal Orders or bank drafts for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Postmaster and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED and filled in as follows:—

"Pay to the Staff Selection Commission at Lodi Road Post Office, New Delhi."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will also not be accepted.

All bank drafts should be in favour of Staff Selection Commission and drawn on State Bank of India at its Parliament Street Branch, New Delhi.

NOTE.—Candidates serving abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051—Public Service Commission—Staff Selection Commission—Other Receipts—Examination fees" (adjustable by the Pay and Accounts Officer, Deptt. of

Personnel and Administrative Reforms, New Delhi. The candidates should forward the receipt from that office with the application.

- (ii) (a) Certified true copy of the first page of the service book attested by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (Husband's name in the case of a married woman Government servant) nationality, name of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe in the case of candidates belonging to such caste or tribe, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), educational qualification, and specimen signature of the candidate.

- (b) Certified true copy of the particulars of service since 1-8-1977 attested by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity substantive officiating, permanent or temporary in which the post is held.

NOTE.—The Commission may, if it considers necessary, call for the service book or other documentary evidence.

- (iii) Two copies of photograph—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph one of which should be pasted on the application form in the spaces provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

- (iv) The documents required vide para 6 below (where applicable) in support of a claim for remission of fee, and/or relaxation of age must be submitted along with the application failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 4 above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of application. Otherwise the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them, nor should they submit tampered documents. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6. (i) A displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) claiming age concession under Rule 4(c)(ii) or 4(c)(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from Bangladesh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971:

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the sub-division in his charge; and
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West-Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the Notice, he should also produce certificate in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Burma and Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the notice and/or age concession under Rule 4(c)(iv) or

4(c)(v) should produce an attested copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession under Rule 4(c)(viii) or 4(c)(ix) should produce an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A certificate who has migrated from Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 4(c)(vi) or 4(c)(vii) should produce an attested copy of certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident, to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 4(c)(x) or 4(c)(xi) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri. of Unit. was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature
Name
Designation
Date

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 4(c)(xii) or 4(c)(xiii) should produce an attested copy of a Certificate in the form prescribed below from the Director-General Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force, in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri. of Unit. was disabled while in the Border Security Force in operation during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature
Name
Designation
Date

7. Candidates are required to submit along with their applications copies of their certificates mentioned in para 6 above attested by a Gazetted officer of Government or certified by candidates themselves as correct.

8. The candidates are advised that they should arrange their applications in the following order before submission to the Commission :—

- (i) Postal Orders/Bank drafts.
- (ii) One extra copy of photo (another copy of the photograph is to be pasted on the first page of the application).
- (iii) Application form duly completed.
- (iv) Certified true copy of the first page of his Service Book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
- (v) Certified true copy of the particulars of his service during the three years ended 1-8-1980 by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.
- (vi) Attested copy of the certificate showing that the candidate is a migrant from Burma, Sri Lanka, Bangladesh, etc.
- (vii) Certificate showing that the candidate is not in a position to pay the fee, if he wants that the prescribed fee may be remitted in his case.
- (viii) Any other certificate the candidate wishes to send.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate who sends his application by post, and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for admission to this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his

application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Staff Selection Commission, a communication regarding the result of his application one month before the date of the examination, he should at once contact the Commission. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Staff Selection Commission, for attending the examination.

13. Copies of pamphlets containing rules and question papers for the Grade C Stenographer's Limited Departmental Competitive Examinations held by the Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission in previous years are on sale with the Controller of Publication, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders only. These can also be obtained against cash payment from (i) The Kitab Mahal, State Emporia Building, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for Government of India Publications at various mofussil towns.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM/HER AT THE ADDRESS STATED IN HIS/HER APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION ALONGWITH SIX SLIPS SHOWING THE ROLL NUMBER AND THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.